epaper.dehatsandesh.com

3 जम्मू संस्कृति स्कूल कठुआ में दिवाली मेला 2.0 आयोजित

5 स्मृति मंधाना शीर्ष स्थान पर बरकरार, दीप्ति तीसरे स्थान पर

8 पशुपालन में ध्यान रखने योग्य बातें

मौसम जम्मू — न्यूनतम 16 — अधिकतम 27

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-260 | जम्मू तवी, वीरवार 23 अक्तूबर, 2025 | मूल्य-2 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

ऑपरेशन 'सिंदूर' में भारत से मिले करारे प्रहार को पाकिस्तान लंबे समय तक नहीं भूल पाएगा : राजनाथ

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को लेफ्टिनेंट जनरल राज शुक्ला (सेवानिवृत्त) की पुस्तक के विमोचन समारोह में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तीनों सेनाओं के अद्वितीय समन्वय और एकीकरण को सराहा। उन्होंने कहा कि इसी एकजुटता के चलते भारत ने पाकिस्तान को चारों खाने चित्त कर दिया। यह ऐसा आघात था, जिसे पाकिस्तान लंबे समय तक नहीं भूल पाएगा।

रक्षा मंत्री ने पुस्तक सिविल-मिलिट्री फ्यूजन एज़ अ मेट्रिक ऑफ़ नेशनल पावर एंड कॉम्प्रिहेंसिव सिक्योरिटी की एक प्रमुख बात पर ज़ोर देते हुए कहा कि सिविल-मिलिट्री फ्यूजन को केवल एकीकरण के रूप में नहीं, बल्कि एक रणनीतिक प्रवर्तक के रूप में देखा जाना चाहिए। यह फ्यूजन तभी संभव है, जब हम अपने सिविल उद्योग, निजी क्षेत्र, शिक्षा जगत और रक्षा क्षेत्र को एक साझा राष्ट्रीय उद्देश्य के लिए जोड़ें।

इससे हमारी आर्थिक उत्पादकता और रणनीतिक बढ़त बढ़ती है।

राजनाथ सिंह ने मुख्य चुनौतियों की पहचान करने और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों को ध्यान में रखते हुए सैन्य क्षेत्र में नागरिक तकनीकी क्षमताओं का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए एक केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। आज के वैश्विक परिप्रेक्ष्य में नागरिक और सैन्य क्षेत्र धीरे-धीरे विलीन हो रहे हैं। प्रौद्योगिकी, अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा अब पहले से कहीं अधिक परस्पर जुड़ी हुई हैं। ऐसी परिस्थितियों में नागरिक-सैन्य संलयन एक आधुनिक चलन नहीं, बल्कि समय की आवश्यकता बन गया है। रक्षा मंत्री ने कहा कि इसे अनदेखा करना रणनीतिक विकास के लिए अच्छा नहीं है। हमारी कई महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियां अक्सर नागरिक उपयोग तक ही सीमित रह जाती हैं। दोहरे उपयोग की अवधारणा के तहत यदि इन्हें सैन्य अनुप्रयोगों में लाया जाए, तो हमारी राष्ट्रीय शक्ति कई गुना बढ़ सकती है। आज दुनिया

> "घरेलू रक्षा उत्पादन एक दशक में बढ़कर रिकॉर्ड 1.51 लाख करोड़ रुपये हो गया

एक गहरे परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। जिस गति से वैश्विक व्यवस्था बदल रही है, उसी तेजी से युद्ध के तरीके भी बदल रहे हैं। अब युद्ध सिर्फ सीमाओं पर नहीं लड़े जाते, वे हाइब्रिड स्वरूप ले चुके हैं। उन्होंने कहा कि हमारे निरंतर प्रयासों के कारण भारत का रक्षा क्षेत्र अभूतपूर्व ऊंचाइयों को छू रहा है। एक दशक पहले घरेलू रक्षा उत्पादन लगभग 46 हजार करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर रिकॉर्ड 1.51 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इसमें से लगभग 33 हजार करोड़ रुपये का योगदान निजी क्षेत्र ने दिया है। आज दुनिया 'डिविजन ऑफ लेबर' से आगे बढ़कर 'इंटीग्रेशन ऑफ पर्पस' की ओर बढ़ रही है।

विधानसभा का शरदकालीन सत्र हंगामेदार रहने की उम्मीद, विपक्षी दल सत्तारूढ़ सरकार को कई मुद्दों पर घेरने की तैयारी में

श्रीनगर, 22 अक्टूबर । जम्मू-कश्मीर विधानसभा का शरदकालीन सत्र हंगामेदार रहने की उम्मीद है जहाँ विपक्षी दल सत्तारूढ़ एनसी के नेतृत्व वाली सरकार को कई मुद्दों पर घेरने की तैयारी में हैं। कल से शुरू हो रहे इस सत्र में शासन के मुद्दों, नेशनल कॉन्फ्रेंस द्वारा अपने चुनावी घोषणापत्र में किए गए वादों, राज्य के दर्जे और आरक्षण जैसे मुद्दों पर विपक्ष की ओर से जोरदार प्रदर्शन देखने को मिल सकते हैं।

नेता सुनील शर्मा ने कहा कि भाजपा नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेतृत्व वाली सरकार से चुनावी वादों के साथ विश्वासघात के लिए जवाबदेही की मांग करेगी। शर्मा ने कहा कि सरकार चुनावों के दौरान किए गए अपने वादों को पूरा करने में विफल रही है चाहे वह 200 यूनिट मुफ़्त बिजली का वादा हो, प्रति परिवार 12 एलपीजी सिलेंडर हो या लोगों को दिए गए अन्य आश्वासन हों। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय

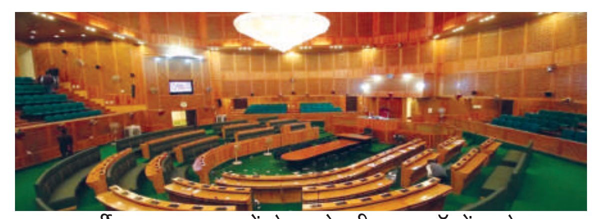

जनता पार्टी (भाजपा) युवाओं के लिए रोज़गार के अवसर पैदा करने में सरकार की अक्षमता पर सवाल उठाएगी। उन्होंने कहा कि चुनाव में सरकार ने युवाओं के लिए एक लाख रोज़गार पैदा करने का वादा किया था लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया।

उन्होंने कहा कि हम उनसे पूछेंगे कि उन्होंने पिछले एक साल में युवाओं के लिए क्या किया है।

दूसरी ओर पीडीपी, पीसी और एआईपी जैसी कश्मीर स्थित छोटी विपक्षी पार्टियाँ राज्य का दर्जा, आरक्षण को युक्तिसंगत बनाने और क्षेत्र के अन्य मुद्दों पर आंदोलन कर सकती हैं।

जैसा कि पहले ही बताया जा चुका है कि विधानसभा सचिवालय ने पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद गनी लोन द्वारा राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग वाले प्रस्ताव को यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया है कि मामला न्यायालय में विचाराधीन है।

इस सत्र में चर्चा का केंद्र सरकार द्वारा पेश किए जाने वाले तीन सरकारी विधेयक होंगे। कैबिनेट ने जम्मू-कश्मीर पंचायती राज अधिनियम 1989 और वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम 2017 में संशोधन के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर दुकान एवं व्यवसाय प्रतिष्ठान विधेयक 2025 को लागू करने के लिए पहले ही अपनी मंज़ूरी दे दी है।

इस सत्र के लिए विधानसभा सचिवालय को 450 प्रश्न, 13 निजी सदस्यों के विधेयक और 55 निजी सदस्यों के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। पिछले विधानसभा सत्र में प्रस्तुत किए गए 33 निजी सदस्यों के विधेयक सदन में लंबित हैं और 28 अक्टूबर को जो निजी सदस्यों के प्रस्तावों के लिए निर्धारित दिन है, उन्हें कार्य में प्राथमिकता दी जाएगी।

इस बीच विधानसभा की कार्य मंत्रणा समिति आज अध्यक्ष के कार्यालय में सदन में कार्य के लिए समय आवंटन पर चर्चा करने के लिए बैठक कर रही है।समिति का कार्य यह सुझाव देना है कि सरकारी विधेयकों और अन्य मामलों के विभिन्न चरणों पर चर्चा के लिए कितना समय दिया जाना चाहिए जैसा कि अध्यक्ष सदन के नेता के परामर्श से निर्देश देते हैं।

> "भाजपा नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेतृत्व वाली सरकार से चुनावी वादों के साथ विश्वासघात के लिए जवाबदेही की मांग करेगी

खबर संक्षेप

शोपियां में एनडीपीएस अधिनियम के तहत 15 लाख से अधिक की संपत्ति कुर्क

श्रीनगर, 22 अक्टूबर । मादक पदार्थों से संबंधित गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए जारी उपायों के तहत जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मीमंदर शोपियां निवासी मुख्तार अहमद नाइकू के सर्वे संख्या 498 मिन के अंतर्गत 1258 वर्ग फुट क्षेत्रफल वाले 15,44,523 रुपये मूल्य के एक मंजिला आवासीय मकान को कुर्क किया है।

एक अधिकारी ने बताया कि यह संपत्ति अवैध ड्रग्स और नशीले पदार्थों की बिक्री से प्राप्त धन से अर्जित की गई है।

उन्होंने बताया कि आरोपी पहले भी कई एनडीपीएस मामलों में शामिल रहा है जिनमें शोपियां पुलिस स्टेशन की एफआईआर संख्या 41/2016 और एफआईआर संख्या 27/2020 शामिल हैं।

अधिकारी ने बताया कि कुर्की की प्रक्रिया विधिवत गठित पुलिस टीम, कार्यकारी मजिस्ट्रेट, लंबरदार और चौकीदार की मौजूदगी में की गई जिसमें सभी कानूनी प्रोटोकॉल का पूरी तरह से पालन सुनिश्चित किया गया।

पुलिस ने मादक पदार्थों से संबंधित अपराधों के खिलाफ कानून लागू करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और जनता से नशीली दवाओं से संबंधित गतिविधियों के बारे में किसी भी जानकारी की सूचना देने की अपील की।

व्हाइट नाइट कोर के जीओसी ने नियंत्रण रेखा के पास अग्रिम क्षेत्रों का किया दौरा

जम्मू, 22 अक्टूबर । व्हाइट नाइट कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल पीके मिश्रा ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के राजौरी और पुंछ जिलों में नियंत्रण रेखा के पास अग्रिम क्षेत्रों का दौरा किया और इस क्षेत्र में परिचालन तैयारियों और सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की।

उन्होंने सैनिकों से भी बातचीत की और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उनकी व्यावसायिकता, धैर्य और दृढ़ प्रतिबद्धता की सराहना की।

व्हाइट नाइट कोर ने एक्स पर कहा कि जीओसी व्हाइट नाइट कोर ने जीओसी ऐस ऑफ स्पेड्स डिवीजन के साथ मिलकर कृष्णा घाटी (पुंछ) और नौशेरा (राजौरी) क्षेत्रों में अग्रिम चौकियों का दौरा किया ताकि परिचालन तैयारियों की समीक्षा की जा सके और नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा गतिशीलता का आकलन किया जा सके।

जीओसी ने सभी जवानों व अधिकारियों को राष्ट्र की सीमाओं की सुरक्षा में सर्वोच्च परिचालन दक्षता और दृढ़ आक्रामक रुख बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

छठ पर घर जाने वालों के लिए अगले पांच दिनों में चलाई जाएंगी 1500 विशेष ट्रेनें

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर । त्योहारों के मौसम में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए भारतीय रेल ने व्यापक इंतजाम किए हैं। छठ पर्व के अवसर पर अगले पांच दिनों में 1500 विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी। यानी औसतन प्रतिदिन 300 ट्रेनें चलेंगी, ताकि हर यात्री सुरक्षित और आरामदायक तरीके से अपने घर पहुंच सके।

रेल मंत्रालय के अनुसार, नियमित ट्रेनों के अलावा पिछले 21 दिनों में 4,493 विशेष ट्रेन चलाई गई हैं, जिनका औसत प्रतिदिन 213 ट्रिप्स रहा। इन विशेष ट्रेनों ने दीपावली के अवसर पर यात्रियों को समय पर अपने घर पहुंचने में बड़ी सुविधा दी है। भारतीय रेल एक अक्टूबर से 30 नवंबर 2025 तक 61 दिनों की अवधि में 12 हजार से अधिक विशेष ट्रेनें चला रही है। अब तक 11,865 ट्रिप्स (916 ट्रेनों) की अधिसूचना जारी की जा चुकी है, जिनमें 9,338 आरक्षित और 2,203 अनारक्षित ट्रिप्स शामिल हैं। यह संख्या पिछले वर्ष की तुलना में काफी अधिक है, जब 7,724 पूजा और दीपावली विशेष ट्रेनें चलाई गई थीं।

रेल मंत्रालय के अनुसार, 21 से 31 अक्टूबर के बीच लगातार विशेष ट्रेनों की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई है। 21 अक्टूबर को 282 विशेष ट्रेनें चलाई गईं, जबकि 22 अक्टूबर को 285 और 23 अक्टूबर को 295 ट्रिप्स अधिसूचित की गईं। 24 अक्टूबर को यह संख्या बढ़कर 303 हो जाएगी और 25 अक्टूबर को सर्वाधिक 311 विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी। 26 अक्टूबर को 305 ट्रिप्स संचालित होंगी, जबकि 27 अक्टूबर को 286, 28 एवं 29 अक्टूबर को 242-242 विशेष ट्रेनें चलेंगी। इसके बाद 30 एवं 31 अक्टूबर को 263-263 विशेष ट्रिप्स का संचालन किया जाएगा।

रेलवे ने न केवल अतिरिक्त ट्रेनें चलाई हैं बल्कि यात्री सेवाओं और सुविधाओं में भी सुधार किया है। 19 अक्टूबर को सूरत के उधना स्टेशन से 36 हजार से अधिक यात्रियों ने यात्रा की- जो पिछले वर्ष की तुलना में 50 प्रतिशत अधिक है। यात्रियों की सुविधा के लिए अतिरिक्त टिकट काउंटर, होल्डिंग एरिया और भीड़ नियंत्रण की विशेष व्यवस्था की गई।

5 साल से गिरफ्तारी से बच रहे 2 भगोड़े गिरफ्तार

श्रीनगर, 22 अक्टूबर। कानून से बच रहे भगोड़ों के खिलाफ एक महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए, गांदरबल पुलिस ने बुधवार को दो भगोड़ों का पता लगाकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया, जो पिछले 5 सालों से गिरफ्तारी से बच रहे थे। एक पुलिस प्रवक्ता ने जारी एक बयान में कहा, गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान मोहम्मद सलीम शेख पुत्र मोहम्मद रमजान शेख और रेहाना बेगम पत्नी मोहम्मद सलीम शेख के रूप में हुई है, दोनों पंजीपोरा सोपोर निवासी हैं और एफआईआर संख्या 47/2021 धारा 420, 34, 201/आईपीसी के तहत दर्ज मामले में शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपियों को पुलिस ने एक विशेष अभियान के दौरान गिरफ्तार किया और आगे की कानूनी कार्यवाही के लिए आज उन्हें अतिरिक्त विशेष मोबाइल मजिस्ट्रेट गांदरबल की अदालत में पेश किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने दीपावली की शुभकामनाओं के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का जताया आभार

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बीच बातचीत हुई। इसमें प्रधानमंत्री ने दीपावली पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शुभकामनाओं और व्यक्तिगत रूप से फोन कॉल के लिए उनका हार्दिक आभार व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ने भारत-अमेरिका साझीदारी की स्थायी शक्ति, साझा लोकतांत्रिक आदर्शों तथा वैश्विक शांति और आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त प्रतिबद्धता पर बल दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर अपने संदेश में कहा, ÿराष्ट्रपति ट्रंप, आपके फोन कॉल और दीपावली की हार्दिक शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। प्रकाश के इस पर्व पर, हमारी दोनों महान लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं संसार को आशा की ज्योति से आलोकित करें और हर प्रकार के

आतंकवाद के विरुद्ध एकजुट होकर खड़ी रहें।

इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में आयोजित दीपावली समारोह के दौरान भारतीय-अमेरिकी समुदाय के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा, मैं भारत के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। मैंने आज ही आपके प्रधानमंत्री से बात की। बहुत अच्छी बातचीत हुई। हमने व्यापार के बारे में बात की, उनकी इसमें बहुत रुचि है

नेकॉ ने नगरोटा उपचुनाव के लिए अभियान किया शुरू

जम्मू, 22 अक्टूबर । जम्मू और कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस ने आज आगामी नगरोटा उपचुनाव के लिए अपने अभियान की औपचारिक शुरुआत की और सुशासन, विकास और समावेशी राजनीति के अपने सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड के आधार पर एक नया जनादेश हासिल करने का संकल्प लिया। अभियान की शुरुआत पंज गराइन से हुई जहाँ जम्मू क्षेत्र के प्रमुख प्रांतीय नेताओं ने पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को ए जुट किया और उनसे नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेतृत्व में आशा, प्रगति और स्थिरता का स्पष्ट संदेश लोगों तक पहुँचाने का आग्रह किया। सभा को संबोधित करते हुए अतिरिक्त महासचिव अजय सधोत्रा ने उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार के समावेशी और सक्रिय दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला, खासकर हाल ही में आई आपदा जैसे संकट के समय में जम्मू के लोगों की ज़रूरतों को पूरा करने में।

नेशनल कॉन्फ्रेंस सभी 4 राज्यसभा सीटें जीतेगी: सीएम उमर

श्रीनगर, 22 अक्टूबर। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को उम्मीद जताई कि 24 अक्टूबर को होने वाले राज्यसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) सभी चार सीटों पर विजयी होगी। उन्होंने विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा से भी निराधार बयानबाज़ी बंद करने का आग्रह किया।

संयुक्त रणनीति बैठक से इतर, मुख्यमंत्री ने मीडियाकर्मियों को बताया कि हर विधानसभा सत्र से पहले विधायक दल की बैठक होती है और आज नेशनल कॉन्फ्रेंस और अन्य निर्दलीय विधायकों ने रणनीति बनाने के लिए बैठक की। आज की बैठक को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा, यह सत्र अन्य सत्रों से अलग है क्योंकि राज्यसभा के चुनाव हो रहे हैं और सभी सीटों पर जीत सुनिश्चित करने के लिए रणनीति तैयार की जा रही है। उन्होंने

कहा, मैं बैठक में शामिल होने के लिए तारिगामी और अन्य निर्दलीय विधायकों का आभारी हूँ। नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायकों और अन्य निर्दलीय विधायकों में जो उत्साह दिख रहा है, उसे देखते हुए मुझे उम्मीद है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस राज्यसभा की चारों सीटें जीत लेगी। इसके अलावा, बैठक में कांग्रेस के शामिल न होने के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वे इसलिए बैठक में शामिल नहीं हुए क्योंकि उनकी अपनी बैठक थी।

नेता प्रतिपक्ष शर्मा आज भाजपा विधायक दल की बैठक की अध्यक्षता करेंगे

श्रीनगर, 22 अक्टूबर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विधानसभा के शरदकालीन सत्र की रणनीति तैयार करने के लिए गुरुवार सुबह श्रीनगर में अपने विधायक दल की बैठक बुलाई है।

सूत्रों ने बताया कि विपक्ष के नेता और भाजपा नेता सुनील कुमार शर्मा सभी भाजपा विधायकों की बैठक की अध्यक्षता करेंगे ताकि विभिन्न मुद्दों पर सरकार को घेरने की रणनीति बनाई जा सके।

एक भाजपा विधायक ने कहा, हम सत्र के दौरान उठाए जाने वाले मुद्दों पर चर्चा के लिए कल सुबह 8:30 बजे एक बैठक कर रहे हैं।

शर्मा ने पहले कहा था कि भाजपा नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेतृत्व वाली सरकार से चुनावी वादों के साथ विश्वासघात के लिए जवाबदेही की मांग करेगी। शर्मा ने कहा, सरकार चुनावों के दौरान किए गए अपने वादों को पूरा करने में विफल रही है – चाहे वह 200 यूनिट मुफ्त बिजली का वादा हो, प्रति परिवार 12 एलपीजी सिलेंडर हो या लोगों को दिए गए अन्य आश्वासन हों।

उन्होंने आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) युवाओं के लिए रोज़गार के अवसर पैदा करने में सरकार की नाकामी पर सवाल उठाएगी। उन्होंने कहा, चुनाव में सरकार ने युवाओं के लिए एक लाख रोज़गार पैदा करने का वादा किया था, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया।

जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग छोटे वाहनों के लिए दोतरफा खुला

जम्मू, 22 अक्टूबर । जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात के लिए खुला है। छोटे वाहनों के लिए राजमार्ग दोनों तरफ ही खोला गया है जबकि भारी वाहनों केवल एकतरफ से ही जाने की अनुमती दी गई है।जानकारी के अनुसार आज छोटे को श्रीनगर से जम्मू और जम्मू से श्रीनगर दोनों तरफ से की ओर रवाना किया जा रहा है। हालांकि बड़े वाहनों को जम्मू से श्रीनगर की ओर रवाना किया जा रहा है। इसी बीच मुगल रोड भी वाहनों की आवाजाही के लिए खुला है। मुगल रोड पर छोटे वाहनों को मार्ग के दोनों तरफ से रवाना किया जा रहा है जबकि भारी वाहनों को आज शोपियां से पुंछ की ओर रवाना किया जा रहा है। हालांकि एसएसजी रोड़ अस्थाई तौर पर बंद कर दिया गया है।

मुख्य सचिव, नीति आयोग सदस्य ने जम्मू-कश्मीर में टेली-आईसीयू नेटवर्क स्थापित करने के तौर-तरीकों पर चर्चा की

श्रीनगर, 22 अक्टूबर। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी.के. पाल के साथ बैठक कर जम्मू-कश्मीर के विभिन्न जिलों में नवस्थापित सरकारी मेडिकल कॉलेजों में टेली-आईसीयू सुविधाएँ स्थापित करने की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की।यह बैठक, प्रौद्योगिकी-संचालित सुदृढ़ क्रिटिकल केयर नेटवर्क की स्थापना की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई, जिसका उद्देश्य केंद्र शासित प्रदेश में परिधीय स्वास्थ्य संस्थानों को सशक्त बनाना है। बैठक के दौरान डॉ. पाल ने अपने विचार साझा करते हुए अपोलो टेलीहेल्थ, मेदांता, क्लाउड फिज़ीशियन और हेल्थनेट जैसी अग्रणी स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी संस्थाओं द्वारा लागू किए जा रहे सफल टेली-आईसीयू मॉडलों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर की भौगोलिक परिस्थितियों और संस्थागत विविधता को ध्यान में रखते हुए इन मॉडलों का अध्ययन कर प्रदेश के लिए सर्वोत्तम रणनीति तैयार की जानी चाहिए। उन्होंने सलाह दी कि कार्यान्वयन से पहले प्रत्येक अस्पताल की विशिष्ट आवश्यकताओं और उपलब्ध अवसंरचना का गहराई से मूल्यांकन किया जाए। साथ ही, क्षमता निर्माण, सतत

चिकित्सा शिक्षा और कार्मिकों के व्यावहारिक प्रशिक्षण को इस ढांचे की सफलता एवं स्थायित्व के लिए आवश्यक बताया। डॉ. पाल के मार्गदर्शन और तकनीकी सुझावों के लिए आभार व्यक्त करते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि जम्मू-कश्मीर सरकार अपने सार्वजनिक स्वास्थ्य तंत्र में उन्नत स्वास्थ्य नवाचारों को एकीकृत करने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार हब-एंड-स्पोक मॉडल पर आधारित टेली-आईसीयू सुविधाएं स्थापित करने की दिशा में कार्य कर रही है, जिससे परिधीय अस्पतालों को 24 घंटे क्रिटिकल केयर मॉनिटरिंग, विशेषज्ञ परामर्श और रियल-टाइम क्लिनिकल समर्थन मिल सकेगा।

लद्दाख के नेताओं और गृह मंत्रालय ने केंद्र शासित प्रदेश की मांगों पर बातचीत फिर से शुरू की

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। कई महीनों तक संवाद में रुकावट के बाद, गृह मंत्रालय (गृह मंत्रालय) और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश के प्रतिनिधियों के बीच बुधवार को बातचीत फिर से शुरू हुई। जानकारी के अनुसार, चर्चा चार विशिष्ट मांगों पर केंद्रित रही, जिनमें लद्दाख को राज्य का दर्जा, संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करना, आरक्षण उपायों का कार्यान्वयन और जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक पर लगाए गए राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) को हटाना शामिल है। यह बातचीत लगभग दो घंटे तक चली और इसमें लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के नेताओं के साथ-साथ लद्दाख के सांसद मोहम्मद हनीफा जान का नौ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल शामिल था। यह बैठक लेह में हालिया अशांति और क्षेत्र के नागरिक समूहों की लंबे समय से चली आ रही मांगों के बाद आम सहमति बनाने के एक नए प्रयास का प्रतीक थी। बैठक में उपस्थित सदस्यों के अनुसार, उठाए गए प्रत्येक बिंदु पर चर्चा हुई। राज्य के दर्जे और छठी अनुसूची पर, प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि लद्दाख को अपने संसाधनों, भूमि और प्रशासनिक तंत्र पर अधिक नियंत्रण की आवश्यकता है। उन्होंने रोज़गार और सांस्कृतिक प्रथाओं की रक्षा के लिए मज़बूत संवैधानिक साधनों की आवश्यकता पर भी ज़ोर दिया। स्थानीय समुदायों के लिए आरक्षण नीतियाँ एजेंडे का एक अन्य हिस्सा थीं।

जीवन में खेलों के प्रति जुनून और अनुशासन विकसित करें : उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता

- युवाओं से खेलों के माध्यम से चरित्र निर्माण का आग्रह
- अधिकारियों से लद्दाख में युवा खेल प्रतिभाओं की पहचान और पोषण के लिए अथक प्रयास करने का आग्रह

कारगिल, 22 अक्टूबर। लद्दाख के माननीय उपराज्यपाल श्री कविंदर गुप्ता ने केंद्र शासित प्रदेश के युवाओं से खेलों के प्रति जुनून विकसित करने और जीवन के सभी पहलुओं में अनुशासन अपनाने का आह्वान किया है। माननीय उपराज्यपाल 28 अक्टूबर से 3 नवंबर तक अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय स्कूल खेलों 2025 के लिए लद्दाख अंडर-17 बॉक्सिंग टीम को हरी झंडी दिखाने के बाद बोल रहे थे। उन्होंने टीम के सदस्यों को पारंपरिक खटकों से सम्मानित किया और राष्ट्रीय स्तर पर उनके प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। सचिव, युवा सेवा एवं खेल (वाईएसएस), श्रीमती भानु प्रभा; कारगिल के उपायुक्त राकेश कुमार; इस कार्यक्रम के दौरान वाईएसएस के संयुक्त निदेशक ताहिर हुसैन, वाईएसएस के पदाधिकारी और अन्य सरकारी अधिकारी उपस्थित थे। माननीय उपराज्यपाल ने इस बात पर ज़ोर दिया कि खेल न केवल शारीरिक फिटनेस, बल्कि युवाओं में चरित्र, लचीलापन और नेतृत्व गुणों को भी आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने युवा एथलीटों को समर्पण, निष्ठा और ज़िम्मेदारी की भावना के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए प्रोत्साहित किया और इस बात पर ज़ोर दिया

सर्दियों में सांस के रोगी रहें सचेत

सर्दियों में तापमान में कमी और वातावरण में प्रदूषित तत्वों की बढ़ी हुई मात्रा सेहत के लिए मुसीबत का कारण बन सकती है। सर्दियों का मौसम खासतौर पर सांस के मरीजों के स्वास्थ्य के लिए चुनौती बन जाता है। इस मौसम में सांस संबंधी दिक्कतें जैसे दमा, फ्लू और सर्दी-जुकाम के मरीजों की संख्या काफी बढ़ जाती है।

प्रदूषित कोहरे का दुष्प्रभाव

सर्दियों में होने वाला कोहरा (जो वायुमंडल की जलवाष्प के संघनित होने से बनता है) कमोबेश हानिरहित होता है, लेकिन धुएं और सस्पेन्डिड पार्टिकल्स (छोटे-छोटे प्रदूषित कणों) के इर्द-गिर्द जमने से बना स्मोग (प्रदूषित कोहरा) मानव शरीर और खासतौर पर श्वसन तंत्र के लिए किसी विपत्ति से कम नहीं होता। इस वजह से लोगों की आंखों में जलन, आंसू, नाक में खुजली, गले में खराश और खांसी जैसे लक्षण सामान्य तौर पर देखने को मिलते हैं। सर्दी बढ़ने के साथ ही सांस की नली की संवेदनशीलता तुलनात्मक रूप से बढ़ जाती है, जिससे सांस की नली सिकुड़ती है। इस कारण सांस के रोगियों में समस्या की आशंका बढ़ जाती है।

वृद्ध रहें सजग

वृद्धों में सांस संबंधी समस्याएं कुछ ज्यादा ही बढ़ जाती हैं। दरअसल बुजुर्गों में रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने के कारण उन्हें सांस संबंधी बीमारियों का ज्यादा खतरा रहता है।

दमा या अस्थमाः वातावरण में किसी भी प्रकार के बदलाव से शरीर में परिवर्तन होता है, जिससे, एलर्जी और अस्थमा के रोगी मुख्य रूप से प्रभावित होते हैं। जाड़े में इन मरीजों की परेशानियां बढ़ जाती है। इसलिए उन्हें विशेष तौर पर अपना ख्याल रखने की सलाह दी जाती है।

फ्लू या इंफ्लूएंजाः यह समय फ्लू या इंफ्लूएंजा के वाइरस के सक्रिय होने का है। इस कारण फ्लू के मामलों में काफी वृद्धि हो जाती है। बच्चों, वृद्धों, गर्भवती महिलाएं और एच.आई.वी. से पीड़ित रोगियों में यह संक्रमण गंभीर रूप ले सकता है।

क्या करें

- सांस के रोगी खासकर दमा के मरीज न सिर्फ सर्दी से बचाव करें बल्कि नियमित रूप से डॉक्टर के संपर्क में रहें। डॉक्टर की सलाह से अपने इनहेलर की डोज भी दुरुस्त कर लें। कई बार इनहेलर्स की मात्रा बढ़ानी होती है।
- सर्दी से बचकर रहें। पूरा शरीर ढकने वाले कपड़े पहनें। सिर, गले और कान को खासतौर पर ढकें।
- सर्दी के कारण साबुन-पानी से हाथ धोने की अच्छी आदत न छोड़ें।
- गुनगुने पानी से नहाएं।
- सर्दी के मौसम में मालिश लाभप्रद है।
- सर्दी, जुकाम, खांसी, फ्लू और सांस की अन्य बीमारियों से ग्रस्त रोगियों को सुबह- शाम भाप(स्टीम) लेनी चाहिए।
- फ्लू के रोगी खांसते या छींकते समय मुंह पर हाथ रखें या रूमाल का प्रयोग करें।
- फ्लू के रोगियों द्वारा इस्तेमाल की गई वस्तुओं जैसे रूमाल व चादरों आदि को सुरक्षित विधि से साफ करें।
- अगर आप में फ्लू के लक्षण हैं, तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लें और घर मे ही रहें।
- फ्लू पीड़ित से कम से कम 1 मीटर दूर रहें।
- हाथ मिलाने या गले मिलने से बचें, भारतीय पद्धति के अनुसार नमस्कार करें।

क्या न करें

- सर्दी में सांस के मरीजों को सुबह की सैर नहीं करनी चाहिए।
- सुबह ठंडे पानी से न नहाएं। सांस के रोगियों को अलाव के धुएं से बचना चाहिए, अन्यथा इससे उन्हें सांस का दौरा पड़ सकता है।

घर पर करें गोभी और मिर्च से रोगों का उपचार

जार्जटाऊन यूनिवर्सिटी मैडीकल सैंटर के शोधकर्ताओं के अनुसार फूलगोभी, पत्तागोभी तथा जलकुंभी परिवार की सब्जियों में एक प्रकार का पदार्थ पाया जाता है जो मानव एवं जानवर दोनों में फेफड़े का कैंसर रोकने में सहायक होता है।

शोधकर्ताओं के अनुसार 'प्रेफेक्स' नामक एक ऐसा पदार्थ गोभी में पाया जाता है जो फेफड़े को कैंसरग्रस्त होने से रोकता है। यह पदार्थ सैक्स उत्तेजक भी होता है। इसी प्रकार मिर्च खाने से शरीर की चर्बी कट जाती है और वजन कम हो जाता है।

मिर्च की तासीर के कारण चर्बी बढ़ाने वाली कोशिकाएं खुद ब खुद नष्ट होने लगती है। ताईवान के शोधकर्ता चिन-लिन-शू के अनुसार मिर्च शरीर के चयापचय की प्रक्रिया को तेज करती है और यह मोटापे को कम करने के साथ ही कालरा तथा ब्रांकाइटिस जैसी बीमारियों का उपचार भी करती है।

गोभी और मिर्च से बहुत से रोगों का उपचार घर पर ही किया जा सकता है। आईए जानें कैसे

गोभी

1 गोभी में मौजूद फाइबर पाचन क्रिया को दरूस्त रखते हैं और पेट संबंधी रोगों से राहत देते हैं।
2 गोभी का सेवन करने से कैंसर जैसी भयानक बीमारी का खतरा कम होता है।
3 गोभी का सेवन मोटापे से निजात दिलाता है।
4 गोभी में कैल्शियम की भरपूर मात्रा पाई जाती है जो शरीर की हड्डियों के लिए काफी फायदेमंद होती है और दांतों को भी मजबूत बनाने में मददगार साबित होती है।

मिर्च

1 जब आप हरी मिर्च अपने दांत से चबाते हैं तो इसका तीखा अनुभव आपके मुंह में अधिक थूक पैदा करता है जो रक्त के थक्कों को घोलने में काफी सहायक होता है।
2 हरी मिर्चों में विटामिन सी की मौजूदगी शरीर को खांसी, जुकाम तथा श्वास संबंधी अन्य समस्याओं से बचाने में सहायता करती है।
3 हरी मिर्च में मौजूद विटामिन के ओस्टियोपोरोसिस के खतरे को कम करता है।
4 हरी मिर्च एक प्राकृतिक दर्द निवारक है और यह ओस्टियोआर्थराइटिस जैसी स्थितियों में इलाज में काफी लाभदायक होती है।
5 मोटापे से पीड़ित लोगों में कोलैस्ट्रॉल के स्तरों को कम करने में हरी मिर्चें काफी सहायक होती हैं।

मानव पर रंगों का प्रभाव

सफेद रंग हल्केपन एवं शीतलता का आभास देता है।

पीला रंग उत्फुल्लता, हल्केपन खुलेपन और गर्माहट का आभास देता है, नब्ज की रफ्तार तेज करता है परंतु आक्रामक प्रतिक्रिया भी पैदा कर सकता है।

बैंगनी रंग थकान और भारीपन का भ्रम उत्पन्न कर थकान, बोरियत या बोझ की अनुभूति करता है।

गहरा नीला रंग मस्तिष्क को विश्रांति देता है किन्तु दुख का बोध भी कराता है। गहरे नीले रंग से पूरा कमरा ठंडा एवं भरा-भरा प्रतीत होता है।

हरा रंग शांति एवं शीतलता का अहसास कराता है। आंखों से दबाव घटाकर नेत्र ज्योति तेज करता है। खून का दबाव भी सामान्य करता है। हल्का नीला रंग शीतलता व अलगाव द्वारा चैन देता है। काला रंग ओजस्विता कम करता है, अवसादकारक एवं उत्पीड़क बोझ देने वाला है। काले रंग पुते तल काफी बड़े प्रतीत होते हैं। भूरा रंग स्थायित्व, गर्म और मानसिक संतुलन बोधकारक होता है। सलेटी रंग को ठंडा, नीरसता व विरक्तिबोधक माना जाता है। श्वेत एवं नीले रंग के सम्मिश्रण को शीतलता और चैन का द्योतक कहा गया है। जामुनी रंग गर्म एवं उत्साहवर्धक माना गया है। लाल रंग गर्मजोशी, मनोबल बढ़ाता है, मगर देर तक हावी रहना थकान एवं धड़कन बढ़ाता है

ठंड में त्वचा रोगों से बचाव के घरेलु नुस्खे

1 सर्दी के मौसम में स्वस्थ त्वचा के लिए जरूरी है नियमित स्नान। भले ही आप प्रतिदिन न नहाएं परंतु हर दूसरे दिन नहाने का नियम बनाएं। जिस दिन नहीं नहाएं, उस दिन स्पंज करें तथा अंदर के कपड़े अवश्य बदलें। नहाने के लिए ठंडा-गर्म जैसा पानी चाहें, इस्तेमाल कर सकते हैं।
2 जाड़े में साबुन का प्रयोग ज्यादा न करें। नहाने से पहले पूरे बदन में तेल लगाएं। नहाने के बाद तेल या माश्चराइजर का उपयोग करें। पानी से करने वाले काम एक ही बार में निपटा लें। बार-बार पानी में हाथ न डालें। यदि पानी का काम करना जरूरी हो तो पहले हाथों में मलाई लगाएं। दस्ताने पहन कर काम करने से त्वचा सुरक्षित रहती है।
3 सर्दियों में धूप का नियमित सेवन करके चिलब्लेंस व डर्माटाइटिस जैसे रोगों से बचा जा सकता है। धूप में उतना ही बैठें जितनी देर आराम महसूस करें। अगर त्वचा लाल पडने़ लगे या सूजने लगे, तो धूप से हट जाएं। जिन्हें धूप से एलर्जी है उनके लिए सर्दी की धूप भी नुक्सानदायक है। ऐसे लोग धूप में कम निकलें। जब भी धूप में निकलें तो सिर पर स्कार्फ बांध लें या छतरी भी लगा सकते हैं।
4 हाथ-पैर की उंगलियों के सुन्न होने, खून का दौरा कम होने या त्वचा के फटने से बचने का सबसे अच्छा उपाय है संतुलित आहार। भोजन में दूध, दही और हरी सब्जियां खूब लें। विटामिन ए ज्यादा से ज्यादा लें। त्वचा के लिए गाजर का सेवन बहुत फायदेमंद है।
5 यूरिया आयंटमैंट त्वचा के फटने, सूजन और लाल होने वाली त्वचा के उपचार के लिए बहुत उपयोगी है। यह यूरिया से बनती है। इसको मलने से त्वचा काफी देर तक मुलायम बनी रहती है। इसके नियमित इस्तेमाल से त्वचा में होने वाले रोगों से बचा जा सकता है तथा त्वचा स्वस्थ रहती है।

रूखी त्वचा को कोमल बनाता है नारियल तेल

ठंड के कारण कई समस्याएं होती हैं. इस मौसम में त्वचा के रोग और सर्दी-जुकाम होना आम बात है. इन समस्याओं से निबटने के लिए प्रस्तुत हैं कुछ आसान घरेलू उपाय, जिनसे इन समस्याओं से निबटा जा सकता है.

- रूखी त्वचा से बचने के लिए नैचुरल मॉस्च्यूराइजर, जैसे- नारियल तेल लगाएं.

- शहद के साथ गुलाब जल मिला कर चेहरे पर लगाएं. इससे त्वचा में चमक आयेगी और चेहरा साफ होगा.
- स्नान से पहले नारियल तेल लगा लें, इससे चिकनाई और कोमलता आयेगी.
- नीबू का रस लगाएं. इसमें मौजूद विटामिन-सी चेहरे की चमक बनाये रखती है.
- सर्दी के मौसम में विटामिन की कमी के कारण होठ फटने लगते हैं, इसलिए टमाटर, गाजर, साबूत अनाज और फल-सब्जियों का सेवन करें.
- नारंगी के छिलके के पाउडर में शहद मिला कर लगाने से त्वचा निखरती है.
- जितना हो सके, आहार में विटामिन-इ युक्त खाद्य पदार्थों, जैसे- पालक, बादाम, कद्दू आदि का सेवन करना बेहतर होता है.

कहीं आप भी खून की कमी का शिकार तो नहीं हो रहे

आज के भागदौड़ भरे जीवन में फास्ट फूड का प्रचलन बढ़ रहा है। जिससे भोजन में पौष्टिक आहार की कमी के कारण आज प्रत्येक वर्ग के लोग खून की कमी से जूझ रहे हैं। जिसमें अधिकतर संख्या युवाओं की है जिसके कारण उन्हें कमजोरी आदि की शिकायतें होने लगी हैं। खून की पाई जाने वाली इस कमी को एनीमिया कहते हैं। एनीमिया का प्रमुख कारण सही प्रकार की डाइट न लेना है। पुरुषों में खून की मात्रा 14 से 18 ग्राम प्रति डैसीलीटर होनी चाहिए। वहीं महिलाओं में यह 12 से 16 ग्राम प्रति डैसीलीटर है। इससे कम मात्रा में पाए जाने वाले खून को एनीमिया कहते हैं। वैसे 10 ग्राम से अधिक खून वाले भी स्वस्थ रहते हैं, परंतु इससे कम खून वाले को अधिक से अधिक डाइट लेनी चाहिए।

एनीमिया की 3 स्टेज होती हैं, जिनमें प्रथम स्टेज को माइलड कहते हैं, जो 10 से 12 ग्राम होती है। वहीं 6 से 10 ग्राम को मोडरेट व 6 ग्राम से कम की स्थिति खतरनाक होती है। जिसे सीवियर एनीमिया कहते हैं।

एनीमिया अत्यधिक गंभीर रोग तब होता है जब हैपिटाइटिस बी, सी तथा एच.आई.वी. जैसे संक्रमण होते हैं। डाक्टरों का सुझाव है कि अधिक मात्रा में भी आयरन का सेवन नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि इससे हृदय संबंधी समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

कैसे करें खून की कमी पूरी

1 एनीमिया से निजात पाने के लिए बैलेंस डाइट जरूरी है। प्रोटीन, आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन, मांस, मछली में ही नहीं दूध, हरी सब्जियां, मटर, फलियों तथा पत्तेदार सब्जियों, शीरा, गुड़, किशमिश, खजूर, सेब इन सबमें अलग-अलग रूप में मिल जाते हैं। इन तत्वों में खून बनने में सहायता मिलती है।

2 खाना खाने से पहले व बाद में आधे घंटे तक चाय का सेवन भी नहीं करना चाहिए। चाय खाने में मिलने वाले पौष्टिक तत्वों को डाइजेस्ट नहीं होने देती।

3 आयरन युक्त डाइट तभी फायदेमंद होती है, जब उसके साथ विटामिन सी का भी सेवन किया जाए। विटामिन सी के लिए अमरूद, आंवला और संतरे का जूस लें। वैसे तो बैलेंस्ड डाइट और हैल्दी लाइफ स्टाइल ही काफी है लेकिन फिर भी किसी कारण से एनीमिया हो जाता है तो प्रापर ट्रीटमैंट लेना आवश्यक है। डाक्टर की सलाह से ब्लड टैस्ट कराएं ताकि बीमारी का कारण पता चल सके। उसके बाद ही डाक्टर आपका सही ट्रीटमैंट कर सकेंगे।

सेहत का खजाना है पालक

हरी सब्जियों में पालक का नाम सबसे ऊपर है. यह शरीर के लिए काफी फायदेमंद है. इसमें शरीर के लिए आवश्यक अमीनो एसिड, विटामिन ए, फोलिक एसिड, प्रोटीन और लौह तत्व भरपूर मात्र में होते हैं. इसके सेवन कई रोगों से भी छुटकारा मिलता है.

यह हरी पत्तेदार सब्जी गुणों से भरपूर है. पोषक तत्वों की प्राप्ति के लिए इसका नियमित सेवन बेहतर माना जाता है. पालक में विटामिन ए और सी प्रचुर मात्र में होते हैं. इसके अलावा विटामिन बी कॉम्पलैक्स, फोलिक एसिड, मैग्नीशियम की भी प्रचुरता होती है. शोध के अनुसार एक कप पालक से दिन भर की मैग्नीशियम की जरूरत का 40 प्रतिशत प्राप्त हो जाता है. मधुमेह पीड़ित लोगों के लिए भी पालक अच्छा विकल्प है. दही के साथ कच्चे पालक का रायता बहुत ही स्वादिष्ट और गुणकारी होता है.

इन रोगों से बचाता है -

ऑस्टियोपोरोसिस - खनिज तत्वों की प्रचुरता के कारण यह हड्डियों को मजबूत बनाता है और ऑस्टियोपोरोसिस को दूर रखता है.

आंखों की रोशनी - पालक मैकुलर डिजेनरेशन का जोखिम भी कम करता है. मैकुलर डिजेनरेशन 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में अंधेपन का मुख्य कारण है. इसके अलावा, विटामिन ए की कमी से रतौंधी और आंखों की रोशनी में कमी जैसे लक्षण उत्पन्न होते हैं.

शरीर की क्षतिपूर्ति में सहायक - प्रचुर मात्र में मौजूद फोलेट डीएनए और कोशिकाओं की सामान्य क्षति को पूरा करता है और इससे शरीर स्वयं अपने नुकसान की भरपाई कर लेता है.

एंटीऑक्सीडेंट - यह शरीर में उपापचय व अन्य सामान्य क्रियाओं के दौरान बननेवाले फ्री-रेडिकल्स से लड़ने में सहायक है. फ्री रेडिकल्स कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं और कैंसर तथा हृदयरोगों के कारण बन सकते हैं.

वजन घटाने में सहायक - इसमें फाइबर प्रचुर मात्र में होता है, इसलिए यह मोटापा घटाने के इच्छुक लोगों के लिए आदर्श आहार है. सलाद, सब्जी और जूस में पालक का ज्यादा-से-ज्यादा उपयोग बेहतर होता है.

पोस्टमेनोपॉजल सिंड्रोम - पालक में मौजूद मैग्नीशियम पीएमएस के लक्षणों में कमी लाता है. इस अवस्था में पेट फूलने जैसी शिकायतों से बचने के लिए पालक बेहतर विकल्प है.

प्रतिरक्षा प्रणाली बनाता है मजबूत - पालक में मौजूद पोषक तत्व प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाते हैं और शरीर को सामान्य संक्रमणों से बचाते हैं.

बालों को मिले मजबूती - इसमें बालों के लिए आवश्यक विटामिन भी विशेष मात्र में होते हैं. बाल झड़ने से परेशान लोगों को कच्चे पालक का सेवन करना चाहिए.

ये लोग न करें सेवन - पालक में कैल्शियम और फॉस्फोरस होता है, जो मिल कर कैल्सियम फॉस्फेट बनाता है. यह पानी में घुलता नहीं है, जिससे पथरी बन जाती है. इसलिए पथरी के

रोगियों को सिर्फ पालक की सब्जी नहीं खानी चाहिए. पालक और हरी पत्तेवाली मेथी मिला कर साग बना कर खाने से पथरी नहीं बनती है. कच्चे पालक के रस के सेवन करने से भी पथरी नहीं होती है.

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

जम्मू संस्कृति स्कूल कठुआ में दिवाली मेला 2.0 आयोजित

कठुआ, 22 अक्टूबर (हि.स.)। जम्मू संस्कृति स्कूल कठुआ में दिवाली मेला 2.0 का भव्य उत्सव गर्मजोशी, भक्ति और भव्यता के साथ शुरू हुआ। सम्मानित अतिथियों का स्वागत जम्मू संस्कृति स्कूल के अध्यक्ष हरप्रीत सिंह आनंद, जम्मू संस्कृति स्कूल की संचालन निदेशक सुनाक्षी आनंद, प्रधानाचार्य मिली आर सुम्ब्रिया के समन्वयकों और जम्मू संस्कृति स्कूल जम्मू की प्रशासक तरमीत कौर ने किया।

कार्यक्रम की शुरुआत दिव्य उत्साह के साथ हुई जिसमें कठुआ के उपायुक्त राजेश शर्मा मुख्य अतिथि और कठुआ की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मोहिता शर्मा (आईपीएस) विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

विद्यालय के नेतृत्व के साथ उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने भगवान गणेश और देवी लक्ष्मी की हार्दिक प्रार्थना की और समृद्धि एवं शांति का आशीर्वाद मांगा। आरती के बाद सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों ने एक पौधारोपण समारोह में भाग लिया, जो हरित कल और हरित दिवाली की ओर एक प्रतीकात्मक कदम था। बाद में लकी ड्रॉ निकाला गया जिसमें बंपर पुरस्कार इलेक्ट्रिक स्कूटी कठुआ निवासी केशव ने जीती।

अन्य प्रमुख पुरस्कारों में 40 इंच का एलईडी टीवी, सैमसंग टैब, वाशिंग मशीन, और 30 अन्य उपयोगी वस्तुएँ शामिल थीं, जिससे प्रतिभागियों में उत्साह की लहर दौड़ गई। समापन समारोह में शिव कुमार शर्मा आईपीएस डीआईजी जम्मू-सांबा-कठुआ रेंज, राधिका शर्मा के साथ मुख्य अतिथि के रूप में और गोपाल महाजन महासचिव भाजपा जम्मू-कश्मीर, रीता महाजन के साथ सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। समारोह का समापन हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए और सभी को दिवाली की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ हुआ।

संजीता डोगरा ने महिला सम्मेलन को किया संबोधित

जम्मू, 22 अक्टूबर (हि.स.)। भाजपा जम्मू-कश्मीर की प्रदेश महासचिव और राज्य मुख्यालय प्रभारी संजीता डोगरा ने आज अखनूर में आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत आयोजित महिला सम्मेलन को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में उनके साथ वरिष्ठ भाजपा नेता और जिला प्रभारी विनय गुप्ता भी मौजूद थे। इस कार्यक्रम का आयोजन भाजपा अखनूर के जिला अध्यक्ष कुलदीप राज शर्मा ने किया था।

कार्यक्रम के दौरान संजीता डोगरा ने उपस्थित महिलाओं को आत्मनिर्भर भारत अभियान से जुड़ने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित करते हुए शपथ दिलाई। एक विशेष संकल्प पत्र के माध्यम से उन्होंने अपने जीवन में आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता देने का संदेश दियाअपने संबोधन में संजीता डोगरा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेज़ी से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है और इस मिशन में महिलाओं की भूमिका सबसे अहम है। जब एक महिला आत्मनिर्भर बनती है तो न केवल उसका परिवार, बल्कि पूरा समाज सशक्त बनता है।

बिलावर ब्लॉक की विभिन्न पंचायतों में विकास कार्यों का निरीक्षण किया गया

कठुआ, 22 अक्टूबर (हि.स.)। विकास कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और समय पर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निरंतर प्रयासों के अनुरूप ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग द्वारा कार्यान्वित विभिन्न योजनाओं जिला पूंजीगत व्यय बजट 2025-26, एपीडीपी, अनुसूचित जनजाति योजना, माध्यमिक शिक्षा, मनरेगा आदि के अंतर्गत संचालित विभिन्न परियोजनाओं का बिलावर ब्लॉक की कई पंचायतों में व्यापक निरीक्षण किया गया।

बिलावर ब्लॉक विकास अधिकारी शैलेंद्र पाखरू के नेतृत्व में निरीक्षण दल ने संबंधित कनिष्ठ अभियंता, एसओ (योजना) और जीआरएस के साथ ढेर, भड्डू लोअर और देवल पंचायतों में प्रमुख परियोजना स्थलों का दौरा किया। दल ने पूंजीगत व्यय बजट और अन्य योजनाओं के अंतर्गत वित्त पोषित कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता और स्वीकृत समय-सीमा एवं विनिर्देशों के अनुपालन की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान, ग्रामीण अवसंरचना, ग्रामीण संपर्क, जल संरक्षण और सामुदायिक परिसंपत्तियों से संबंधित कार्यों पर विशेष ध्यान दिया गया। निरीक्षण अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से बातचीत की और इन परियोजनाओं के उनके दैनिक जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में निवासियों से प्रत्यक्ष प्रतिक्रिया प्राप्त की। यह देखा गया कि कई कार्य संतोषजनक ढंग से प्रगति पर थे, फिर भी जहाँ देरी या गुणवत्ता संबंधी समस्याएँ पाई गईं, वहाँ सुधार और गति बढ़ाने के निर्देश मौके पर ही जारी किए गए। अधिकारियों को नियमित निगरानी सुनिश्चित करने, फोटोग्राफिक दस्तावेज बनाए रखने और वास्तविक समय में पारदर्शिता के लिए निर्धारित पोर्टलों पर प्रगति अपलोड करने के निर्देश दिए गए।

गौ तस्करी में वृद्धि का आरोप, गायों को माँ का दर्जा देने के लिए सख्त कानून बनाने की माँग

जम्मू, 22 अक्टूबर (हि.स.)। शिवसेना (यूबीटी) की जम्मू-कश्मीर इकाई ने जम्मू-कश्मीर के पुनर्गठन के बाद से गौ तस्करी के मामलों में वृद्धि का आरोप लगाया है और उमर तथा केंद्र सरकार से गाय को राज्य और राष्ट्र की माँ घोषित करने और गौहत्या व तस्करी के खिलाफ सख्त कानून बनाने की माँग की है।

पार्टी के प्रदेश प्रमुख मनीष साहनी के नेतृत्व में शिवसैनिक जम्मू के डोगरा चौक पर एकत्र हुए और मुझे गौ माता से प्रेम है और गाय को राज्य और राष्ट्र की माता घोषित करो लिखी तख्तियाँ लिए हुए जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।

मनीष साहनी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पुनर्गठन और भारतीय दंड संहिता के लागू होने के बाद से गौ तस्करी के मामलों में वृद्धि हुई है। ऋषियों और संतों की यह पवित्र भूमि गौ तस्करी से कलंकित हो रही है।

साहनी ने कहा कि गौ तस्करी के बढ़ते मामले न केवल धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाते हैं, बल्कि आपसी सम्मान और कानून-व्यवस्था के लिए भी खतरा पैदा करते हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग हिंदुओं और हिंदू राष्ट्र के तथाकथित शुभचिंतक होने का दावा करते हैं, वे गाय को राष्ट्रीय माता का दर्जा देने और गौ-तस्करी के खिलाफ सख्त कानून बनाने के मामले में चुप रहते हैं।

बलदेव सिंह बिलावरिया ने जम्मू नगर निगम के सफाई साथियों को किया सम्मानित

जम्मू, 22 अक्टूबर (हि.स.)। दीपावली के उपलक्ष पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जम्मू-कश्मीर के महामंत्री एवं जम्मू के पूर्व डिप्टी मेयर बलदेव सिंह बिलावरिया ने जम्मू नगर निगम के सफाई साथियों को सम्मानित कर उनके अथक परिश्रम और समर्पण की सराहना की। यह सम्मान समारोह एक सादगीपूर्ण लेकिन भावनाओं से परिपूर्ण दीपावली मिलन कार्यक्रम के दौरान आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान बिलावरिया ने कहा कि सफाई कर्मचारी वे निस्वार्थ कर्मयोगी हैं जो हर परिस्थिति में चाहे तपती गर्मी हो या सर्दी, दिन-रात मेहनत कर शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छता सिर्फ एक अभियान नहीं बल्कि एक जन-आंदोलन है जिसमें ये सफाई साथी अग्रिम पंक्ति के योद्धा हैं।

जुआ स्थल पर छापेमारी के दौरान पाँच लोग गिरफ्तार, 45,000 की राशि जब्त

शोपियां, 22 अक्टूबर (हि.स.)। शोपियां पुलिस ने बुधवार को दक्षिण कश्मीर जिले के डीगाम नागबल इलाके में एक जुआ स्थल पर छापेमारी के दौरान पाँच लोगों को गिरफ्तार किया और 45,000 की राशि जब्त की। अधिकारियों ने बताया कि एक विश्वसनीय सूचना पर कार्रवाई करते हुए शोपियां पुलिस स्टेशन की एक पुलिस टीम ने उस स्थान पर तुरंत छापा मारा जहाँ आरोपी जुआ गतिविधियों में लिप्त पाए गए। भागने की कोशिश के बावजूद पाँचों को मौके पर ही पकड़ लिया गया। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान आदिल रहमान वाचकू पुत्र अब रहमान निवासी हरगाम शोपियां, सुहैल अहमद भट पुत्र मोहम्मद अहसान निवासी कीगाम, तारिक अहमद भट पुत्र अब गनी निवासी बाबमोहल्ला शोपियां, सज्जाद अहमद गनी पुत्र अब गनी निवासी बर्थीपोरा और सज्जाद अहमद वानी पुत्र अली मोहम्मद निवासी मुगलपोरा कीगाम के रूप में हुई है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने उनके कब्जे से 45,000 की दांव राशि और ताश के पत्तों का एक सेट बरामद किया शोपियां पुलिस स्टेशन में जुआ अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर संख्या 224/2025 के तहत मामला दर्ज किया गया है

राजौरी से नागरिक समाज के प्रतिनिधिमंडल ने जावेद राणा से मुलाकात की

श्रीनगर, 22 अक्टूबर। राजौरी जिले के नागरिक समाज के सदस्यों के एक प्रतिनिधिमंडल ने जल शक्ति, वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण और जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा से श्रीनगर स्थित नागरिक सचिवालय में मुलाकात की और जिले से संबंधित सार्वजनिक महत्व के प्रमुख मुद्दों को उठाया।

बैठक के दौरान जावेद राणा ने जन-संबंधित शिकायतों को धैर्यपूर्वक सुना और उचित सरकारी माध्यमों से समयबद्ध समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार जनता की आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशील और सुलभ है तथा हमारी प्राथमिकता शासन को आम जनता के दरवाजे तक पहुँचाना है।

राजौरी के नागरिक समाज ने विकास, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं, सड़क अवसंरचना और सेवा वितरण से संबंधित मुद्दे उठाए। सदस्यों ने राजौरी के गुज्जर मंडी में मातृ एवं शिशु अस्पताल को शीघ्र चालू करने की मांग की तथा निवासियों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि अस्पताल का संचालन आरंभ होना महिलाओं और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा देखभाल उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक है। प्रतिनिधिमंडल ने राजौरी-थन्ना सड़क की खराब स्थिति पर भी चिंता जताई और बताया कि सड़क की ब्लैकटॉपिंग समय के साथ काफी बिगड़ चुकी है, जिससे यात्रियों को प्रतिदिन भारी असुविधा झेलनी पड़ रही है।

पुलिस ने 06 जुआरियों को 2,28,000 रूपये के साथ दबोचा

कठुआ, 22 अक्टूबर (हि.स.)। कठुआ पुलिस ने एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा आईपीएस के नेतृत्व में पुलिस पोस्ट नगरी और जिला विशेष शाखा कठुआ की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा नगरी-पड्यारी क्षेत्र में जुआ खेल रहे जुआरियों को पकड़ने के लिए कई स्थानों पर छापेमारी की गई जिसमें 06 जुआरियों को 2,28,000 रूपये के साथ दबोचा गया।

जानकारी के अनुसार विश्वसनीय सूचना पर कार्रवाई करते हुए नगरी पुलिस और जिला विशेष शाखा कठुआ की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए कई स्थानों पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पड्यारी-नगरी में 06 व्यक्ति जुआ खेलते खेलते पाए गए। उन्हें मौके पर ही हिरासत में लिया गया और उनके कब्जे से 2,28,000 रुपये की राशि सहित ताश की एक गड्डी और 06 मोबाइल फोन जब्त किए गए। इसके अलावा सभी छह व्यक्तियों पर धारा 13 जुआ अधिनियम 1867 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पूरा ऑपरेशन नगरी की पुलिस टीम द्वारा संचालित किया गया।

वन विभाग की कार्रवाई, विशाल अजगर को किया रेस्क्यू

राजौरी, 22 अक्टूबर (हि.स.)। राजौरी जिले के नौशहरा क्षेत्र के राजाल गांव में एक विशाल अजगर (सांप) को स्थानीय लोगों और वन्यजीव संरक्षण विभाग की टीम ने मिलकर सुरक्षित रूप से रेस्क्यू किया। ग्रामीणों ने बताया कि अजगर को एक घर के पास देखा गया जिससे गांव में हलचल मच गई ग्रामीणों ने तुरंत वन्यजीव संरक्षण विभाग को सूचना दी। विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर स्थानीय लोगों की मदद से अजगर को बिना किसी नुकसान के पकड़ने में सफल रही।

डोगरा अधिकारी और जवान भारतीय तटरक्षक की शान में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं

जम्मू, 22 अक्टूबर । भारतीय तटरक्षक (ICG) ने राष्ट्र की सेवा में लगभग पाँच दशकों की समर्पित यात्रा पूरी की है। वर्ष 1977 में मात्र सात (7) सतही पोतों (Surface Platforms) से अपनी विनम्र शुरुआत करने वाला यह बल आज एक सशक्त संगठन बन चुका है, जिसके पास 151 से अधिक पोत और 76 विमान हैं। वर्ष 2030 तक, भारतीय तटरक्षक अपने लक्ष्य — 200 सतही पोतों और 100 विमानों — को प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर है, जिससे यह विश्व के प्रमुख तटरक्षक संगठनों में अपना स्थान और सुदृढ़ करेगा। मुख्यालय कोस्ट गार्ड रीजन (पश्चिम) का कार्यक्षेत्र महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, केरल और केंद्रशासित प्रदेश दमण तथा लक्षद्वीप द्वीप समूह तक फैला है। मुंबई स्थित यह मुख्यालय निरीक्षक जनरल भीष्म शर्मा, पीटीएम, टीएम के नेतृत्व में कार्यरत है, जो क्षेत्रीय कमांडर के रूप में पाँच जिला कमांडरों के साथ चार तटीय राज्यों और लक्षद्वीप के संचालन का मार्गदर्शन करते हैं। गत दिनों 5 से 11 अक्टूबर के दौरान जम्मू कश्मीर के पत्रकारों का एक 14 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल, भारत सरकार के पत्र सूचना ब्यूरो के जम्मू स्थित कार्यालय की निदेशक सुश्री नेहा जलाली (भारतीय सूचना सेवा) के नेतृत्व में भारत की विकास यात्रा को देखने, समझने और अध्ययन हेतु मुंबई के दौरे पर गया हुआ था। मुंबई स्थित उच्च कोटि के विभिन्न प्रतिष्ठानों में से एक है भारतीय तटरक्षक - क्षेत्रीय मुख्यालय (पश्चिम)। यहाँ हमारे लिए यह अत्यंत गौरव और रुचि का आभास हुआ कि निरीक्षक जनरल श्री भीष्म शर्मा, पीटीएम, टीएम, जो भारतीय तटरक्षकके क्षेत्रीय कमांडर हैं, उनका मूल निवास स्थान जम्मू शहर ही है और वे डोगरा समुदाय से हैं। इसके अतिरिक्त, भारतीय तटरक्षक में कई अन्य उच्च पदस्थ अधिकारी भी डोगरा समुदाय से हैं और जम्मू क्षेत्र के निवासी हैं। इनमें एक नाम श्री भानु गुप्ता का है जो उप महानिरीक्षक व प्रभारी अधिकारी, सामूहिक बचाव व समन्वय केंद्र, मुंबई, के प्रतिष्ठित पद पर कार्यरत हैं। नि:संदेह, जम्मू कश्मीर के युवाओं के लिए वे एक प्रेरणा स्रोत और रोल मॉडल है।

अपने आदर्श वाक्य वयम् रक्षामः (हम रक्षा करते हैं) के अनुरूप, भारतीय तटरक्षक सदैव देश के समुद्री क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करता रहा है। भारतीय तटरक्षक भारत में मुख्य खोज एवं बचाव (Search and Rescue – SAR) एजेंसी है। इस दिशा में, एमआरसीसी मुंबई (MRCC Mumbai) देश के पश्चिमी समुद्री तट और पड़ोसी देशों तक फैले भारतीय खोज एवं बचाव क्षेत्र के लगभग 60% हिस्से की निगरानी और समन्वय करता है।

औसतन, तटरक्षक हर दूसरे दिन एक जीवन बचाता है। स्थापना के बाद से अब तक, ICG ने लगभग 4200 मिशन पूरे किए हैं, जिनमें 15,000 से अधिक लोगों के जीवन की रक्षा और 500 से अधिक समुद्री चिकित्सा निकासी शामिल हैं।

भारतीय तटरक्षक प्रतिदिन 55 से 60 सतही पोत और 10 से 12 विमान समुद्र में तैनात रखता है ताकि देश के विस्तृत समुद्री क्षेत्र में चौबीसों घंटे निगरानी बनी रहे। यह सतत उपस्थिति न केवल समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करती है बल्कि भारत की ब्लू इकॉनमी (Blue Economy) के सतत विकास में भी योगदान देती है। खोज और बचाव अभियानों के अलावा, तटरक्षक ने समुद्र में अवैध गतिविधियों को रोकने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अब तक ICG ने 52,000 करोड़ से अधिक मूल्य का अवैध माल जब्त किया है, जिसमें 6,016 किलोग्राम नशीले पदार्थों की ऐतिहासिक जब्ती भी शामिल है।

OFFICE OF THE TEHSILDAR JAMMU SOUTH

PUBLIC NOTICE

I, Shubam Popli S/o Sh. Ashok Kumar R/o H.no 22, Satyam Vihar, Trikuta Nagar,Ex. Opp.JK Resort,Tehsil Jammu South District Jammu (J &K UT). I have applied for registration of special marriage Act 1954,Assistant Commissioner (Gen) Jammu vide No.DMJ/SMR/25-26/43-46 dated 10/10/2025 regarding the marital status of Mr.Shubam Popli S/o Ashok Kumar R/o H.no 22 Satyam Vihar,Trikuta Nagar Ex.Opp.JK Resort, Tehsil Jammu South,District Jammu(J&K UT) with Ms Bahar Eidifar D/o Soltan Morad R/o Masjedsoleiman,A/P Trikuta Nagar, Ex Opp,JK Resort, TehsilJammu South Tehsil Bahu District Jammu.It is requested that if anybody has any objection for registration of his/her marriage registration in the office of Registrar, Special Marriage Act,1954, Assistant Commissioner (Gen)Jammu.please register your objection (if any) upto 02/11/2025

भालू के हमले में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल

गंदरबल, 22 अक्टूबर (हि.स.)। मध्य कश्मीर के मणिगाम इलाके में एक बाग में जंगली भालू के हमले में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। अधिकारियों ने बताया कि पीड़ित जिसकी पहचान ज़हूर अहमद चोपन के रूप में हुई है जो वतशान मणिगाम निवासी सोनाउल्लाह चोपन का बेटा है एक बाग में काम कर रहा था तभी एक जंगली भालू अचानक प्रकट हुआ और उस पर झपट पड़ा। स्थानीय लोगों द्वारा उसे बचाने से पहले ही वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद ज़हूर अहमद को तुरंत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मणिगाम ले जाया गया जहाँ डॉक्टरों ने उसका प्रारंभिक उपचार किया। बाद में उसकी चोटों की गंभीरता को देखते हुए उसे उन्नत चिकित्सा देखभाल के लिए शेर-ए-कश्मीर आयुर्विज्ञान संस्थान सौरा रेफर कर दिया गया। हमले के तुरंत बाद वन्यजीव अधिकारियों और पुलिस को सूचित किया गया।

एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा ने सुरक्षा समीक्षा बैठक की

कठुआ, 22 अक्टूबर (हि.स.)। जिले भर में शांति और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा उपायों के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा आईपीएस ने बुधवार को जिला पुलिस लाइन्स कठुआ में एक परिचयात्मक-सह-सुरक्षा समीक्षा बैठक की।

बैठक के दौरान एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा ने बॉर्डर ग्रिड और ग्राम रक्षा गार्ड नेटवर्क को मजबूत करना, पुलिस थानों में बीट सिस्टम को सुदृढ़ करना, महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों, नाकों और मादक पदार्थों के हॉटस्पॉट पर सीसीटीवी कैमरे लगाना आदि पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को मादक पदार्थों, गोवंश तस्करी, आबकारी उल्लंघनों और अवैध खनन से संबंधित मामलों से दृढ़ता और प्रभावी ढंग से निपटने के निर्देश दिए। उग्रवाद से संबंधित मामलों में एसएसपी कठुआ ने क्षेत्रीय अधिकारियों को ओवर ग्राउंड वर्कर्स और उनके समर्थकों पर कड़ी निगरानी रखने के भी निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त बीट पेट्रोलिंग और बीट बुक रिकॉर्ड के उचित रखरखाव पर जोर दिया गया। एसएचओ को निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में ओजीडब्ल्यू, बुरे चरित्र वाले और अवैध रूप से रहने वाले व्यक्तियों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करें। बैठक का समापन सतर्कता बढ़ाने, समन्वय को मजबूत करने और जिले भर में शांति और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा उपायों के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ। बैठक में एडिशनल एसपी कठुआ राहुल चारक, एसपी ऑपरेशन अपर कठुआ उमर इकबाल, डीएसपी मुख्यालय कठुआ, एसडीपीओ बॉर्डर बिलावर बसोहली, डीएसपी ऑपरेशन बनी, डीएसपी डीएआर कठुआ, डीएसपी पीसी कठुआ, प्रोबेशनरी डीएसपी और कठुआ जिले के सभी पुलिस थानों के एसएचओ/इंचार्ज पुलिस अधीक्षक उपस्थित थे।

जम्मू-कश्मीर छात्र संघ ने विभिन्न हितधारकों के साथ विचार-विमर्श के बाद 13-सदस्यीय पैनल का किया गठन

श्रीनगर, 22 अक्टूबर (हि.स.)। आरक्षण नीति पर व्यापक विचार-विमर्श के बाद जम्मू-कश्मीर छात्र संघ ने बुधवार को विभिन्न हितधारकों के साथ विचार-विमर्श के बाद एक 13-सदस्यीय पैनल का गठन किया ताकि बातचीत की प्रक्रिया में व्यापक प्रतिनिधित्व और समावेशी भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। यह पैनल आरक्षण नीति से संबंधित मामलों पर जम्मू-कश्मीर सरकार और केंद्र सरकार, दोनों के साथ बातचीत करेगा।

यह पैनल सरकारी अधिकारियों और अन्य हितधारकों के साथ औपचारिक चर्चा करेगा ताकि आरक्षण नीति और जम्मू-कश्मीर के छात्रों और नौकरी के इच्छुक लोगों को प्रभावित करने वाली भर्ती संबंधी समस्याओं से संबंधित चिंताओं का समाधान किया जा सके और सुझाव साझा किए जा सकें।

13 सदस्यीय पैनल में नासिर खुएहामी, उमर जमाल, पीरज़ादा महबूब उल हक, डॉ. जुबैर रेशी, डॉ. नाज़िया इसरार, फैज़ान पीर, मीर मुजीब, डॉ. साकिब, इंजी. एहतशाम, उमर कील, मुहुइब मखदूमी, उमर मसूदी और मुबाशिर अहमद शामिल हैं। डॉ. जुबैर रेशी पैनल के अध्यक्ष होंगे जबकि उमर जमाल मुख्य प्रवक्ता और फैज़ान पीर समन्वयक होंगे। एसोसिएशन ने इस बात पर ज़ोर दिया कि इस समावेशी पैनल का गठन विविध शैक्षणिक और सामाजिक पृष्ठभूमि के युवा प्रतिनिधियों की इस मुद्दे के समाधान में रचनात्मक, पारदर्शी और परामर्शात्मक दृष्टिकोण अपनाने की सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

Union Territory of Jammu & Kashmir

Office of the Executive Engineer Jal Shakti Mech. Division North Jammu

NOTICE INVITING TENDER

e-NIT No. 78 of 2025-26

For and on behalf of Commissioner, Municipal Corporation, Jammu, Executive Engineer, Jal Shakti Mech. Division North Jammu, invites tenders by e-tendering mode from the reputed/registered firms/Sole Prop. for the below mentioned work:-

S. No.	Name of work	Estimated cost (in Rs)	Cost of document/ tender fee (in Rs)	Earnest money (in Rs)	Validity of Rates	Bid validity
1.	Restoration / replacement of 3.5 core Al. armoured cable at CPS Samadhian damaged due to flash floods / heavy rains damaged due to flash flood / heavy rains.	2,45,000/-	200/-	4900/- in the shape of CDR / FDR	180 days	180 days

Position of AAA: Accorded
Position of TS: Sanctioned
Date of Publishing: 20-10-2025 (02.00 pm).
1. Bid documents can be seen at and downloaded from the website http://jktenders.gov.in from 20-10-2025 (02.00 pm).
2. The Bids shall be deposited in electronic format on the website http://jktenders.gov.in from 20-10-2025 (02.00 pm) to 28-10-2025 (02.00 pm).
3. The complete bidding process will be online http://jktenders.gov.in.
4. The Technical bids received shall be opened online on 29-10-2025 (02.00 pm) or any other subsequent date in the office of Executive Engineer Jal Shakti PHE Mech. Division North Jammu.
5. The Financial bid of the bidders shall be opened online after scrutinizing the technical bid in the office of the Executive Engineer Jal Shakti Mech. Division North Jammu in presence of the bidders who wish to attend. If the office happens to be closed on the date of opening of the bids as specified, the bids will be opened on the next working day at the same time and venue.
6. The bidder should make payment for cost of bidding document in shape of single window challan of JMC / online payment through the JMC website link http://www.jmcjammu.org/online-payment.html in the name of Executive Engineer, Jal Shakti Mech. Division North Jammu.

JSMDNJ/3445-47 **Dated: 20-10-2025**

Sd/-
Executive Engineer
Jal Shakti Mech. Division North Jammu

DIP/J-7163/25
Dtd:22-10-2025

संपादकीय

सड़कों की खराब गुणवत्ता— कौन जिम्मेदार?

जम्मू शहर और उसके बाहरी इलाकों में कई जगहें हैं जहाँ नियमित रूप से बड़े-बड़े गड्ढों के कारण यातायात ठप हो जाता है। चाहे वह तत्कालीन मुख्यमंत्री महबूबा मुफ़्ती के नेतृत्व वाली पीडीपी-भाजपा सरकार हो, उपराज्यपालों का प्रशासन हो, या मौजूदा उमर अब्दुल्ला सरकार हो, ये विशाल गड्ढे हमेशा से ही हावी रहे हैं।

इसमें कोई संदेह नहीं कि दरबार मूव की बहाली की घोषणा के बाद सड़कों की मरम्मत का काम शुरू हो गया है, लेकिन पिछले मामलों को देखते हुए, कोई यह नहीं कह सकता कि मरम्मत किए गए गड्ढे जम्मू के निवासियों और शहर आने वाले पर्यटकों की नज़रों से कब तक दूर रहेंगे—खासकर पुलिस चेक पोस्ट के पास मुख्य तवी पुल, डोगरा क्रॉसिंग, गुम्मट फाउंटेन और कई अन्य जगहों पर, जो पारंपरिक रूप से वाहनों को नुकसान पहुँचाने और यातायात धीमा होने का कारण बनते रहे हैं। सड़क निर्माण की खराब गुणवत्ता के कारण इन जगहों पर नियमित अंतराल पर गड्ढे बनते रहते हैं।स्थानीय प्रशासन और केंद्र जम्मू-कश्मीर में विश्वस्तरीय नागरिक बुनियादी ढाँचा बनाने का दावा करते हैं, लेकिन ज़मीनी स्तर पर स्थिति बिल्कुल उलट है, जहाँ सड़कें निर्माण के कुछ ही दिनों में क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। शहर के बाहरी इलाकों की स्थिति भी उतनी ही दयनीय है, क्योंकि गड्ढों के कारण वाहन सीधे नहीं चल पाते, इसलिए टेढ़े-मेढ़े रास्ते पर चलना एक बड़ी चुनौती है।

इसके अलावा, यह समस्या केवल असुविधा तक ही सीमित नहीं है; इसका सीधा असर सुरक्षा, ईंधन की खपत और अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। गड्ढों, यातायात जाम और देरी से आने-जाने के कारण वाहनों को बार-बार होने वाले नुकसान से व्यक्तियों और व्यवसायों दोनों को आर्थिक नुकसान होता है। आपातकालीन सेवाएँ भी बाधित होती हैं, क्योंकि एम्बुलेंस और दमकल गाड़ियों को इन खतरनाक रास्तों से गुज़रने में मुश्किल होती है। यह इस बात पर ज़ोर देता है कि सड़कों की गुणवत्ता केवल एक नागरिक मुद्दा नहीं है, बल्कि जन कल्याण और शासन की जवाबदेही का मामला है, जिसके लिए अस्थायी समाधानों के बजाय तत्काल और निरंतर ध्यान देने की आवश्यकता है।

सरकार को इस पहलू पर विशेष ध्यान देने और मज़बूत सार्वजनिक बुनियादी ढाँचा सुनिश्चित करने की सख़्त ज़रूरत है क्योंकि लोग अच्छे और घटिया काम के बीच फ़र्क़ करने में सक्षम हैं।चौथे तवी पुल का मामला घटिया काम का एक उदाहरण है क्योंकि एक बार नहीं, बल्कि दो बार से भी ज़्यादा, इस पुल को अचानक आई बाढ़ ने तबाह कर दिया है, जबकि कई दशक पहले बने पुल अब भी जस के तस हैं। यह शायद घटिया काम और इस क्षेत्र में नागरिक ढाँचे को मज़बूत करने के लिए ज़िम्मेदार लोगों की उदासीनता का सबसे बड़ा उदाहरण है। अब समय आ गया है कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला इस मुद्दे पर विचार करें और सुनिश्चित करें कि जम्मू-कश्मीर में रखी गई हर ईंट मज़बूत और टिकाऊ हो ताकि कोई भी घटिया सड़कों और पुलों की तरह उंगली न उठा सके।

बिहार विधानसभा चुनाव और राजनीतिक साख का सवाल

टिकटों की जैसे मंडी सज गई। टिकट बंटवारे में जो सीट सहयोगी दल को गया, उसके चुनाव चिन्ह पर पैसा लेने वाले बड़े दल के नेता ने टिकट दिलवा दिया। बिहार जैसे गरीब राज्य में टिकटों की इस मंडी में ज्यादातर दल शामिल हुए। कई सीटों पर टिकटों की घोषणा के बावजूद दूसरे को इसलिए टिकट दे दिया गया क्योंकि उसने ज्यादा पैसे दे दिए।

मनोज कुमार मिश्र

बिहार विधानसभा चुनाव प्रचार के शीर्ष पर पहुंचने से पहले ही राष्ट्रीय जनता दल(राजद) और कांग्रेस की अगुवाई वाला महागठबंधन बिखरने लगा। पहले भाजपा और जनता दल (एकी) की अगुवाई वाले गठबंधन राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) में भी तनातनी हुई लेकिन बड़े नेताओं ने फौरन हस्तक्षेप कर विवाद सुलझा लिया। अब सभी 243 सीटों पर राजग की तरफ से एक-एक उम्मीदवार ही चुनाव मैदान में हैं। इस गठबंधन के दलों का चुनाव प्रचार भी साझा चल रहा है। राजग नीतीश कुमार की अगुवाई में चुनाव लड़ रहा है। भाजपा और जद(एकी) बराबर सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। दूसरी तरफ महागठबंधन के सहयोगी दलों के उम्मीदवार दर्जन भर से ज्यादा सीटों पर आपस में ही लड़ रहे हैं। इतना ही नहीं, तमाम दावों के बावजूद चुनाव प्रचार जोड़ नहीं पकड़ रहा है। हर बार की तरह इस बार भी कई अन्य दलों के उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। प्रशांत किशोर की जनसुराज पार्टी चुनाव में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही है। वैसे उसके तीन उम्मीदवारों ने नाम वापस लेकर प्रशांत किशोर की परेशानी बढ़ा दी। वे इसके लिए विपक्षी दल पर आरोप लगा रहे हैं।

बिहार के सबसे बड़े लोक महापर्व छठ के तुरंत बाद 06 और 11 नवंबर को मतदान होना है। नतीजे 14 नवंबर को आएंगे। माना जा रहा है कि छठ के लिए बड़ी तादाद में लोग अपने घर आते हैं, उनमें काफी बड़ी संख्या उन लोगों की है जो प्रवासी होने के बावजूद अभी भी बिहार के मतदाता बने हुए हैं। इनके चलते इस बार वोट का औसत बढ़ सकता है। इस बार महागठबंधन के आपसी टकराव और सरकार के सकारात्मक काम से राजग का वोट औसत बढ़ने के आसार हैं।

होना यही चाहिए था कि चुनाव मुद्दों पर लड़े जाएं। संभव है बाकी चुनावों की तरह इस चुनाव में भी कई गलत आरोप लग रहे हैं। हवाई दावे किए जा रहे हैं। भला यह कैसे संभव है कि चौदह करोड़ से ज्यादा मतदाताओं के हर परिवार से एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी दे दी जाए। कुछ लाख परिवारों में सरकारी नौकरी है बाकी सवा दो करोड़ परिवारों से एक-एक सदस्य को सरकारी नौकरी देना संभव ही नहीं। इसके बावजूद राजद नेता तेजस्वी यादव इसकी घोषणा कर चुके हैं। कुछ इसी तरह के भाजपा और राजग के घटक दलों ने भी कई वायदे किए लेकिन उनका उनकी ठोस रणनीति से संबंध है।

चुनाव आयोग की तमाम सख्ती के बावजूद हर चुनाव में धन-बल का भरपूर उपयोग होता है। चुनाव में वोट के लिए पैसे, शराब या सामान बांटने के मामले भी सामने आते रहे हैं। चुनाव आयोग हर चुनाव में भारी मात्रा में नकदी, शराब आदि पकड़ता है और कार्रवाई करता है। राज्यसभा और विधान परिषद की भी सीटें बिकने की खबरें आती है। यह सभी अपने देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में जंग लगने जैसे हैं। कुछ सालों से चुनावी व्यवस्था में और पतन होता जा रहा है। लोकसभा और विधानसभा आदि के टिकट बिकने की खबर आने लगी और बिहार चुनाव में तो सारे रिकार्ड ध्वस्त हो गए। टिकटों की बोली लगने का आरोप लग रहे हैं। अपने दल के विधायक से कई-कई करोड़ रुपए लेने के बाद भी दूसरे से ज्यादा पैसा लेकर टिकट बेचे जाने के दावे किए जा रहे हैं।

राजद से मधुबन से टिकट पाने में असफल रहे मदन साह ने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के सरकारी घर के बाहर अपने कपड़े फाड़े, दहाड़ मार कर रोते हुए कहा कि उसके 2.70 करोड़ रुपए लौटा दें। इस लेन-देन की होड़ में सारी मर्यादाएं तार-तार हो गई। पैसे की इसी होड़ में सुगौली से महागठबंधन ने अपने विधायक के बजाए सीट वीआईपी को दे दी। आरोप लगा कि कीमत बढ़ा कर फिर अपने विधायक को पकड़ा दिया। इसी उठापटक में उसका नामांकन ही रद्द हो गया। सासाराम से राजद ने अपने मौजूदा विधायक का टिकट काट कर आपराधिक छवि वाले को दे दिया जो झारखंड के गढ़वा में एक डकैती में वांछित था। नामांकन भरते ही उसे झारखंड पुलिस पकड़ कर ले गई।

टिकटों की जैसे मंडी सज गई। टिकट बंटवारे में जो सीट सहयोगी दल को गया, उसके चुनाव चिन्ह पर पैसा लेने वाले बड़े दल के नेता ने टिकट दिलवा दिया। बिहार जैसे गरीब राज्य में टिकटों की इस मंडी में ज्यादातर दल शामिल हुए। कई सीटों पर टिकटों की घोषणा के बावजूद दूसरे को इसलिए टिकट दे दिया गया क्योंकि उसने ज्यादा पैसे दे दिए। कई ऐसी सीट हैं जिसपर सहयोगी दल के चुनाव चिन्ह पर भाजपा, राजद, कांग्रेस, जद(एकी) के मौजूदा विधायक या नेता चुनाव लड़ रहे हैं।

पहले पार्टी समर्थकों के विरोध के चलते टिकट बदले जाते थे या वापस किए जाते थे। अब तो बोली लग कर टिकटों पर फैसला होता है। हर चुनाव की तरह इस चुनाव में भी बड़ी मात्रा में काला धन लग रहा है। पहले चुनाव लड़ने के लिए गिनती के लोग कर्ज लेकर या जमीन आदि बेच कर पैसे लगाते थे। अब तो टिकट पाने के लिए पहले ही सबकुछ दांव पर लगाया गया है। पहले कहा जाता था कि लोग चुनाव लड़ते हैं प्रतिष्ठा पाने और समाज सेवा करने के लिए। आजादी के बाद के कुछ चुनाव छोड़ दें तो वास्तव में तब भी चुनाव में पैसा लगा कर लोग चुनाव जीतने के बाद सबसे पहले पैसा कमाने में ही सारी ताकत लगाते हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कड़ाई से भाजपा में बड़े नेताओं के रिश्तेदारों को कम से कम टिकट मिलता है और भाजपा ने बिहार में भी ऐसा ही किया। बाकी दलों में पैसे की तरह टिकट पाने की दूसरा बड़ा कारण बड़े नेताओं की रिश्तेदारी रही है। लालू प्रसाद यादव के छोटे बेटे तेजस्वी यादव तो उनके उत्तराधिकारी हैं, वे इस बार भी राघोपुर से चुनाव लड़ रहे हैं। पूर्व मंत्री शकुनी चौधरी के पुत्र बिहार के उप मुख्यमंत्री और भाजपा नेता सम्राट चौधरी तारापुर से चुनाव लड़ रहे हैं। दबंग मोहम्मद शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा साहाब (राजद), केन्द्रीय मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा की पत्नी स्नेह लता (रालोमो), पूर्व मुख्यमंत्री जगन्नाथ मिश्र के पुत्र नितीश मिश्र (भाजपा), केन्द्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की पुत्रवधू दीपा मांझी (हम), पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर की पौत्री जागृति ठाकुर(जनसुराज), पूर्व सांसद गिरिधारी प्रसाद यादव के पुत्र चाणक्य प्रसाद यादव (राजद), सांसद वीणा देवी की पुत्री कोमल सिंह (लोजपा-रा), सांसद लवली आनंद के पुत्र चेतन आनंद (लोजपा-रा), शिवानंद तिवारी के पुत्र राहुल तिवारी (राजद), बाहुबली मुन्ना शुक्ला की पुत्री शिवानी शुक्ला (राजद), बाहुबली सूरजभान सिंह की पत्नी वीणा देवी (राजद), पूर्व सांसद विजय कुमार के पुत्र ऋषि मिश्र (कांग्रेस), नवीन किशोर सिन्हा के पुत्र नितिन नवीन (भाजपा), गंगा प्रसाद चौरसिया के पुत्र संजीव चौरसिया (भाजपा) और विशेश्वर ओझा के पुत्र राकेश ओझा इत्यादि उम्मीदवार हैं। यह सूची काफी लंबी है। यानि कई बड़े दलों के टिकट या तो बाहुबली और उसके परिवार को या पैसे वाले को या किसी बड़े नेता के रिश्तेदार को मिला। पार्टी के लिए दिन रात काम करने वाला आम कार्यकर्ता को अब टिकट मिलना कठिन है। आने वाले चुनाव में यह और कठिन हो जाएगा। यह माना जा रहा है कि करीब 20 साल मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठे नीतीश कुमार का यह आखिरी चुनाव है। वे खुद एक मजबूत पिछड़ी जाति से आते हैं। इतने लंबे समय तक सत्ता में रहने पर उन पर एक भी भ्रष्टाचार के आरोप नहीं लगे। तमाम विरोध के बावजूद शराबबंदी के उनके फैसले का बड़ी तादाद में गरीब महिलाओं का समर्थन आज भी उन्हें मिल रहा है। उनकी लगातार होती जीत का एक आधार महिलाएं हैं। साल 2005 में जिन बच्चियों को उन्होंने साईकिलें दीं, उनको ही चुनाव आचार संहिता लगने से पहले दस-दस हजार रुपए दिए। लालू यादव के जंगल राज से उलट उनकी छवि सुशासन बाबू की बनी हुई है। कई उल्लेखनीय काम उनके खाते में हैं लेकिन वे बिहार को विकास की दौड़ में शामिल कराने में पूरी तरह से सफल नहीं हो पाए। न ही पलायन रुका और न ही बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा हुए। केन्द्र सरकार के सहयोग से हर गांव सड़क से जुड़ा। हर गांव में बिजली पहुंची। कई और केन्द्रीय योजनाओं का लाभ बिहार के लोगों को मिला। दरभंगा में एम्स बन रहा है। गंगा नदी पर 10 पुल बने। बोधगया में आईआईएम और ट्रिपल आईटी बना। 38 से ज्यादा इंजीनियरिंग कालेज बने। बिजली के चार कारखाने खुले। केन्द्र सरकार ने बिहार के लिए तीन लाख करोड़ खर्च करके बुनियादी ढांचे को मजबूत किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता का लाभ इस गठबंधन और खासकर भाजपा को होगा ही। नीतीश कुमार सरकार के राजगीर, नालंदा में हुए काम मील के पत्थर साबित हो रहे हैं। उम्र बढ़ने के कारण उनके स्वास्थ्य पर हो रहे असर से चुनाव में उनके गठबंधन-राजग को कुछ नुकसान हो रहा है। बावजूद इसके चुनाव में राजग का पलड़ा भारी लग रहा है।

(लेखक, जाने-माने वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

उन्नीसवीं शताब्दी की प्रथम बलिदानी- महान् वीरांगना रानी चेन्नमा

- डॉ. आनंद सिंह राणा

जब तक तुम्हारी रानी की नसों में रक्त की एक भी बूंद है, कित्तूर को कोई नहीं ले सकता- वीरांगना रानी चेन्नमा का ये कालजयी कथन भारतीयों को स्व के लिए सर्वस्व अर्पित कर देने की सदैव प्रेरणा देता रहेगा। उन्नीसवीं शताब्दी में भारत की प्रथम बलिदानी वीरांगना कित्तूर की रानी- चेन्नम्मा ही थीं, जिन्होंने 11 दिन लगातार अंग्रेजों को पराजित किया और 12 वें दिन अपने लोगों के ही धोखा देने से पराजित हुईं। वीरांगना रानी चेन्नम्मा का गौरवशाली इतिहास है। उन्नीसवीं शताब्दी के प्रारंभ में रानी चेन्नम्मा भारत की स्वतंत्रता हेतु सक्रिय होने वाली पहली वीरांगना थीं। सर्वथा अकेली होते हुए भी उन्होंने ब्रिटिश साम्राज्य पर दहशत जमाए रखी।

अंग्रेजों को भगाने में रानी चेन्नम्मा को सफलता तो नहीं मिली, किंतु ब्रिटिश सत्ता के विरुद्ध खड़ा होने के लिए रानी चेन्नम्मा ने अनेक स्त्रियों को प्रेरित किया। कर्नाटक के कित्तूर रियासत की वह वीरांगना चेन्नम्मा रानी थी। आज वह कित्तूर की रानी चेन्नम्मा के नाम से जानी जाती हैं।

रानी चेन्नम्मा का जन्म काकती गांव में (कर्नाटक के उत्तर बेलगांव के एक देहात में) 23 अक्टूबर 1778 में हुआ। बचपन से ही उन्हें घोड़े पर बैठना, तलवारबाजी तथा तीर चलाने का प्रशिक्षण प्राप्त हुआ।

पूरे गांव में अपने वीरतापूर्ण कृत्यों के कारण से वह परिचित थीं।

रानी चेन्नम्मा का विवाह कित्तूर के शासक मल्लसारजा देसाई से 15 वर्ष की आयु में हुआ। उनका विवाहोत्तर जीवन सन् 1816 में उनके पति की मृत्यु के पश्चात एक दुखभरी कहानी बनकर रह गया। उनका एक पुत्र था किंतु दुर्भाग्य उनका पीछा कर रहा था। सन् 1824 में उनके पुत्र ने अंतिम सांस ली तथा उस अकेली को ब्रिटिश सत्ता से लड़ने हेतु छोड़ कर कर चला गया।

अंग्रेजों द्वारा व्यपगत की नीति के अंतर्गत रानी चेन्नम्मा की रियासत को ब्रिटिश साम्राज्य में मिलाने के लिए अल्टीमेटम दिया और कित्तूर रियासत धारवाड़ जिलाधिकारी के प्रशासन में आ गया। चॅपलीन उस क्षेत्र का कमिश्नर था। उसने नए शासनकर्ता को नहीं माना तथा सूचित किया कि कित्तूर को अंग्रेज़ों का शासन स्वीकार करना होगा। अतः वीरांगना रानी चेन्नम्मा क़ो अंग्रेज़ों के विरुद्ध युद्धघोष करना पड़ा।

अंग्रेजों के मनमाने व्यवहार का रानी चेन्नम्मा तथा स्थानीय लोगों ने कड़ा विरोध किया। ठाकरे ने कित्तूर पर आक्रमण किया। इस युद्ध में कई ब्रिटिश सैनिकों के साथ ठाकरे मारा गया। एक छोटे शासक के हाथों अपमानजनक हार स्वीकार करना अंग्रेजों के लिए बड़ा कठिन था। उन्होंने मैसूर तथा सोलापुर से प्रचंड सेना लाकर कित्तूर को घेर लिया ।

रानी चेन्नम्मा ने युद्ध टालने का अंत तक प्रयास किया, उसने चॅपलीन तथा बॉम्बे प्रेसिडेन्सी के गवर्नर से बातचीत की, जिनके प्रशासन में कित्तूर था। उसका कुछ परिणाम नहीं निकला। आखिरकार परीक्षा की घड़ी आ ही गई और रानी चेन्नम्मा ने युद्ध की घोषणा कर दी ।

12 दिनों तक पराक्रमी रानी तथा उनके सैनिकों ने उनके किले की रक्षा की, किंतु अपनी आदत के अनुसार इस बार भी विश्वासघातियों ने तोपों के बारुद में कीचड़ एवं गोबर भर दिया। सन् 1824 में रानी की हार हुई। उन्हें बंदी बनाकर जीवनभर के लिए बैलहोंगल के किले में रखा गया। रानी चेन्नम्मा ने अपने बचे हुए दिन पवित्र ग्रंथ पढ़ने तथा पूजा-पाठ करने में बिताए। सन् 1829 में उनकी मृत्यु हुई।

कित्तूर की रानी चेन्नम्मा ब्रितानियों के विरुद्ध युद्ध भले ही न जीत सकी, किंतु विश्व के इतिहास में उनका नाम अजर अमर हो गया। कर्नाटक में उनका नाम शौर्य की देवी के रुप में बड़े आदरपूर्वक लिया जाता है। रानी चेन्नम्मा एक दिव्य चरित्र बन गई। स्वतंत्रता आंदोलन में जिस धैर्य से उन्होंने अंग्रेज़ों का प्रतिरोध किया, वह कई नाटक, लंबी कहानियां तथा गानों के लिए विषय बन गया। लोकगीत एवं लावनी गाने वाले जो पूरे क्षेत्र में घूमते थे, स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन में जोश भर देते थे।

दुर्भाग्य देखिए कि तथाकथित वामपंथी और परजीवी सेक्यूलर इतिहासकारों ने इतिहास लिखते समय- सोलहवीं शताब्दी की महान् वीरांगना रानी अब्बक्का चौटा, अठारहवीं शताब्दी की महान् वीरांगना वेलु नचियार और उन्नीसवीं सदी की भारत की प्रथम बलिदानी वीरांगना कित्तूर की रानी चेन्नम्मा के स्वतंत्रता के लिए किए गए बलिदान को हाशिये में भी नहीं रखा। अब इन महान व्यक्तित्वों को प्रतिष्ठित किए जाने की जरूरत है।

(लेखक, श्रीजानकीरमण महाविद्यालय में इतिहास के विभागाध्यक्ष एवं इतिहास संकलन समिति महाकौशल प्रांत हैं।)

स्वदेशी की लौ- उपभोक्ता बना आत्मनिर्भरता का शिल्पकार

कैट ने बताया है कि कैसे छोटे व्यापारियों की ऐतिहासिक वापसी हुई है। इस वर्ष कुल बिक्री में 85 प्रतिशत योगदान गैर-कारपोरेट और पारंपरिक बाजारों से आया। दिल्ली के सदर बाजार, चांदनी चौक, शास्त्री नगर और लाजपत नगर जैसे इलाकों में पैर रखने की जगह नहीं थी। पहले जहाँ ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स बिक्री पर हावी रहते थे, इस बार उपभोक्ताओं ने स्थानीय दुकानों से खरीदारी का अनुभव फिर अपनाया। यह प्रवृत्ति बताती है कि डिजिटल युग में भी पारंपरिक बाजारों की आत्मा जीवित है। खरीदारी के आँकड़े भी इस बदलाव की गवाही देते हैं; किराना और एफएमसीजी उत्पादों ने कुल बिक्री में 12, सोना-चाँदी ने 10, इलेक्ट्रॉनिक्स ने 8त्र और रेडीमेड परिधानों ने 7% योगदान दिया। यह विविधता दर्शाती है कि भारतीय उपभोग शहरी सीमाओं को पार कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था तक फैल चुका है।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

दिवाली की इस बार की जगमगाहट दीपों तक सीमित नहीं रही है, उसने भारतीय अर्थव्यवस्था के हर कोने में आत्मनिर्भरता की लौ जलाई। बाजारों की रौनक और उपभोक्ताओं के उमंग में इस बार जो बात सबसे अधिक झलकी, वह है 'मेड इन इंडिया' के प्रति अभूतपूर्व विश्वास। देश के व्यापारी, कारीगर और उपभोक्ता, तीनों एक साथ उस दिशा में चलते दिखाई दिए, जहाँ स्वदेशी विकल्प से अधिक प्राथमिकता बनता दिखा।

वस्तुत कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की ताजा रिपोर्ट ने इस परिवर्तन को अंकों में पिरोकर सामने रखा है। त्योहारी सीजन में देशभर में लगभग 6.05 लाख करोड़ रुपये का कारोबार हुआ, जो अब तक का सबसे बड़ा आँकड़ा है।

इसमें सबसे उल्लेखनीय तथ्य यह है कि 87 प्रतिशत भारतीय उपभोक्ताओं ने विदेशी वस्तुओं के बजाय स्वदेशी उत्पादों को चुना। यह सीधे तौर पर भारत के आर्थिक उछाल का संकेत तो है ही साथ में आत्मनिर्भर भारत के विचार की वास्तविक विजय को भी दर्शाता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब 'वोकल फॉर लोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' का आह्वान किया था, तब ध्यान में आया था कि पीएम देशवासियों के माध्यम से भारतीय अस्मिता और स्थानीय उत्पादन के पुनरुद्धार को नई दिशा देना चाहते हैं। आज परिणाम भी उसी अनुरूप आया है, जैसा वे चाहते हैं। इस बार दीपावली के बाजारों में चीनी उत्पादों की चमक लगभग गायब रही, वहीं भारतीय वस्तुओं की बिक्री में पिछले वर्ष की तुलना में 25 प्रतिशत से अधिक वृद्धि दर्ज हुई। दिल्ली, मुंबई, लखनऊ, अहमदाबाद और जयपुर जैसे प्रमुख शहरों के बाजारों में स्थानीय उत्पादों की बहार थी। हर स्टॉल पर, हर दुकान में यह विश्वास झलक रहा था कि भारत की मिट्टी में बने उत्पाद किसी भी अंतरराष्ट्रीय ब्रांड से कम नहीं। यही वह स्वदेशी चेतना है जो उपभोक्ता व्यवहार को बदल रही है।

यहां इस सत्य को भी खुले मन से स्वीकार करना होगा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और उससे प्रेरित संगठनों ने वर्षों से इस स्व से जुड़ी स्वदेशी चेतना को जीवित रखा है। स्वदेशी खरीदो-देश बनाओ जैसे अभियानों ने इस वर्ष जनांदोलन का रूप ले लिया। संघ के आर्थिक दर्शन का मूल ही यह है कि आत्मनिर्भरता सिर्फ उद्योग तक सीमित नहीं है, यह राष्ट्र निर्माण का आधार है। यही कारण है कि इस बार दीपावली के उत्सवों में सांस्कृतिक भावना के साथ आर्थिक स्वराज का भाव भी उतना ही प्रबल दिखा है। आरएसएस से प्रेरित संगठनों ने 'स्वदेशी उत्सव' और 'हस्तशिल्प मेले' जैसे आयोजन कर यह संदेश दिया कि स्वदेशी केवल व्यापार नहीं, बल्कि विचार है। स्वदेशी जागरण मंच के अनुसार, यह दौर भारत की आर्थिक स्वराज यात्रा का नया अध्याय है। उनका मानना है कि यदि यह प्रवृत्ति कुछ वर्षों तक निरंतर बनी रही, तो भारत न केवल आत्मनिर्भर बनेगा, बल्कि एक सशक्त निर्यातक राष्ट्र के रूप में भी दुनिया के सामने खड़ा होगा।

मोदी सरकार की नीतियाँ भी इसी दिशा में गूँथी हुई हैं; प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्टैंड अप इंडिया, वोकल फॉर लोकल, और मेक इन इंडिया जैसे कार्यक्रमों ने स्वदेशी भावना को संस्थागत रूप दिया है। इन योजनाओं ने छोटे व्यापारियों और ग्रामीण उद्यमियों को सशक्त बनाया है, जो अब त्योहारी अर्थव्यवस्था के केंद्र में हैं।

कैट ने बताया है कि कैसे छोटे व्यापारियों की ऐतिहासिक वापसी हुई है। इस वर्ष कुल बिक्री में 85 प्रतिशत योगदान गैर-कारपोरेट और पारंपरिक बाजारों से आया। दिल्ली के सदर बाजार, चांदनी चौक, शास्त्री नगर और लाजपत नगर जैसे इलाकों में पैर रखने की जगह नहीं थी। पहले जहाँ ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स बिक्री पर हावी रहते थे, इस बार उपभोक्ताओं ने स्थानीय दुकानों से खरीदारी का अनुभव फिर अपनाया। यह प्रवृत्ति बताती है कि डिजिटल युग में भी पारंपरिक बाजारों की आत्मा जीवित है। खरीदारी के आँकड़े भी इस बदलाव की गवाही देते हैं; किराना और एफएमसीजी उत्पादों ने कुल बिक्री में 12%, सोना-चाँदी ने 10%, इलेक्ट्रॉनिक्स ने 8त्र और रेडीमेड परिधानों ने 7% योगदान दिया। यह विविधता दर्शाती है कि भारतीय उपभोग शहरी सीमाओं को पार कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था तक फैल चुका है।

इस वर्ष ग्रामीण और अर्ध-शहरी बाजारों ने 28 प्रतिशत भागीदारी दी। यह आँकड़ा ग्रामीण भारत की बढ़ती क्रयशक्ति और स्थानीय उत्पादन की सशक्तता का प्रमाण है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा आरंभ की गई योजनाओं ने गाँव-गाँव में छोटे उद्योगों और स्वयं सहायता समूहों को मजबूत किया है। आज ग्रामीण महिलाएँ दीपावली सजावट से लेकर मिठाई पैकेजिंग तक, अनेक उत्पाद तैयार कर रही हैं। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजित हुआ है और मांग-पूर्ति का पूरा चक्र अब स्वदेशी ढाँचे में घूम रहा है।

इस बार ट्रेडर कॉन्फिडेंस इंडेक्स 8.6 और कंज्यूमर कॉन्फिडेंस इंडेक्स 8.4 तक पहुँच गया, जो पिछले दशक का सर्वोच्च स्तर है। यह आँकड़े स्पष्ट करते हैं कि व्यापारी और उपभोक्ता दोनों भविष्य को लेकर आश्वस्त हैं। 72 प्रतिशत व्यापारियों ने माना है कि जीएसटी दरों के तर्कसंगत पुनर्गठन और डिजिटल भुगतान प्रोत्साहन ने इस उछाल में निर्णायक भूमिका निभाई। सरकार की पारदर्शी नीतियों ने व्यापार वातावरण में स्थिरता और विश्वास लौटाया है। त्योहारी सीजन में वस्तुओं के साथ सेवा क्षेत्र ने भी शानदार प्रदर्शन किया। पैकेजिंग, ट्रैवल, होटल, ईवेंट मैनेजमेंट और डिलीवरी नेटवर्क में लगभग 65,000 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। साथ ही, लगभग 50 लाख अस्थायी रोजगार सृजित हुए, जिनमें बड़ी संख्या में युवा और महिलाएँ शामिल थीं। इससे यह स्पष्ट हुआ कि आत्मनिर्भर भारत का भाव निर्माण तक सीमित नहीं रहा है, सेवा और सृजन दोनों में बराबर प्रवाहित है।

कहना होगा कि यह वर्ष भारत की आर्थिक यात्रा का मील का पत्थर है। अब खुदरा व्यापार केवल उपभोग का प्रतीक नहीं रहा, वह आत्मविश्वास और राष्ट्रभाव का परिचायक बन गया है। भारतीय उपभोक्ता अब ब्रांड वैल्यू नहीं, बल्कि भारतीय मूल्य को प्राथमिकता दे रहा है। मोदी सरकार और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की संयुक्त स्वदेशी दृष्टि ने भारत की आर्थिक दिशा को एक नया अर्थ दिया है, जहाँ हर छोटा दुकानदार, हर ग्रामीण उद्यमी और हर जागरूक उपभोक्ता मिलकर आत्मनिर्भर भारत की मशाल थामे हुए है। यह वह रोशनी है जो बताती है कि भारत अब किसी और के उजाले का मोहताज नहीं, वह आज अपनी ही लौ से जगमगाने वाला देश बन चुका है। दिवाली की जगमगाहट में इस बार एक नई लौ दिखी है, वह है आत्मनिर्भर भारत की लौ। हर बाजार में 'मेड इन इंडिया' की चमक दिख रही है। यह केवल व्यापार का उत्थान नहीं है, यह तो भारतीय उपभोक्ता की चेतना का पुनर्जागरण है।

बीसीसीआई महिला अंडर-19 टी-20 प्रतियोगिता : हिमाचल की टीम घोषित, धान्य लक्ष्मी को मिली कमान

एजेंसी

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) ने बीसीसीआई महिला अंडर-19 (टी-20) एलीट टूर्नामेंट के लिए हिमाचल टीम की घोषणा कर दी गई है। महिला अंडर-19 टीम की कमान कांगड़ा की धान्य लक्ष्मी को सौंपी गई है। टीम के खिलाड़ियों में वंशिका शर्मा हमीरपुर, अहाना शर्मा कांगड़ा, धान्य लक्ष्मी (कप्तान) कांगड़ा, पल्लवी ठाकुर कांगड़ा, वैष्णवी कांगड़ा, वंशिका कांगड़ा, अंशिका सिंह किन्नौर, अर्चना ठाकुर कुल्लू, कुंजम गिरी कुल्लू, भूमिका नलवा शिमला, उर्वी शर्मा शिमला, कनु प्रिया सोलन, अंशिता ऊना, आर्य अग्निहोत्री ऊना तथा वैभवी अग्निहोत्री ऊना से शामिल हैं। इसके अलावा टीम स्टाफ में तिलक राज मुख्य कोच, सुनील कुमार सहायक कोच, रिभा शर्मा गुप्ता फिजियो, प्रीति रानी प्रशिक्षक, संदीप भास्कर वीडियो विश्लेषक, विजय कुमार शर्मा प्रबंधक के तौर पर शामिल हैं। बीसीसीआई अंडर-19 महिला टी 20 प्रतियोगिता में हिमाचल अपने पहले मैच में 26 अक्टूबर को त्रिपुरा के साथ भिड़ेगा। वहीं 27 अक्टूबर को बंगाल के साथ, प्रदेश 29 अक्टूबर को असम के साथ, 31 अक्टूबर को मुंबई और 2 नवम्बर को कर्नाटक के साथ हिमाचल का मैच होगा। यह सभी मैच महाराष्ट्र के नागपुर में खेले जाएंगे।

शाहीन अफरीदी बने पाकिस्तान के नए वनडे कप्तान, रिज़वान की छुट्टी

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने सोमवार को बड़ा फैसला लेते हुए मोहम्मद रिज़वान को वनडे टीम की कप्तानी से हटा दिया है और तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को नया कप्तान नियुक्त किया है। यह घोषणा रावलपिंडी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रहे टेस्ट मैच के पहले दिन के बाद की गई। इस मैच में रिज़वान (33) और अफरीदी (25) दोनों ही खेल रहे हैं। पीसीबी की ओर से जारी बयान में रिज़वान का नाम तक नहीं लिया गया और उनके हटाए जाने की कोई आधिकारिक वजह नहीं बताई गई। बोर्ड ने सिर्फ इतना कहा कि यह निर्णय इस्लामाबाद में चयन समिति और टीम के व्हाइट-बॉल कोच माइक हेसन के बीच हुई बैठक के बाद लिया गया। दरअसल, पिछले सप्ताह पीसीबी ने एक बयान में यह स्पष्ट रूप से नहीं कहा था कि रिज़वान दक्षिण अफ्रीका दौरे की वनडे सीरीज़ में कप्तान बने रहेंगे। इसके बजाय बोर्ड ने बताया था कि हेसन ने पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी से बैठक बुलाकर नया कप्तान चुनने का अनुरोध किया था। सूत्रों के मुताबिक, यह निर्णय सिर्फ कोच की सिफारिश पर नहीं बल्कि बोर्ड के उच्च स्तर पर भी व्यापक समर्थन के साथ लिया गया है। शाहीन अफरीदी इससे पहले जनवरी 2024 में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज़ में कप्तान बने थे, लेकिन वह कार्यकाल सफल नहीं रहा। पाकिस्तान को उस सीरीज़ में 4-1 से हार का सामना करना पड़ा था और बाद में उन्हें कप्तानी से हटा दिया गया था। तब बाबर आज़म ने दोबारा टी20 टीम की कमान संभाली थी।

लेवरकुसेन के खिलाफ मैच के लिए उस्मान डेम्बेले की पीएसजी में वापसी

लेवरकुसेन। बैलन डी'ऑर विजेता उस्मान डेम्बेले को छह हफ्ते की चोट से उबरने के बाद पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) की टीम में शामिल किया गया है। वह बायर लेवरकुसेन के खिलाफ होने वाले चैंपियंस लीग मैच में वापसी कर सकते हैं। डेम्बेले की वापसी कोच लुइस एनरिके के लिए राहत लेकर आई है, क्योंकि इस सीजन टीम को लगातार चोटों से जूझना पड़ा है। 28 वर्षीय फ्रांसीसी फॉरवर्ड को सितंबर की शुरुआत में फ्रांस के लिए खेलते हुए हैमस्ट्रिंग चोट लगी थी। वह कतर के एक विशेष क्लिनिक में इलाज के बाद पिछले हफ्ते प्रशिक्षण पर लौटे। डेम्बेले ने शुक्रवार को स्ट्रासबर्ग के खिलाफ हुए रोमांचक 3-3 ड्रॉ में हिस्सा नहीं लिया था, लेकिन अब जर्मनी में वह कुछ मिनट खेल सकते हैं। यूरोपीय चैंपियन पीएसजी इस सीजन चैंपियंस लीग में लगातार तीसरी जीत की तलाश में है। लेवरकुसेन के सेंटर-बैक और फ्रांस टीम के साथी लोइक बाडे ने कहा, डेम्बेले को रोकने का कोई गुप्त तरीका नहीं है। वह एक सम्पूर्ण खिलाड़ी हैं जिनमें कई खूबियां हैं। उन्होंने बैलन डी'ऑर जीता है, इसका मतलब है कि वे असाधारण प्रतिभा वाले हैं। वे दोनों पैरों से खेल सकते हैं और उनके खेल में कोई कमजोरी नहीं है।

वर्ल्ड एथलेटिक्स ने की फील्ड एथलीट ऑफ द ईयर 2025 के लिए नामित खिलाड़ियों की घोषणा

नई दिल्ली। विश्व एथलेटिक्स अवॉर्ड्स 2025 के लिए वोटिंग प्रक्रिया जारी है और इस बीच वर्ल्ड एथलेटिक्स ने महिलाओं और पुरुषों के ÷फील्ड एथलीट ऑफ द ईयर के लिए नामित खिलाड़ियों की घोषणा कर दी है। इन दोनों श्रेणियों में पांच-पांच खिलाड़ियों को नामित किया गया है। वोटिंग के बाद प्रत्येक श्रेणी से दो-दो फाइनलिस्ट चुने जाएंगे। यह नामांकन 2025 में हुए शानदार प्रदर्शनों को ध्यान में रखते हुए किया गया है, जिसमें सबसे बड़ा आकर्षण टोक्यो में आयोजित वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप रही।

महिला विश्व कप : एक दूसरे के खिलाफ अपनी बादशाहत साबित करने के लिए भिड़ेंगे ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड

एजेंसी

इंदौर : गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड पहले ही महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं और ऐसे में बुधवार को यहां जब यह दोनों टीम शीर्ष स्थान के लिए होने वाले मुकाबले में आमने सामने होंगी तो उनका लक्ष्य एक दूसरे पर अपनी बादशाहत साबित करना और अपनी जीत की लय बरकरार रखना होगा। दोनों टीमें अब तक अजेय रही हैं। इन दोनों टीम ने अभी तक चार मैच जीते हैं जबकि दोनों का एक-एक मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड के 1.490 की तुलना में 1.818 के बेहतर नेट रन रेट के कारण अंक तालिका में शीर्ष पर है। इस मैच में जो भी टीम जीत हासिल करेगी उसका शीर्ष स्थान पक्का हो जाएगा। इसके अलावा उसे सेमीफाइनल से पहले मनोवैज्ञानिक बढ़त भी हासिल हो जाएगी। एलिसा हीली की अगुवाई वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम को अभी तक

कुछ अवसरों पर चुनौती का सामना भी करना पड़ा है लेकिन उसका प्रदर्शन शानदार रहा है। पहले दो मैच में उसके बल्लेबाज अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए थे लेकिन एशले गार्डनर और बेथ मूनी के शानदार प्रदर्शन से वह न्यूज़ीलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ जीत हासिल करने में सफल रही थी। इसके बाद लगातार दो मैच में शतक लगाने वाली कप्तान हीली और भरोसेमंद फोएबे लिचफील्ड के नेतृत्व में उनके शीर्ष क्रम ने अपनी लय हासिल कर ली है। इंग्लैंड के बल्लेबाजों को तेज गेंदबाजों के खिलाफ संघर्ष करना पड़ा है और नई गेंद की विशेषज्ञ मेगन शट जैसी गेंदबाज इसका फायदा उठाने के लिए उत्सुक होंगी। ऑस्ट्रेलिया को इंग्लैंड पर मनोवैज्ञानिक बढ़त हासिल है, क्योंकि इस वर्ष के शुरू में उसने घरेलू मैदान पर उन्हें सभी प्रारूपों में परास्त किया था। लेकिन इंग्लैंड यहां की परिस्थितियों को बेहतर तरीके से जानता है क्योंकि कुछ दिन पहले उसने यहां भारत को पराजित किया था। इंग्लैंड के गेंदबाजों ने दबाव में भी अपना धैर्य बनाए रखा, जिसमें लिंसे स्मिथ ने कमाल दिखाया। उन्होंने अंतिम ओवर में 13 रन बचाने से पहले स्मृति मंधाना का महत्वपूर्ण विकेट लिया। इसके अलावा उसके पास बाएं हाथ की स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन और ऑफ स्पिनर चार्ली डीन जैसे अनुभवी गेंदबाज हैं जो लगातार इंग्लैंड को मुश्किल परिस्थितियों से उबारती रही है।

मैं मानसिक रूप से पहले से कहीं अधिक जल्दी थक जाता हूं, स्मिथ ने एशेज से पहले किया खुलासा

एजेंसी

सिडनी : टेस्ट क्रिकेट पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित करने से स्टीव स्मिथ पूरे सत्र में तरोताजा बने रहे हैं जबकि कुछ वर्ष पहले वह तीनों प्रारूपों में समान जुनून से खेलने के बाद पूरी तरह से थक जाते थे। एकदिवसीय प्रारूप से संन्यास ले चुके स्मिथ ने तरोताजा होने के लिए ब्रेक लिया था और अब वह 21 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाले पहले एशेज टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करेंगे जबकि नियमित कप्तान पैट कमिंस अब भी पीठ के निचले हिस्से की चोट से उबर रहे हैं। यह 36 वर्षीय बल्लेबाज अब ऑस्ट्रेलियाई सर्दियों के दौरान न्यूयॉर्क में रहता है और अगस्त के बाद से उन्होंने बल्ला नहीं उठाया है। स्मिथ ने अपने पहले ट्रेनिंग सत्र के बाद यहां संवाददाताओं से कहा, 'मैं मानसिक रूप से पहले से कहीं अधिक जल्दी थक जाता हूं।' उन्होंने कहा, 'दस साल पहले मुझे वापसी करके हर संभव मैच खेलना बहुत पसंद था। अब टेस्ट क्रिकेट मेरे लिए बड़ी प्राथमिकता बन गया है।' स्मिथ ने कहा, 'मुझे पता है कि जब मैं शुरुआत में बहुत अधिक खेलता हूं तो तो गर्मियों के अंत तक मैं मानसिक रूप से काफी थक जाता हूं और शायद पहले जैसा प्रदर्शन नहीं कर पाता।' अपनी ऊर्जा बचाने और प्रारूपों को प्राथमिकता देने का सकारात्मक प्रभाव पड़ा है जैसा कि स्मिथ ने पिछले सत्र में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में दो शतक लगाने के बाद महसूस किया। स्मिथ ने कहा, 'पिछले साल मैं शायद गर्मियों के आखिर में भारत के खिलाफ अपनी सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी कर रहा था क्योंकि शुरुआत में मैंने अधिक क्रिकेट नहीं खेला था। सच कहूं तो दो शॉट खेलने के बाद ही मैं लय में आ जाता हूं। मुझे लगता है कि अब मैं खेलने के लिए तैयार हूं।'

स्मृति मंधाना शीर्ष स्थान पर बरकरार, दीप्ति तीसरे स्थान पर

एजेंसी

दुबई : भारतीय उप कप्तान स्मृति मंधाना आईसीसी की जारी नवीनतम महिला एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बनी हुई हैं। उन्होंने इंग्लैंड की कप्तान नेट स्किवर ब्रंट पर 83 अंक की बढ़त बना ली है। गेंदबाजी रैंकिंग में भारतीय ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा तीसरे स्थान पर हैं जबकि इंग्लैंड की बाएं हाथ की स्पिनर सोफी एकलेस्टोन शीर्ष पर हैं। स्मृति ने मौजूदा विश्व कप में लगातार अर्धशतक बनाए हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ इंदौर में पिछले मैच में भारत की करीबी हार के दौरान 88 रन की पारी खेली थी।

स्मृति ने हाल ही में शानदार प्रदर्शन किया है। इस बाएं हाथ की बल्लेबाज को विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के लिए सितंबर 2025 के लिए आईसीसी की महीने की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर चुना गया था। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली विश्व कप में लगातार शतकों के दम पर एक स्थान के फायदे से तीसरे

स्थान पर हैं। फॉर्म में चल रही दक्षिण अफ्रीका की ताजमिन ब्रिट्स (एक स्थान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर) ने भी बल्ले से अपने दमदार प्रदर्शन के दम पर शीर्ष 10 में अपनी जगह मजबूत की है। शीर्ष 10 के बाहर भी कुछ बदलाव हुए हैं जिसमें भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर (तीन स्थान के फायदे से 15वें स्थान पर), ऑस्ट्रेलिया की सलामी बल्लेबाज फीबी लिचफील्ड (पांच स्थान के फायदे से 17वें स्थान पर) और इंग्लैंड की अनुभवी हीथर नाइट (15 स्थान के फायदे से 18वें पायदान पर) सभी को विश्व कप में बल्ले से उनके शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। गेंदबाजी रैंकिंग में दीप्ति ने विश्व कप में अब तक पांच मैच में 13 विकेट की बदौलत तीन स्थान के फायदे से तीसरा स्थान हासिल किया है।

पंजाब एफसी ने सीजन के पहले विदेशी खिलाड़ी के रूप में समीर ज़ेल्ज़कोविक के साथ किया करार

एजेंसी

मोहाली। पंजाब एफसी ने बोस्निया और हर्ज़ेगोविना के अंतरराष्ट्रीय फुटबॉलर समीर ज़ेल्ज़कोविक के साथ करार किया है। 28 वर्षीय डिफेंडर ज़ेल्ज़कोविक टीम से फ्री ट्रांसफर पर एक साल के अनुबंध के तहत जुड़े हैं। वे 25 अक्टूबर से गोवा में शुरू होने वाले एआईएफएफ सुपर कप 2025 में टीम का हिस्सा होंगे। ज़ेल्ज़कोविक पिछले सीज़न सर्बिया के क्लब रादनिकी 1923 के लिए खेले थे और 2025-26 यूईएफए कॉन्फ्रेंस लीग क्वालिफायर में भाग ले चुके हैं। वे सेंटर बैक और डिफेंसिव मिडफील्डर दोनों पोज़िशनों पर खेलने में सक्षम हैं। उन्हें 2020-21 यूईएफए नेशंस लीग में इटली और नीदरलैंड्स के खिलाफ मैचों के लिए संभावित टीम में शामिल किया गया था, जबकि उन्होंने ईरान के खिलाफ फ्रेंडली मैच के लिए भी राष्ट्रीय टीम का हिस्सा बनने का मौका पाया था।फ़ुटबॉल करियर की शुरुआत ज़ेल्ज़कोविक ने एफके साराजेवो की युवा अकादमी से की, जहां उन्होंने छह साल बिताए। इसके बाद उन्होंने इगमैन कोंजिक क्लब से 2017-18 सीज़न

में बोस्निया की सेकंड डिवीज़न में सीनियर डेब्यू किया। अगले वर्ष वे देश के शीर्ष क्लब वेलज़ मोस्टार से जुड़े, जहाँ उन्होंने पांच सीज़नों में 149 मुकाबले खेले। 2023 में वे अपने बचपन के क्लब एफके साराजेवो लौटे, जहां से उन्हें उज़्बेकिस्तान सुपर लीग क्लब बुन्योदकोर को लोन पर भेजा गया। करार पर पंजाब एफसी के तकनीकी निदेशक निकोलाओस टोपोलियाटिस ने कहा, हमारी भर्ती नीति हमेशा सोच-समझकर बनाई जाती है। हम ऐसे खिलाड़ियों को चुनते हैं जो हमारे सिस्टम में फिट बैठें और अपने अनुभव व प्रोफेशनलिज़्म से टीम के माहौल को समृद्ध करें। समीर के पास यूरोप और एशिया दोनों महाद्वीपों में खेलने का अनुभव है। हमें विश्वास है कि वे न केवल टीम के प्रदर्शन स्तर को ऊंचा उठाएंगे, बल्कि हमारे युवा खिलाड़ियों के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।नए अध्याय की शुरुआत को लेकर उत्साहित समीर ज़ेल्ज़कोविक ने कहा, मैं पंजाब एफसी के रंग पहनने और इस नए सफर की शुरुआत करने को लेकर बेहद उत्साहित हूँ। किसी ऐसे क्लब से जुड़ना हमेशा खास होता है जो कुछ सार्थक निर्माण कर रहा हो।

भारतीय मूल के केशव महाराज का कमाल, पाकिस्तान में 7 विकेट लेकर तोड़ा 22 साल पुराना रिकॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली।रतीय मूल के दक्षिण अफ्रीकी स्पिनर केशव महाराज ने कमाल कर दिया। चोट से उबरने के बाद उन्होंने ऐसी गेंदबाज़ी की कि पाकिस्तान की पूरी टीम लंच से पहले ही 333 रनों पर सिमट गई। महाराज ने सिर्फ 102 रन देकर 7 विकेट चटकाए, यह पाकिस्तान में दक्षिण अफ्रीका की ओर से किसी भी गेंदबाज का अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन है।

महाराज ने यह कारनामा करके 2003 में लाहौर में पॉल एडम्स द्वारा बनाए गए 7/128 के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। यह प्रदर्शन खास इसलिए भी है क्योंकि महाराज पिछले हफ़्ते कमर की चोट के कारण पहला टेस्ट नहीं खेल पाए थे, लेकिन दूसरे मैच में वापसी करते हुए उन्होंने पाकिस्तान के बल्लेबाज़ों को सांस तक नहीं लेने दी। दूसरे दिन पाकिस्तान ने अपनी पारी 259/5 से आगे बढ़ाई थी। सऊद शकील (66) और सलमान अली आगा (45) ने छठे विकेट के लिए

70 रन जोड़े, लेकिन इसके बाद महाराज ने जैसे तूफान ला दिया। सिर्फ 15 रन के भीतर पाकिस्तान के आखिरी 5 विकेट गिर गए, सभी महाराज के खाते में। ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर ने 2 विकेट (75 रन देकर) और तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा ने 1 विकेट (60 रन देकर) लिया। महाराज की गेंदों के आगे बेबस हुआ पाकिस्तान महाराज ने सूखे पिच पर लगातार सही लेंथ रखी। उन्होंने पहले सलमान आगा को एलबीडब्ल्यू आउट किया, फिर सऊद शकील का बाहरी किनारा लेकर कैच करवाया, इसके बाद अफरीदी को बिना रन बनाए क्लीन बोल्ड कर दिया। उनकी गेंदें लगातार टर्न और स्लाइड कर रही थीं, पाकिस्तान के बल्लेबाज या तो आगे बढ़कर खेलने की कोशिश में फंसे या फिर लाइन मिस करते गए। पहले दिन दक्षिण अफ्रीका ने कई कैच छोड़े थे, जिससे पाकिस्तान को बढ़त मिली। लेकिन दूसरे दिन टीम ने हर मौके को भुनाया। एडेन मार्कराम, जिन्होंने पहले मैच में अब्दुल्ला शफीक का आसान कैच छोड़ा था, इस बार शानदार कैच लेकर अपनी गलती सुधारी। पाकिस्तान को 333 पर रोकने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने अपनी पारी की सावधानीपूर्वक शुरुआत की। लंच तक स्कोर 9/0 रहा, जबकि कप्तान एडेन मार्कराम को शाहीन शाह अफरीदी के खिलाफ एक करीबी ख्र्ख्र्र रिव्यू से राहत मिली। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियन दक्षिण अफ्रीका ने पहले टेस्ट में लाहौर में हार झेली थी, लेकिन अब दूसरे टेस्ट में महाराज की स्पिन जादूगरी से टीम ने शानदार वापसी की है। महाराज का यह प्रदर्शन न सिर्फ रिकॉर्ड बुक में दर्ज होगा, बल्कि यह उनकी फिटनेस और संकल्प का भी सबूत है।

ताइक्वांडो में गोड्डा को 16 गोल्ड के साथ मिला स्टेट चैंपियनशिप में पहला स्थान

एजेंसी

गोडडा। जिले के उर्जानगर स्थित स्टाफ क्लब में आयोजित चौथा झारखंड स्टेट ताइक्वांडो चैंपियनशिप का समापन शनिवार को हुआ। तीन दिवसीय इस राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में गोड्डा जिला के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 16 गोल्ड, 19 सिल्वर और 8 ब्रोंज मेडल अपने नाम कर समग्र चैंपियनशिप ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया। वहीं देवघर जिला 8 गोल्ड, 7 सिल्वर और 12 ब्रोंज मेडल के साथ दूसरे स्थान पर रहा। हजारीबाग ने 10 गोल्ड, 1 सिल्वर और 1 ब्रोंज, धनबाद ने 7 गोल्ड, 1 सिल्वर, 1 ब्रोंज, पूर्वी सिंहभूम ने 4 गोल्ड, 4 सिल्वर, 2 ब्रोंज, चतरा ने 4 गोल्ड, 3 सिल्वर, 4 ब्रोंज, रांची ने 4 गोल्ड और 2 सिल्वर, जबकि बोकारो ने 5 गोल्ड और 1 सिल्वर मेडल हासिल किया।राज्यभर से करीब 250 प्रतिभागियों ने इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। समापन समारोह में झारखंड ताइक्वांडो संघ के सचिव नीरज कुमार ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल और प्रमाण पत्र प्रदान किया। सचिव नीरज कुमार ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल जीवन का अभिन्न हिस्सा है, जो अनुशासन, आत्मविश्वास और स्वास्थ्य को मजबूत बनाता है। उन्होंने प्रतिभागियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं युवाओं में प्रतिस्पर्धात्मक भावना को प्रोत्साहित करती हैं।प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने अपने दमदार प्रहारों और उत्कृष्ट तकनीकी कौशल से दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। इस अवसर पर झारखंड ताइक्वांडो संघ के उप सचिव रविउल हुसैन, मोहम्मद नदीम, गौतम कुमार, अजीजुल्लाह, गोड्डा जिला सचिव भूपेश कुमार, नेशनल प्लेयर हर्षित राज, सिकंदर यादव, शेखर कुमार, रेफरी मोहम्मद जाहिद, हेमंती पातर, रोहित कुमार सहित बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित थे।

विराट कोहली की इस कमजोरी का फायदा उठाएंगे तेज गेंदबाज : मैथ्यू शॉर्ट

एजेंसी

एडीलेड : ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट का मानना है कि उनकी टीम के तेज गेंदबाज बृहस्पतिवार को यहां दूसरे एकदिवसीय मैच में विराट कोहली की ऑफ स्टंप के बाहर की गेंदों के खिलाफ हाल की कमजोरी का फायदा उठाना जारी रखेंगे। पर्थ में श्रृंखला के पहले मैच में शून्य पर आउट हुए कोहली एडीलेड ओवल में वापसी करने के लिए बेताब होंगे जो विदेशी सरजमीं पर उनका सबसे सफल मैदान हैं। इस मैदान पर उन्होंने पांच अंतरराष्ट्रीय शतक लगाए हैं और सभी प्रारूपों में 65 की औसत से रन बनाए हैं। शॉर्ट ने संवाददाताओं से कहा, 'मैं तेज गेंदबाजों की बैठक में नहीं था लेकिन ऐसा लगता है कि वह (कोहली) हाल ही में इसी तरह आउट हो रहे हैं। हॉफ (जोश हेजलवुड) और स्टार्सी (मिचेल स्टार्क) जैसे कुछ खिलाड़ियों ने उनके खिलाफ काफी गेंदबाजी की है और वे जानते हैं कि वे क्या कर रहे हैं। पर्थ में उन्होंने परिस्थितियों को अपना काम करने दिया। विकेट पर थोड़ी स्विंग और थोड़ी सी उछाल थी इसलिए मुझे यकीन है कि वे फिर से ऐसा ही करेंगे। भारत को पहले एकदिवसीय में ऑप्टस स्टेडियम में 42,423 दर्शकों की मौजूदगी में भारी समर्थन मिला था जिनमें से अधिकांश सात महीने से अधिक समय के बाद रोहित शर्मा और कोहली की टीम में वापसी देखने आए थे। खेल के अन्य प्रारूपों से संन्यास लेने के बाद ये दोनों पूर्व कप्तान नौ मार्च को चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद पहली बार राष्ट्रीय टीम में लौटे हैं। दोनों ने इंग्लैंड दौरे से पहले टेस्ट प्रारूप से संन्यास की घोषणा कर दी थी जबकि सिर्फ एकदिवसीय मुकाबले खेलने का फैसला किया। पिछले साल भारत की विश्व कप जीत के बाद दोनों ने टी20 अंतरराष्ट्रीय प्रारूप से भी संन्यास ले लिया था। शॉर्ट ने कहा, 'जब रोहित या (शुभमन) गिल उस दिन (पर्थ में) आउट हुए और फिर कोहली आए तो बस नारे लगे। जब वह मैदान पर उतर रहे होते थे तो बल्लेबाज के रूप में मैदान से बाहर जाते समय आपको बहुत बुरा महसूस होता था। यह एक शानदार अनुभव है।% रोहित और कोहली दोनों ही अपने वापसी वाले मैच में लय में नहीं दिखे और क्रमशः आठ और शून्य रन पर आउट हो गए। ऑस्ट्रेलिया के कार्यवाहक कप्तान मिचेल मार्श ने नाबाद 46 रन की पारी खेलकर टीम को बारिश से प्रभावित मैच में सात विकेट से जीत दिलाई। भारत श्रृंखला में 0-1 से पीछे है इसलिए बृहस्पतिवार को एडीलेड में होने वाला मैच जीतना जरूरी है जिससे कि वह श्रृंखला में बने रह सके। शॉर्ट जैसे खिलाड़ियों के लिए दक्षिण अफ्रीका में होने वाले 2027 विश्व कप से पहले यह सीमित ओवरों की श्रृंखला काफी अहम है।

अमेरिका, मेक्सिको, कोस्टा रिका और जमैका ने 2031 महिला विश्व कप की संयुक्त मेजबानी के लिए दावेदारी पेश की

एजेंसी

मेक्सिको सिटी। अमेरिका, मेक्सिको, कोस्टा रिका और जमैका के फुटबॉल संघों ने सोमवार को 2031 महिला फुटबॉल विश्व कप की संयुक्त मेजबानी के लिए अपनी दावेदारी की घोषणा की। यह टूर्नामेंट पहली बार 48 टीमों के साथ खेला जाएगा।फीफा ने मई में महिला विश्व कप को 32 से बढ़ाकर 48 टीमों तक विस्तार देने को मंजूरी दी थी। नए प्रारूप में 12 समूह होंगे और कुल मैचों की संख्या 64 से बढ़कर 104 हो जाएगी – जो 2026 पुरुष विश्व कप के बराबर होगी।संघों ने अपने संयुक्त बयान में कहा कि उनका प्रस्ताव इतिहास का सबसे प्रभावशाली टूर्नामेंट आयोजित करने का लक्ष्य रखता है, जो उत्तरी अमेरिका, मध्य अमेरिका और कैरेबियन क्षेत्र में महिला फुटबॉल के लिए स्थायी विरासत छोड़ेगा।

अमेरिकी फुटबॉल संघ की अध्यक्ष सिंडी पार्लो कोन ने कहा,÷हम अपने कॉनकाकाफ साझेदारों – मेक्सिको, कोस्टा रिका और जमैका – के साथ 2031 महिला विश्व कप की बोली का नेतृत्व करने पर गर्व महसूस कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि यह टूर्नामेंट महिला फुटबॉल के लिए एक नई वैश्विक पहचान बनाए और 2031 से आगे तक सकारात्मक प्रभाव छोड़े।मेक्सिकन फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष मिकेल एर्रियोला ने कहा कि यह संयुक्त प्रस्ताव फीफा और कॉनकाकाफ का इन मेजबान देशों पर भरोसा दर्शाता है। उन्होंने कहा, 2031 महिला विश्व कप हमारे क्षेत्र में खेल के विकास को मजबूत करने और मेक्सिको में खिलाड़ियों व प्रशंसकों की नई पीढ़ी को प्रेरित करने का ऐतिहासिक अवसर होगा।, संघों ने बताया कि आधिकारिक बोली दस्तावेज (बिड बुक) नवंबर में फीफा को सौंपा जाएगा, जबकि अंतिम निर्णय 30 अप्रैल 2026 को वैंकूवर में होने वाले फीफा कांग्रेस में लिया जाएगा।अगर यह प्रस्ताव सफल रहता है, तो यह पहला महिला विश्व कप होगा जो चार देशों में आयोजित किया जाएगा, साथ ही जमैका और कोस्टा रिका पहली बार विश्व कप मैचों की मेजबानी करेंगे। अमेरिका, जो अगले वर्ष पुरुष विश्व कप की मेजबानी मेक्सिको और कनाडा के साथ करेगा, इससे पहले 1999 और 2003 में महिला विश्व कप की मेजबानी कर चुका है। वहीं, मेक्सिको पहली बार महिला विश्व कप की मेजबानी करेगा।

एचपीसीए के पूर्व अध्यक्ष आर.पी. सिंह का निधन, एसोसिएशन ने जताया शोक

एजेंसी

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ (एचपीसीए) के पूर्व अध्यक्ष एवं निदेशक आर.पी. सिंह का हाल ही में कुल्लू के मोहल में निधन हो गया। उनका बीते दिन कुल्लू के मोहल स्थित उनके पैतृक स्थान पर अंतिम संस्कार भी कर दिया गया। उनकी अंतिम यात्रा में कई गणमान्य व्यक्तियों और क्रिकेट संघ के वरिष्ठ अधिकारियों ने उपस्थित होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अध्यक्ष अरुण धूमल, एचपीसीए के सचिव अवनीश परमार, निदेशक विजय भंडारी तथा कार्यकारिणी सदस्य शिव कपूर और तेज प्रकाश चोपड़ा सहित अन्य उपस्थित रहे। गौरतलब है कि आर.पी. सिंह ने बीते तीन दशकों से हिमाचल प्रदेश में क्रिकेट के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके अथक प्रयासों और दूरदर्शिता ने प्रदेश में क्रिकेट की नींव को सशक्त बनाया और अनेक प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर दिया। आईपीएल के अध्यक्ष अरुण धूमल ने बताया कि दिवंगत आरपी सिंह के योगदान को हमेशा स्मरण किया जाएगा। उन्होंने इस अपूरणीय क्षति पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और शोकाकुल परिवार को यह दुख सहने की शक्ति दें।

ऋषभ पंत प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी के लिए तैयार, इस टीम के खिलाफ करेंगे कप्तानी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज़ ऋषभ पंत अब एक बार फिर मैदान पर उतरने के लिए तैयार हैं। लम्बे इंतज़ार के बाद उनकी प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में आधिकारिक वापसी 30 अक्टूबर को होगी। पंत भारत ए टीम की कप्तानी करते हुए दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ पहले चार दिवसीय मैच में उतरेंगे। यह मुकाबला बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेला जाएगा। जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर टेस्ट के दौरान पंत को पैर में फ्रैक्चर हो गया था, जिसके बाद से वह मैदान से दूर थे। लगभग तीन महीने के रिहैबिलिटेशन के बाद अब उन्होंने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है और बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने उन्हें खेलने की अनुमति दे दी है। सूत्रों के मुताबिक, अक्टूबर की शुरुआत में पंत अपने रिकवरी के आखिरी चरण में थे और अब वे पूरी तरह से फिट माने जा रहे हैं।

चोट के बाद पंत ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, बेंगलुरु में लंबा समय बिताया। वहां उन्होंने फिजियो और ट्रेनर्स की निगरानी में लगातार वजन प्रशिक्षण, बैलेंस और मूवमेंट एक्सरसाइज़ पर काम किया।BCCI के अनुसार, पंत का पैर अब पूरी तरह से मजबूत हो चुका है और उन्होंने बल्लेबाज़ी और विकेटकीपिंग दोनों अभ्यास शुरू कर दिए हैं।

पहले ऐसा माना जा रहा था कि ऋषभ पंत 25 अक्टूबर से दिल्ली की ओर से हिमाचल प्रदेश के खिलाफ रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर के मैच में खेलकर वापसी करेंगे। हालांकि अब यह योजना बदल गई है, क्योंकि भारत ए और दक्षिण अफ्रीका ए के बीच पहला चार दिवसीय मैच रणजी मुकाबले के खत्म होने के सिर्फ दो दिन बाद शुरू होगा। ऐसे में BCCI ने तय किया कि पंत की वापसी सीधे भारत ए टीम के साथ होनी चाहिए ताकि वह बड़े मंच पर अपनी लय पा सकें।

बीसीसीआई ने न केवल ऋषभ पंत को टीम में शामिल किया है, बल्कि उन्हें कप्तानी की ज़िम्मेदारी भी दी है। इससे साफ है कि बोर्ड उनके अनुभव और नेतृत्व पर भरोसा कर रहा है। टीम में उनके उप-कप्तान होंगे साई सुदर्शन, जिन्होंने घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है।

भारत ए टीम

पहला मैच के लिए टीम : ऋषभ पंत (कप्तान, विकेटकीपर), आयुष म्हात्रे, एन जगदीसन (विकेटकीपर), साई सुदर्शन (उप-कप्तान), देवदत्त पडिक्कल, रजत पाटीदार, हर्ष दुबे, तनुष कोटियन, मानव सुथार, अंशुल कंबोज, यश ठाकुर, आयुष बडोनी, सारांश जैन।

दूसरा मैच के लिए टीम : ऋषभ पंत (कप्तान, विकेटकीपर), केएल राहुल, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), साई सुदर्शन (उप-कप्तान), देवदत्त पडिक्कल, रुतुराज गायकवाड़, हर्ष दुबे, तनुष कोटियन, मानव सुथार, खलील अहमद, गुरनूर बराड़, अभिमन्यु ईश्वरन, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप।

चावल, खाद्य तेलों में तेजी; गेहूं, चीनी नरम; दालों में घट-बढ़

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल के औसत भाव घट गये। खाद्य तेलों के दाम भी बढ़े जबकि गेहूं और चीनी में नरमी रही। वहीं, दालों में उतार-चढ़ाव देखा गया।विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जनवरी वायदा पांच रिंगिट घटकर 4,508 रिंगिट प्रति टन रह गया। अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.39 प्रतिशत की गिरावट के साथ 51.11 डॉलर के भाव बोला गया। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल की औसत कीमत 82 रुपये बढ़कर 3,886.42 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। वहीं, गेहूं 23 रुपये टूटकर 2,861.08 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। आटे की कीमत 36 रुपये की गिरावट के साथ 3,309.23 रुपये प्रति क्विंटल रही। खाद्य तेलों में तेजी का रुख रहा। मूंगफली तेल की औसत कीमत 148 रुपये और सूरजमुखी तेल की 19 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। पाम ऑयल में भी 42 रुपये प्रति क्विंटल की मजबूती देखी गयी। सोया तेल 80 रुपये और सरसों तेल 33 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। वनस्पति की कीमत 70 रुपये बढ़ गयी। दाल-दलहनों में चना दाल की औसत कीमत 24 रुपये और उड़द दाल की 15 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। तुअर दाल 74 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। मूंग दाल की औसत कीमत 36 रुपये और मसूर दाल की 37 रुपये प्रति क्विंटल घट गयी।

जीएसटी में कटौती से खुदरा परिधान कारोबार को बल: क्रिसिल

नई दिल्ली। क्रिसिल रेटिंग्स ने एक विश्लेषण के आधार पर कहा है कि जीएसटी दरों में संशोधन से परिधानों का खुदरा व्यवसाय करने वाली इकाइयों के कारोबार में लगभग दो प्रतिशत का अतिरिक्त लाभ मिलेगा और उनका परिचालन राजस्व लगातार दूसरे वित्त वर्ष में 13-14 प्रतिशत के मजबूत स्तर पर बना रह सकता है। विश्लेषण के अनुसार, खुदरा महंगाई में कमी और कच्चे माल की लागत कम होने जैसे कारकों के बीच कुल मिलाकर संगठित क्षेत्र की खुदरा इकाइयों का परिचालन लाभ भी 14 से 14.5 प्रतिशत के दायरे में रहने की उम्मीद है।जीएसटी परिषद के फैसलों के अनुसार, 22 सितंबर से 2,500 रुपये तक के सिले-सिलाये कपड़ों और परिधानों पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दर घटाकर पांच प्रतिशत कर दी गयी है। इससे औसत प्रीमियम स्तर के परिधानों की मांग में तेजी आने की संभावना है। पहले 1,000 रुपये तक के परिधान पर जीएसटी पांच प्रतिशत और 1000 से 2500 रुपये तक के परिधानों पर कर 12 प्रतिशत लगता था। क्रिसिल का कहना है कि अब 2,500 रुपये तक के वस्त्र पर पांच प्रतशित की कम दर पर कर से उपभोक्ता आधार बढ़ेगा। रिपोर्ट के अनुसार 2,500 रुपये से ऊपर के प्रीमियम खंड के परिधानों पर कर की दर 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत हो जाने से शादी-विवाह के लिए खरीदे जाने वाले या ऐसे महंगे फैशन वाले कपड़ों की मांग प्रभावित हो सकती है जो 2,500-3,500 रुपये के बीच के हैं।

ईपीएफओं में सुधार कर्मचारियों का सशक्तिकरण: केंद्रीय लोक उपक्रमों का मंच

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के शीर्ष निकाय 'स्टैंडिंग कॉन्फ्रेंस ऑफ पब्लिक एंटरप्राइजेज' (स्कोप) ने कर्मचारी भविष्य निधि कोष (ईपीएफ) से धन की निकासी और अन्य नियमों में सुधार को कर्मचारियों के अधिकारों के सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक पहल बताते हुए कहा है कि इससे धन निकासी प्रक्रिया भी सरल, त्वरित तथा पारदर्शी होगी। स्कोप ने कहा है कि ईपीएफओ व्यवस्था में सुधार और 13 जटिल प्रावधानों का तीन सरलीकृत श्रेणियों में वर्गीकरण का श्रम एवं रोजगार मंत्रालय का कदम सराहनीय है। संगठन ने इस पर टिप्पणी में कहा, तेरह जटिल प्रावधानों को तीन सरलीकृत श्रेणियों में समाहित करने वाले ये सुधार, तेज, सरल और अधिक पारदर्शी निकासी प्रक्रिया सुनिश्चित करते हैं। स्कोप का कहना है कि निकासी के लिए न्यूनतम पात्र रोजगार अवधि को सात वर्ष से घटाकर एक वर्ष किया जाना, और सदस्यों को बिना किसी दस्तावेज के किसी भी समय पात्र राशि का 75 प्रतिशत तक निकालने और विशेष परिस्थितियों में पूर्ण निकासी की सुविधा देना ईपीएफ के अंशधारक कर्मियों के सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक पहल है। स्कोप का कहना है कि ईपीएफओ में पंजीकृत कर्मचारियों और श्रमिकों के लिए इससे प्रक्रियात्मक सुगमता होगी।

दिल्ली में इंडिगो की कुछ उड़ानें 26 अक्टूबर से टर्मिनल-2 से भरेंगी उड़ान

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इंडिगो की कुछ उड़ानें 26 अक्टूबर से टर्मिनल-2 से रवाना होंगी। इंडिगो ने बताया कि 26 अक्टूबर से उसकी 6ई 2000 से 6ई 2999 नंबर तक की सभी उड़ानें टर्मिनल-2 से रवाना होंगी। इसके अलावा 6ई 5000 से 6ई 5999 नंबर तक की सभी उड़ानें टर्मिनल-3 से रवाना होंगी। इनके अलावा अन्य सभी उड़ानें टर्मिनल-1 से जायेंगी। अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें पहली की तरह टर्मिनल-3 से ही जायेंगी। उल्लेखनीय है कि नये सिरे से तैयार टर्मिनल-2 पर 26 अक्टूबर से फिर से उड़ानें शुरू हो रही हैं। इससे पहले क्षमता विस्तार और आधुनिकीकरण के लिए इस टर्मिनल को छह महीने तक बंद रखा गया था।

दीपावली पर देशभर में रिकॉर्ड 6.05 लाख करोड़ रुपये का हुआ कारोबार

एजेंसी

नई दिल्ली। दीपावली पर इस वर्ष देशभर में रिकॉर्ड 6.05 लाख करोड़ रुपये का कारोबार हुआ है, जिसमें 5.40 लाख करोड़ रुपये उत्पादों की बिक्री हुई। कारोबारी संगठन कन्?फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने दावा किया कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती और मजबूत उपभोक्ता विश्वास के कारण इस साल दिवाली पर रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की गई है।

कैट की रिसर्च शाखा कैट रिसर्च एंड ट्रेड डेवलपमेंट सोसाइटी ने देशभर के 60 प्रमुख वितरण केंद्रों के आधार पर विस्तृत दिवाली त्योहार की बिक्री 2025 पर रिसर्च रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के मुताबिक इस वर्ष दिवाली पर देशभर में कुल बिक्री 6.05 लाख करोड़ रुपये तक पहुंची, जिसमें 5.40 लाख करोड़ रुपये का वस्तु व्यापार और 65

हजार करोड़ रुपये का सेवा व्यापार शामिल है। यह अब तक का देश के व्यापार इतिहास का सबसे बड़ा त्योहारी कारोबार है। दिल्ली के चांदनी चौक सांसद एवं कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी का 'वोकल फॉर लोकल' और 'स्वदेशी दिवाली÷ का आह्वान जनता के बीच गहराई से गूंजा 87 फीसदी उपभोक्ताओं ने भारतीय वस्तुओं को विदेशी वस्तुओं के मुकाबले प्राथमिकता दी, जिससे चीनी उत्पादों की मांग में तेज गिरावट दर्ज की गई। खंडेलवाल ने कहा कि व्यापारियों ने बताया कि भारतीय निर्मित वस्तुओं की बिक्री पिछले वर्ष की तुलना में 25 फीसदी बढ़ी है। उन्होंने बताया कि दिवाली 2025 के बिक्री आंकड़े पिछले वर्ष (4.25 लाख करोड़ रुपये) की तुलना में 25 फीसदी की वृद्धि दर्शाते हैं। कैट महामंत्री ने कहा कि मुख्य रूप से गैर-कारपोरेट एवं पारंपरिक बाजारों ने कुल व्यापार में 85 फीसदी का योगदान दिया, जो भारतीय खुदरा बाजारों और छोटे व्यापारियों की शानदार वापसी को रेखांकित करता है।

सितंबर में आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर रही तीन फीसदी

नई दिल्ली। देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर सितंबर माह में तीन फीसदी रही। इससे पिछले महीने अगस्त में यह 6.3 फीसदी की दर से बढ़ा, जो 13 महीने का उच्चतम स्तर था। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी आंकड़ों में बताया कि देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर सितंबर में तीन फीसदी रही है। इससे पिछले महीने अगस्त में इन प्रमुख उद्योगों का उत्पादन 6.5 फीसदी की दर से बढ़ा था, जबकि पिछले साल सितंबर में यह वृद्धि 2.4 फीसदी दर्ज की गई थी। ढांचागत क्षेत्रों की वृद्धि दर सालाना आधार पर सुधरी है, लेकिन मासिक आधार पर इसमें सुस्ती दर्ज की

गई है। इस्पात, सीमेंट, बिजली और उर्वरक के उत्पादन में सितंबर, 2025 में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई। मंत्रालय के मुताबिक चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही अप्रैल-सितंबर के दौरान इन आठ बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर गिरकर 2.9 फीसदी पर आ गई। पिछली वित?त वर्ष 2024-25 की समान अवधि में यह 4.3 फीसदी थी। उल्लेखनीय है कि देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों में कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली शामिल हैं। इन कोर इंडस?ट्रीज का संयुक्त सूचकांक भारत के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक के कुल भार का 40.27 फीसदी होता है।

टाटा मोटर्स ने त्योहारी अवधि में एक लाख से अधिक यात्री वाहनों की आपूर्ति की

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड ने त्योहारी सीजन नवरात्रि से दिवाली तक 30 दिन में एक लाख से ज्यादा वाहनों की आपूर्ति की, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 33 फीसदी अधिक है। कंपनी ने जारी एक बयान में कहा कि उसने नवरात्रि से दिवाली तक की 30 दिनों की अवधि में एक लाख से अधिक वाहनों की डिलीवरी की है, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 33 फीसदी अधिक है। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) शैलेश चंद्रा ने कहा, डिलीवरी में एसयूवी का नेतृत्व किया गया, जिसमें इलेक्ट्रिक वाहनों ने भी मजबूत कर्षण दिखाया। उन्होंने कहा, नवरात्रि से दिवाली तक तीस दिनों की अवधि में, हमने 01 लाख से अधिक वाहनों की डिलीवरी के साथ एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 33 फीसदी की मजबूत वृद्धि को दर्शाता है। चंद्रा ने कहा, हमारी एसयूवी इस गति का नेतृत्व कर रही है, जिसमें नेक्सॉन ने

38,000 से अधिक खुदरा बिक्री दर्ज की है, जो कि 73 फीसदी की वृद्धि है, जबकि पंच ने 32,000 इकाइयों की बिक्री की है, जो साल-दर-साल 29 फीसदी की वृद्धि है। उन्होंने बताया कि कंपनी के ईवी पोर्टफोलियो में भी मजबूत वृद्धि देखी गई, इस अवधि के दौरान 10,000 से अधिक ईवी की खुदरा बिक्री हुई, जिससे 37 फीसदी की वृद्धि हुई। उन्होंने आगे कहा कि त्योहारों का परफॉर्मेंस बाकी फाइनेंशियल ईयर के लिए माहौल बनाता है। कंपनी इस साल नए लॉन्च की तैयारी कर रही है, और कस्टमर का लगातार जोश इसे सपोर्ट कर रहा है।

केंद्र ने नीलाम किए गए खनिज ब्लॉकों पर काम में तेजी लाने के लिए समय-सीमा तय की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने नीलाम किए गए खनिज ब्लॉकों पर काम में तेजी लाने के लिए निश्चित समय-सीमाएं तय की हैं। खान मंत्रालय ने इसके लिए खनिज (नीलामी) नियम 2015 में संशोधन को अधिसूचित किया है।खान मंत्रालय ने रविवार को जारी एक बयान में बताया कि खनिज (नीलामी) नियम, 2015 में संशोधन को अधिसूचित किया गया है। इसमें आशय पत्र (एलओआई) जारी होने के बाद से खनन पट्टे के निष्पादन तक पूरी की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के लिए मध्यवर्ती समय-सीमाएं शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा कि संचालन में तेजी लाने के अपने प्रयासों में नवीनतम कदम के रूप में 17 अक?टूबर, 2025 को खनिज (नीलामी) नियम 2015 में संशोधन को अधिसूचित किया गया है। इसमें आशय पत्र जारी होने के बाद से खनन पट्टे के निष्पादन तक पूरी की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के लिए मध्यवर्ती समय-सीमाएँ शामिल हैं। मंत्रालय ने खदानों के संचालन की निगरानी के लिए एक पीएमयू का भी गठन किया है।

सफलतापूर्वक नीलामी की जा रही है। खान मंत्रालय के मुताबिक वर्त्तमान वर्ष के पहले सात महीनों में ही 112 खनिज ब्लॉकों की

मंत्रालय के मुताबिक 2015 में नीलामी व्यवस्था की शुरुअता के बाद से कुल 585 प्रमुख खनिज ब्लॉकों की सफलतापूर्वक नीलामी की गई है। इनमें केंद्र सरकार द्वारा नीलाम किए गए 34 महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉक शामिल हैं। शुरुआत में नीलामी की गति धीमी थी, हालांकि पिछले तीन वर्षों से औसतन 100 से अधिक खनिज ब्लॉकों की सफलतापूर्वक नीलामी की जा चुकी है। खनिज ब्लॉकों की नीलामी में वृद्धि के साथ-साथ, खनिज उत्पादन बढ़ाने के लिए नीलाम की गई खदानों के परिचालन में भी तेजी लाने की आवश्यकता है। इस संबंध में मंत्रालय ने सफल बोलीदाताओं, राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों के साथ नियमित बैठकों सहित कई कदम उठाए हैं।

सर्राफा बाजार में फिसला सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। दिवाली के अगले दिन आज घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। वहीं, चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में हुई इस कमी की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,30,680 रुपये से लेकर 1,30,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज भी 1,19,790 रुपये से लेकर 1,19,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 1,71,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,30,830 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,19,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,30,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना

1,19,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,30,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,19,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,30,680 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,19,790 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,30,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,19,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,30,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,19,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,30,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,19,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,30,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,19,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने की कीमत में मामूली गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,30,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,19,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

उपराष्ट्रपति से मिले पीयूष गोयल, अपने मंत्रालय के कामकाज की जानकारी दी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल नव निर्वाचित उप-राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से मिले।उन्होंने अपने विभागों के काम-काज और मुख्य पहलों की जानकारी दी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने 'एक्स' पोस्ट पर बताया कि उप-राष्ट्रपति राधाकृष्णन से आज उनके आवास पर मुलाकात हुई। उनसे भेंट करके प्रसन्नता हुई। इस मुलाकात के दौरान विभागीय अधिकारियों के साथ वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की प्रमुख पहलों और गतिविधियों के बारे में उन्हें जानकारी दी और उनका बहुमूल्य मार्गदर्शन प्राप्त किया।

टॉप लेवल से फिसली चांदी, चेन्नई और हैदराबाद में 1 सप्ताह में 17 हजार रुपये तक की गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। सर्राफा बाजार में मजबूती का लगातार नया रिकार्ड बनाने के बाद अब चांदी की कीमत में गिरावट का रुख बनता हुआ नजर आने लगा है। पिछले एक सप्ताह के दौरान चांदी के भाव में औसतन 8,000 रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक की गिरावट दर्ज की जा चुकी है। अगर चेन्नई और हैदराबाद की बात करें, तो यहां चांदी की कीमत 17 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक टूट चुकी है। 15 अक्टूबर को हैदराबाद और चेन्नई में चांदी की कीमत जोरदार छलांग लगा कर 2,07,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर तक पहुंच गई थी, जो अब घटकर 1,90,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। दिल्ली में आज चांदी की कीमत 1,71,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंची हुई है। इसी तरह मुंबई, अहमदाबाद, कोलकाता,र जयपुर, सूरत और पुणे में भी चांदी 1,71,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। वहीं बेंगलुरु में चांदी 1,79,900 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रही है, जबकि चेन्नई और हैदराबाद में चांदी की की कीमत 1,89,900 रुपये के स्तर पर आ गई है। बुलियन मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन का कहना है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में लगातार जारी उतार-चढ़ाव, लंदन के इंटरनेशनल सिल्वर मार्केट में चांदी की सप्लाई में आई कमी और इंडस्ट्रियल डिमांड में तेजी आने की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी की कीमत 60 डॉलर प्रति औंस के स्तर के करीब पहुंच गई थी। वहीं घरेलू सर्राफा बाजार में त्योहारी सीजन की डिमांड में आई जोरदार तेजी से भी चांदी की कीमत को काफी सपोर्ट मिला। इसके साथ ही गोल्ड की कीमत में आई जोरदार तेजी की वजह से भी छोटे निवेशकों ने इस साल सोने की जगह चांदी में तुलनात्मक तौर पर अधिक निवेश किया। सिर्फ चांदी के सिक्कों की ही बात की जाए तो सालाना आधार पर चांदी के सिक्के की बिक्री में लगभग 40 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इस तरह चांदी की कीमत लगातार तेज होती चली गई। मयंक मोहन के अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाजार और घरेलू सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत में आई जोरदार तेजी की वजह से पिछले सप्ताह जमकर मुनाफा वसूली भी हुई। इसके साथ ही लंदन के इंटरनेशनल सिल्वर मार्केट में पिछले दो सप्ताह से जारी चांदी की सप्लाई में आई कमी भी अब काफी हद तक नियंत्रित हो चुकी है। मुनाफा वसूली और सप्लाई की स्थिति नियंत्रित होने के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी की कीमत में इस सप्ताह करीब 6 प्रतिशत की गिरावट आ गई, जो पिछले 6 महीने में इसकी सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट मानी जा रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत में आई बड़ी गिरावट और घरेलू सर्राफा बाजार में त्योहारी सीजन के लिए होने वाली खरीदारी लगभग पूरी हो जाने की वजह से स्थानीय बाजारों में चांदी की कीमत में ठीक-ठाक गिरावट दर्ज की गई है।

जयंत चौधरी ने फिलीपींस में ज्ञान विनिमय मिशन का नेतृत्व किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी 20-22 अक्टूबर तक फिलीपींस में एक उच्चस्तरीय ज्ञान आदान-प्रदान मिशन का नेतृत्व कर रहे हैं। यह कार्यक्रम विश्व बैंक के सहयोग से आयोजित किया गया है।कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि इस मिशन में प्रवासी श्रमिक विभाग (डीएमडब्ल्यू), तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास प्राधिकरण (टेस्डा), फिलीपींस सांख्यिकी प्राधिकरण (पीएसए) और प्रवासी श्रमिक कल्याण प्रशासन (ओडब्ल्यूडब्ल्यूए) जैसे प्रमुख फिलीपींस संस्थानों के साथ रणनीतिक सहयोग शामिल है। मंत्रालय ने बताया कि इस यात्रा का उद्देश्य कौशल विकास, श्रम गतिशीलता और डेटा-

आधारित नीतिगत ढांचों से संबंधित क्षेत्रों में ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना है। इस दौरे पर भारतीय प्रतिनिधिमंडल में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी तथा उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान और तेलंगाना राज्यों के प्रतिनिधि शामिल हैं। मंत्रालय के मुताबिक यह मिशन मानव पूंजी विकास पर सहयोग करने, पारस्परिक शिक्षा को बढ़ावा देने तथा कौशल और उद्यमिता के जरिए न्यायसंगत और सतत विकास के लिए मार्ग बनाने के लिए वैश्विक दक्षिण की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मखाने का बंपर धमाल, रकबा और पैदावार हुयी दोगुनी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में मखाने का उत्पादन 2020 से 2025 के बीच दोगुनी होकर लगभग 63,000 टन तक पहुंच गयी है। मखाने की खेती का रकबा 40 से 50 प्रतिशत तक बढ़ा और पैदावार मखाना कारोबार को बढ़ाने के सरकार के प्रयास के बीच इसके निर्यात में भी जोरदार उछाल दर्ज किया गया है। भारत विश्व का सबसे बड़ा मखाना उत्पादक देश है। एपीडा के अनुसार देश से मखाने का निर्यात तेज़ी से बढ़ने के मद्देनजर 2020 में मखाना निर्यात 6,700 टन हुआ था जबकि 2024 में यह बढ़कर 25,130 टन तक पहुंच गया है। दुनिया के देशों में इसके प्रमुख खरीदार अमेरिका, कनाडा, यूएई, जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया हैं। हाल में अमेरिका के लगाए गए अधिक आयात शुल्कों के बावजूद यूरोप, दक्षिण एशिया और अफ्रीका में इसके नए बाजार और नए अवसर बन रहे हैं। विदेशों के अलावा मखाने का घरेलू बाजार भी खासा मजबूत है। वित्त वर्ष 2021-22 से 2024-25 तक मखाना उद्योग 17 से 18 प्रतिशत सालाना दर से बढ़ा और इसका कारोबार 8,000-8,500 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। बढ़ती सेहत-जागरूकता और प्रीमियम स्नैकिंग की मांग से मखाना एक महंगे 'सुपरफूड' के रूप में उभर रहा है। भारत की मखाना खेती का केंद्र बिहार है। इसकी हिस्सेदारी देश के कुल उत्पादन में लगभग 90 प्रतिशत और विश्व आपूर्ति में 80-85 प्रतिशत तक है।

मुहूर्त ट्रेडिंग में शेयर बाजार को मामूली बढ़त, मुनाफावसूली के दबाव में आए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। । परंपरागत मुहूर्त ट्रेडिंग में घरेलू शेयर बाजार लगातार आठवें साल बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। आज शेयर बाजार ने मजबूती के साथ कारोबार की शुरुआत की थी। हालांकि कारोबार शुरू करने के कुछ देर बाद ही मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी कुछ समय के लिए लाल निशान में भी गिर गए। इसके बाद आखिरी वक्त में हुई खरीदारी के कारण सेंसेक्स और निफ्टी बढ़त हासिल करके बंद होने में सफल रहे। मुहूर्त ट्रेडिंग के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.07 प्रतिशत और निफ्टी 0.10 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आपको बता दें कि 2018 से ही मुहूर्त ट्रेडिंग के दौरान शेयर बाजार लगातार मजबूती के साथ बंद होता रहा है। मुहूर्त ट्रेडिंग के दौरान बैंकिंग और कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर को छोड़ कर शेष सभी सेक्टोरल इंडेक्स मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। मेटल, मीडिया, पावर, टेलीकॉम और हेल्थकेयर सेक्टर के शेयरों में आज लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह आईटी, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, बैंकिंग और कंज्यूमर ड्यूरेबल इंडेक्स मामूली गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.23 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.91 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज मुहूर्त ट्रेडिंग के दौरान एनएसई में 2,740 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 2,127 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 613 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 17 शेयर बढ़त के साथ और 13 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 29 शेयर हरे निशान में और 21 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 121.30 अंक की मजबूती के साथ 84,484.67 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद थोड़ी देर में ही ये सूचकांक 302.07 अंक की तेजी के साथ 84,665.44 अंक के स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आने लगी। लगातार हो रही बिकवाली के कारण मुहूर्त ट्रेडिंग खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 76.97 अंक की कमजोरी के साथ 84,286.40 अंक तक गिर गया। इस गिरावट के बाद खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया, जिसकी वजह से सेंसेक्स निचले स्तर से करीब 140 अंक की रिकवरी करके 62.97 की बढ़त के साथ 84,426.34 अंक के स्तर पर बंद होने में सफल रहा।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 58.05 अंक उछल कर 25,901.20 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी देर में ही ये सूचकांक 91.20 अंक की बढ़त के साथ 25,934.35 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आने लगी। लगातार हो रही बिकवाली के कारण आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 17.35 अंक की कमजोरी के साथ 25,825.80 अंक तक आ गया। इसके बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाया, जिससे निफ्टी निचले स्तर से 40 अंक से अधिक की रिकवरी करके 25.45 अंक की मजबूती के साथ 25,868.60 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

खुद को कानून से ऊपर न समझें ओली: आर्याल

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के गृहमंत्री ओमप्रकाश आर्याल ने कहा है कि पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को कानून से ऊपर रहने का विशेषाधिकार नहीं है। ओली के सरकार का आदेश नहीं मानने और काठमांडू के बाहर जाने की बात कहने पर गृहमंत्री की तरफ से यह चेतावनी दी गई है। आर्याल ने कहा कि ओली को देश का कानून और सरकार का निर्देश मानना होगा। आर्याल ने सुरक्षा समिति की बैठक के बाद स्पष्ट किया कि जिन लोगों का पासपोर्ट रद्द किया गया है वो देश छोड़ कर बाहर जाने की चेष्टा न करें और जिन्हें काठमांडू से बाहर जाने पर रोक लगाई गई है उन्हें भी इसका पालन करना चाहिए। एक दिन पहले ही ओली ने सरकार को चुनौती देते हुए कहा था कि वो सरकार के द्वारा काठमांडू छोड़ कर बाहर नहीं जाने के निर्देश का पालन नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि छठ के बाद वो बाहर जाने वाले हैं। अगर सरकार में हिम्मत है तो उनको रोक कर दिखाए। इतना ही नहीं ओली ने सुशीला कार्की को प्रधानमंत्री के रूप में मान्यता नहीं दिए जाने और उनके द्वारा घोषित चुनाव का बहिष्कार करने की बात कही थी। इस पर सुरक्षा समिति की बैठक में चर्चा की गई और यह तय किया गया है कि यदि ओली सरकार के निर्देशों का पालन नहीं करते हैं तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गृहमंत्री ने बताया कि देश रूल ऑफ लॉ से चलता है। ओली को देश का कानून और सरकार का निर्देश मानना होगा। उन्होंने कहा कि ओली के पास कोई भी विशेषाधिकार नहीं है कि वो सरकार का नहीं मानेंगे या सरकार के निर्देशों को नहीं मानेंगे।

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री तीन दिवसीय यात्रा पर सऊदी जाएंगे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ सऊदी अरब की तीन दिवसीय यात्रा पर सऊदी अरब जाने वाले हैं। उनकी यह यात्रा 26 अक्टूबर से प्रारंभ होगी। उनकी इस यात्रा में उनके साथ कैबिनेट सहयोगी और वरिष्ठ सैन्य अधिकारी भी शामिल होंगे। सऊदी अरब के साथ पाकिस्तान के रिश्तों को मजबूत करने की कड़ी में इस यात्रा को पाकिस्तान में काफी अहम माना जा रहा है। पाकिस्तान सरकार की विज्ञप्ति के अनुसार इस दौरान प्रधानमंत्री रियाद में मशहूर फ्यूचर इन्वेस्टमेंट इनिशिएटिव (एफआईआई) को संबोधित करेंगे। यह एक ऐसा वैश्विक मंच है जिसमें दुनिया भर के उद्योग जगत से जुड़े प्रमुख व्यक्तित्व, निवेशक और नीति निर्धारक शामिल होते हैं। शरीफ सऊदी अरब के शीर्ष नेताओं के साथ बैठक में भी शामिल होंगे, जिसमें आपसी संबंधों, क्षेत्रीय सुरक्षा और आर्थिक साझेदारी बढ़ाने के मसलों पर चर्चा होने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि हाल में पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच पैदा हुए तनाव और संघर्ष में सऊदी अरब ने मध्यस्थ की भूमिका निभाई थी। सऊदी अरब की दखल से ही दोनों देश संघर्ष विराम के लिए राजी हुए थे।

भारत के पीएम मोदी ने जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री साने ताकाइची को चुनाव जीतने पर दी बधाई

टोक्यो। भारत के पीएम नरेंद्र मोदी ने जापान की नई प्रधानमंत्री साने ताकाइची को उनकी जीत पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि वह दोनों देशों के बीच खास रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए तत्पर हैं।साने ताकाइची को मंगलवार को जापान की संसद ने एक अहम चुनाव के बाद प्रधानमंत्री चुना गया। यह चुनाव पुनः मतदान के जरिए हुआ था, जिसमें वह जीतकर जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं। यह एक ऐतिहासिक पल माना जा रहा है क्योंकि जापान की राजनीति में पहली बार किसी महिला को यह पद मिला है। जापान की संसद के दो सदन होते हैं, उच्च सदन और निचला सदन। दोनों सदनों ने ताकाइची को बहुमत के साथ प्रधानमंत्री चुना है। उच्च सदन में उन्हें 125 वोट मिले, जो जरूरी बहुमत से केवल एक वोट ज्यादा था। निचले सदन में उन्हें 237 वोट मिले, जो जरूरी बहुमत से अधिक था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट के जरिए ताकाइची को जीत की बधाई दी और कहा, साने ताकाइची, जापान की प्रधानमंत्री चुने जाने पर आपको हार्दिक बधाई। मैं भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए आपके साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं। हमारे गहरे होते संबंध हिंद-प्रशांत और उसके बाहर शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण हैं।

हमास शांति समझौते का जब तक पालन करता रहेगा, तब तक सैन्य कार्रवाई नहीं : इजरायल

यरूशलम। इजरायल ने हमास को चेतावनी देते हुए कहा कि जब तक वह शांति समझौते का पालन करता रहेगा तब तक इजरायली सैन्य बल कोई कार्रवाई नहीं करेगा। इजरायल की यह चेतावनी हमास की ओर से सभी मृत बंधकों के अवशेष लौटाने में देरी के बाद आयी है। इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय के एक अधिकारी ने कहा, वे(हमास) खेल खेल रहे हैं, वे और शवों को लौटा सकते हैं, लेकिन हम देख रहे हैं कि वे लौटाने में देरी कर रहे हैं।÷ उन्होंने कहा कि अगर हमास शवों को लौटाने में किसी तरह की देरी करता है तो इजरायल जरूर कोई कदम उठायेगा। इजरायली सेना का कहना है कि मलबे के कारण शवों को ढूंढना मुश्किल हो सकता है, लेकिन हमास को पता है कि शव कहाँ हैं और वह जानबूझ कर देरी कर रहा है। अधिकारी ने कहा, हम जानते हैं कि इसमें समय लगता है, लेकिन हम इसे ज़्यादा लंबा नहीं खिंचने देंगे। अमेरिका ने भी हमास को समझौते का उल्लंघन करने पर सीधी सैन्य कार्रवाई की धमकी दी थी।

इजराइल में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस बोले - 'अभी बहुत काम बाकी है'

एजेंसी

तेल अवीव। इजराइल की यात्रा पर पहुंचे अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने कहा कि गाजा संघर्ष के बीच शांति प्रयासों में अभी काफी काम बाकी है और इसे सफल होने में लंबा समय लगेगा। वेंस ने इजराइल की सेना का समर्थन करते हुए कहा कि इजराइल खुद की रक्षा कर रहा है। वहीं उन्होंने हमास को एक आतंकवादी संगठन बताया। वेंस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, स्थिति कठिन और अप्रत्याशित है, लेकिन हम शांति की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। अभी अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बल की व्यवस्था पूरी नहीं हुई है, इसलिए यह प्रक्रिया समय लेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिका इजराइल पर किसी भी विदेशी सेना की तैनाती का दबाव नहीं बनाएगा। उन्होंने पश्चिमी मीडिया की आलोचना करते हुए कहा कि कुछ मीडिया संस्थानों में एक अजीब प्रवृत्ति

दिख रही है, जैसे वे असफलता की कामना कर रहे हों, जो संभवतः गाजा में युद्धविराम के दौरान इजराइली हमलों की कवरेज को लेकर था। वेंस ने कहा कि कई खाड़ी देश इजराइल के साथ सामान्य संबंध स्थापित करना चाहते हैं। उन्होंने आगे जोड़ा कि अगर हमने यह सही तरीके से किया, तो यह पूरा क्षेत्र शांति की दिशा में आगे बढ़ सकता है। अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने कहा कि गाजा संघर्ष में सीजफायर वार्ता से मिली सीख को अन्य युद्धग्रस्त क्षेत्रों में भी लागू किया जा सकता है। विटकॉफ ने बताया कि उन्होंने मुक्त बंधकों से मुलाकात की और कहा- ÷वहां पीड़ित नहीं, बल्कि मजबूत लोग थे। ट्रंप के दामाद और पूर्व वरिष्ठ सलाहकार जारेड कुशनर ने संयुक्त राष्ट्र और इजराइल के बीच मानवीय सहायता पर मजबूत संवाद की सराहना की। उन्होंने कहा कि कई लोग स्थिति को लेकर अतिशयोक्ति कर रहे हैं, लेकिन वास्तव में गाजा में बेहतर परिणाम की संभावना बनी हुई है।

मास्को की हठ से ट्रंप-पुतिन शिखर वार्ता पर संकट के बादल

एजेंसी

वॉशिंगटन/मास्को। यूक्रेन में तत्काल युद्धविराम (सीजफायर) पर रूस के इनकार के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच प्रस्तावित शिखर वार्ता पर अनिश्चितता के बादल मंडराने लगे हैं। राजनयिक सूत्रों के अनुसार, दोनों देशों के शीर्ष अधिकारियों के बीच होने वाली तैयारी बैठक के स्थगित होने से वार्ता की संभावना कमजोर पड़ी है। ट्रंप ने हाल ही में पुतिन से फोन पर बातचीत की थी और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से भी मुलाकात की थी। उनका उद्देश्य आने वाले दो हफ्तों में हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में पुतिन के साथ बैठक कर युद्ध समाप्ति की दिशा में कदम बढ़ाना था। हालांकि, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के बीच गुरुवार को बुडापेस्ट में होने वाली तैयारी बैठक को अचानक टाल दिया गया। इसके चलते अब शिखर वार्ता पर संशय गहरा गया है। फिलहाल न तो अमेरिका और न ही रूस ने औपचारिक रूप से बैठक रद्द करने की घोषणा की है।

फिर भी, संकेत यही हैं कि अगर मास्को अपनी कठोर शर्तों से पीछे नहीं हटता, तो ट्रंप प्रशासन वार्ता को टाल सकता है। हंगरी के विदेश मंत्री पीटर सिजियार्तो ने वॉशिंगटन से फेसबुक पर लिखा, आने वाले कुछ दिन बेहद महत्वपूर्ण होने वाले हैं। यूरोपीय राजनयिकों का कहना है कि रूस अब भी अपने कब्जे वाले क्षेत्रों से पीछे हटने को तैयार नहीं है। एक वरिष्ठ राजनयिक ने कहा, रूस अपनी मांगों पर अड़ा हुआ है, और जब यह साफ हो गया कि बुडापेस्ट में ट्रंप के लिए कोई समझौता संभव नहीं, तो अमेरिका ने फिलहाल कदम पीछे खींच लिया।

यूक्रेन ने बढ़ाया रक्षा बजट, युद्धकाल में अब तक का सबसे बड़ा आवंटन

एजेंसी

कीव। यूक्रेन की संसद ने देश के 2025 के बजट में संशोधन करते हुए रक्षा व्यय को रिकॉर्ड स्तर तक बढ़ा दिया है। रूस के साथ जारी युद्ध के चौथे वर्ष में प्रवेश करते ही यह बढ़ोतरी यूक्रेन की सैन्य जरूरतों को पूरा करने की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है।संसद ने लगभग 325 अरब रिव्निया (करीब 7.7 अरब डॉलर) की अतिरिक्त राशि रक्षा क्षेत्र के लिए मंजूर की, जिससे कुल रक्षा खर्च बढ़कर 2.96 ट्रिलियन रिव्निया (करीब 70.86 अरब डॉलर) हो गया।

वित्त मंत्री सेरही मारचेंको ने कहा, स्थिति लगातार बदल रही है और आक्रामकता का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने के लिए खर्च बढ़ाना हमारी मजबूरी बन गया है। सरकार के पास, अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के सहयोग से यह अतिरिक्त व्यय सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध हैं।

जी7 ऋण से पूरा होगा खर्च का हिस्सा

यह इस वर्ष दूसरा अवसर है जब यूक्रेन को सेना और हथियार निर्माण पर खर्च बढ़ाना पड़ा है। इससे पहले जुलाई में भी 412.4 अरब रिव्निया (करीब 9.87 अरब डॉलर) की वृद्धि की गई थी। शुरू में रक्षा बजट लगभग 2.2 ट्रिलियन रिव्निया निर्धारित किया गया था। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, इस अतिरिक्त राशि का कुछ हिस्सा जी7 देशों द्वारा स्वीकृत ऋण से पूरा किया जाएगा, जिसे रूस की जमी हुई संप्रभु संपत्तियों से होने वाली आय के माध्यम से वित्तपोषित किया गया है। प्रधानमंत्री यूलिया स्विरीडेंको ने कहा, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जमे हुए रूसी परिसंपत्तियों से प्राप्त ब्याज अब यूक्रेन की रक्षा में इस्तेमाल किया जाएगा। रूसी संपत्तियों का उपयोग अब सही उद्देश्य के लिए किया जा रहा है, हमारे सैनिकों की रक्षा के लिए।

युद्ध से तबाह अर्थव्यवस्था पर पश्चिमी मदद का सहारा

फरवरी 2022 में रूस के हमले के बाद से यूक्रेन की अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। हजारों लोगों की मौत हुई, लाखों विस्थापित हुए और कई शहर खंडहर में तब्दील हो गए।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष के पहले नौ महीनों में यूक्रेन ने अपने कुल बजट का 63 हिस्सा सेना पर खर्च किया। सामाजिक और मानवीय कार्यक्रमों के लिए देश को अब भी पश्चिमी सहयोगियों की आर्थिक मदद पर निर्भर रहना पड़ रहा है।

युद्ध शुरू होने के बाद से यूक्रेन को अपने साझेदार देशों से करीब 152 अरब डॉलर की विदेशी वित्तीय सहायता मिल चुकी है।

इजराइल ने कनाडा से नेतन्याहू की गिरफ्तारी पर रुख बदलने की अपील की

एजेंसी

जेरूसलम/ओटाव,। इजराइल ने कनाडा के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से आग्रह किया है कि वे अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट का सम्मान करने के अपने वादे पर पुनर्विचार करें। यह वारंट इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ युद्ध अपराधों के आरोपों को लेकर जारी किया गया था। ब्लूमबर्ग को दिए एक साक्षात्कार में कार्नी से जब पूछा गया कि क्या वे अपने पूर्ववर्ती जस्टिन ट्रूडो की प्रतिबद्धता निभाते हुए नेतन्याहू को गिरफ्तार करेंगे, अगर वे कनाडा आएं, तो उन्होंने कहा था–हां। इस बयान पर इजराइली सरकार ने नाराजगी जताई है। सरकारी प्रवक्ता शॉश बेड्रोसियन ने कहा, ÷हम उम्मीद करते हैं कि प्रधानमंत्री कार्नी इस रुख पर पुनर्विचार करेंगे और नेतन्याहू का स्वागत करेंगे, जो मध्य पूर्व के

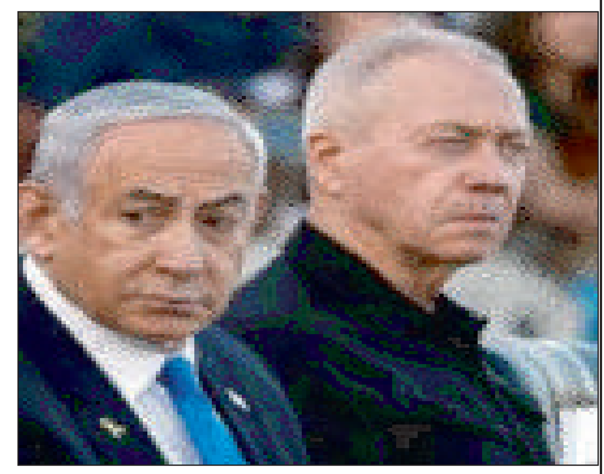

एकमात्र यहूदी और लोकतांत्रिक देश के नेता हैं।गौरतलब है कि हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय ने पिछले वर्ष नेतन्याहू के खिलाफ गाजा संघर्ष में कथित युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोपों पर गिरफ्तारी वारंट जारी किया था।इजराइल ने हमेशा आईसीसी के अधिकार क्षेत्र को अस्वीकार किया है और गाजा में युद्ध अपराधों के आरोपों को राजनीतिक और निराधार बताया है।

हमास के बंधक रहे नेपाली नागरिक विपिन जोशी का राजकीय सम्मान के साथ हुआ अंतिम संस्कार

एजेंसी

काठमांडू। इजराइल पर हमले के दौरान हमास के हाथों बंधक बनाए जाने के बाद मारे गए 23 वर्षीय विपिन जोशी के पार्थिव शरीर का मंगलवार को महाकाली नदी के तट पर राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान सैकड़ों स्थानीय लोग अंतिम सम्मान देने के लिए इकट्ठा हुए। अंतिम संस्कार से पहले सशस्त्र पुलिस बल के एक दल ने औपचारिक सलामी दी और कंचनपुर के मुख्य जिला अधिकारी लक्ष्मण धाकल ने सम्मान के प्रतीक के रूप में ताबूत पर राष्ट्रीय ध्वज लपेटा।

जोशी के पिता महानंद जोशी और उनके चचेरे भाई किशोर जोशी ने अंतिम संस्कार में मुखाग्नि दी। नेपाल में इजराइल के राजदूत शमुलिक एरी बास, दो अन्य इजराइली प्रतिनिधियों के साथ नदी के किनारे अंतिम संस्कार में शामिल

हुए। सम्मान के संकेत के रूप में इजराइली ध्वज भी जोशी के शरीर पर रखा गया और इजराइली राष्ट्रपति का एक शोक संदेश पढ़ा गया।

सुदुरपाशिम विश्वविद्यालय के छात्र विपिन जोशी अर्न एंड लर्न कार्यक्रम के तहत इज़राइल गए थे। वह सेडोट नेगेव क्षेत्र में काम करने वाले 49 नेपाली छात्रों में से एक थे, जब हमास ने 7 अक्टूबर, 2023 को हमला किया था। प्रारंभिक हमले में दस नेपाली मारे गए थे। जोशी उन लोगों में से थे, जिन्हें बंदी बना लिया गया था। लगभग दो वर्षों के बाद इजराइली अधिकारियों ने हमास के साथ संघर्ष विराम के बाद बंधक समझौते के दौरान जोशी की मौत की पुष्टि की। बाद में उनका शव इज़राइल को सौंप दिया गया। सोमवार को उनके पार्थिव शरीर को काठमांडू के त्रिभुवन अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लाया गया, जहां प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने श्रद्धांजलि दी। नेपाल सेना के हेलीकॉप्टर से विपिन जोशी के शव को उनके गृहनगर ले जाया, जहां आज पूरे सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया।

पाकिस्तान -अफ़ग़ानिस्तान के बीच महत्वपूर्ण समझौता - ख्वाजा आसिफ

एजेंसी

लाहौर। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने घोषणा की है कि पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान अपनी साझा सीमा पर बढ़ते उग्रवाद के ख़तरे से निपटने के लिए महत्वपूर्ण समझौते पर पहुँच गए हैं हालांकि इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि अफ़ग़ानिस्तान अपनी साझा सीमा पर हमला करने वाले सशस्त्र समूहों पर प्रभावी ढंग से लगाम लगा पाता है या नहीं। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने एक साक्षात्कार में कहा, उग्रवाद ने पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान दोनों के सीमावर्ती क्षेत्रों को गहरे तक प्रभावित किया है। दोनों देश अब शांति और बेहतर संबंधों की आशा के साथ इस ख़तरे को ख़त्म करने की दिशा में काम करने पर सहमत हुए हैं। मंत्री के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच समझौते की मध्यस्थता दो देशों- कतर और तुर्किए ने की । ख्वाजा आसिफ ने इस समझौते की मध्यस्थता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी, तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोआन और तुर्कीये के दूत इब्राहिम कालिन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह समझौता दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच हुआ जिसमें पिछले हफ़्ते सीमा पार के कारण उग्रवाद से जुड़ी सीधी झड़पें भी शामिल हैं। दोनों देशों ने स्वीकार किया है कि उग्रवाद द्विपक्षीय संबंधों में तनाव पैदा करने वाला मुख्य मुद्दा है आसिफ ने कहा, अफ़ग़ान रक्षा मंत्री ने भी स्वीकार किया है कि उग्रवाद हमारे संबंधों में तनाव का मुख्य कारण है। अब हमारा लक्ष्य इस और अन्य लंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए एक प्रभावी तंत्र स्थापित करना है। उन्होंने कहा की कि समझौते के 'तकनीकी' विवरणों को अंतिम रूप देने के लिए अगले सप्ताह इस्तांबुल में एक और बैठक होगी।

फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति सरकोजी को जेल भेजा गया

एजेंसी

पेरिस। लीबिया से अवैध चुनाव फंडिंग के मामले में सजायाफ्ता फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी पाँच साल के कारावास की सज़ा काटने के लिए मंगलवार को पेरिस की एक जेल भेज दिये गये। 70 वर्षीय नेता सुबह पुलिस की गाड़ी से ला सांते जेल पहुँचे। वह जेल जाने वाले यूरोपीय संघ के किसी देश के पहले पूर्व प्रमुख बन गए हैं।

सरकोजी को पिछले महीने आपराधिक षडयंत्र का दोषी पाए जाने के बाद पाँच साल की सज़ा सुनाई गई थी। यह सज़ा दिवंगत लीबियाई शासक मुअम्मर गद्दाफी से अपने 2007 के चुनाव अभियान के लिए लाखों यूरो की राशि अवैध रूप से स्वीकार करने के कारण मिली थी। हालांकि उन्होंने हमेशा इन आरोपों से इनकार किया है। उनके वकीलों ने बताया कि जैसे ही वह अपनी सज़ा शुरू करने के लिए जेल पहुँचे, उसके साथ ही उनकी रिहाई के लिए अदालत में

तुरंत आवेदन कर दिया गया है।

जेल जाने से पहले उन्होंने एक्स पर कहा, मैं बदले और नफरत का शिकार हुआ हूं। मैं फ्रांसीसी लोगों को बताना चाहता हूँ कि आज सुबह गणतंत्र के किसी पूर्व राष्ट्रपति को नहीं, बल्कि एक निर्दोष व्यक्ति को जेल भेजा जा रहा है। सच्चाई की जीत होगी। सुबह से ही दर्जनों समर्थक और परिवार के सदस्य सरकोजी के घर के बाहर खड़े थे, जिनमें से कुछ ने फ़्रेमयुक्त तस्वीरें भी ली हुई थीं। उनके समर्थक निकोलस को रिहा करो, के नारे लगा रहे थे। उनके समर्थकों ने इसे फ्रांस और लोकतंत्र के लिए एक दुखद दिन करार दिया। जेल जाने के लिए रवाना होने से पहले, उन्होंने फ्रांसीसी राष्ट्रगान गाया। उनके पड़ोसी अपनी बालकनी से इस पूरे दृश्य को देख रहे थे। इससे पहले द्वितीय विश्व युद्ध के बाद नाज़ी सहयोगी राष्ट्राध्यक्ष रहे फिलिप पेटेन को कारावास भेजा गया था। इसके बाद सरकोजी पहले फ्रांसीसी नेता हैं जिन्हें जेल में भेजा गया है। मीडिया रिपोर्टों में जेल अधिकारियों के हवाले से बताया कि उन्हें जेल के एकांत कारावास खंड में नौ वर्ग मीटर (95 वर्ग फुट) की कोठरी में रखा जाएगा ताकि वह वह अन्य कैदियों के संपर्क से बचे रहें और सुरक्षित रहें। एकांत कारावास में, कैदियों को दिन में एक बार अपनी कोठरी से बाहर निकलकर, एक छोटे से आँगन में अकेले टहलने की अनुमति होती है।

मध्यमार्गी रोड्रिगो पाज़ बने बोलीविया के नए राष्ट्रपति, 20 साल के वामपंथी शासन का अंत

एजेंसी

लापाज़। बोलीविया में राष्ट्रपति चुनाव के दूसरे दौर के मतदान में 'मध्यमार्गी' उम्मीदवार रोड्रिगो पाज़ ने शानदार जीत हासिल करते हुए पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज 'तुटो' क्विरोगा को हरा दिया है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक रविवार को सम्पन्न चुनावों में पाज़ को 54 प्रतिशत से ज्यादा वोट मिले जिससे उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी क्विरोगा को मात देने में सफलता प्राप्त की। पाज की इस जीत के साथ ही बोलीविया में लगभग 20 साल से चली आ रही वामपंथी पार्टी 'मूवमेंट टुवर्ड सोशलिज्म' (एमएएस) के शासन का अंत हो गया है। इस बीच 58 साल के पाज़ ने जीत के बाद एक चुनावी सभा में कहा, 'हम सबके लिए पूंजीवाद लाएंगे और अमेरिका के साथ रिश्ते सुधारेंगे।' वह ईसाई लोकतांत्रिक पार्टी (पीडीसी) से हैं। बोलीविया में 2006 से एमएएस पार्टी सत्ता में थी,

लेकिन इस बार उसका कोई उम्मीदवार दूसरे दौर तक नहीं पहुंच सका। गौरतलब है कि चुनाव के पहले दौर में अगस्त में मतदान हुआ था , लेकिन उस दौरान कोई दल बहुमत नहीं पा सका। इसी कारण रविवार को अंतिम दौर का मतदान हुआ जिसमें पाज़ ने जीत हासिल की । पाज़ नवंबर में सत्ता संभालेंगे इस जीत से बोलीविया की राजनीति में बड़ा बदलाव से दशकों बाद किसी गैर-वामपंथी नेता को राष्ट्रपति के पद पर काबिज होने का मौका मिला है। हालांकि पराजित होने वाले दल ने चुनावी नतीजों पर सवाल उठाए हैं।

हूती विद्रोहियों ने संयुक्त राष्ट्र के पांच कर्मचारियों को रिहा किया

एजेंसी

अदन, यमन। यमन में हूती विद्रोहियों ने संयुक्त राष्ट्र संघ के पांच कर्मचारियों को रिहा कर दिया है। इन्हें पिछले सप्ताह सना में बंदी बना लिया गया था। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफ़न दुजारिक ने सोमवार को यह जानकारी दी। स्टीफ़न दुजारिक ने बताया कि रिहा किए गए संयुक्त राष्ट्र के पांचों कर्मचारी यमन के ही नागरिक हैं। उन्होंने बताया कि हूतियों ने संगठन के 15 अन् यअंतरराष्ट्रीय कर्मचारियों को संयुक्त राष्ट्र परिसर में स्वतंत्र रूप से घूमने की अनुमति भी प्रदान कर दी है। गौरतलब है कि हूती विद्रोही राजधानी सना, तटीय शहर होदेदा और उत्तरी प्रांत सदा में संयुक्त राष्ट्र और अन्य कर्मचारियों के खिलाफ लंबे समय से कार्रवाई करते रहे हैं। वे दावा करते हैं कि हिरासत में लिए गए संयुक्त राष्ट्र कर्मचारी और अन्य संगठनों एवं दूतावासों के कर्मचारी जासूस थे। हालांकि संयुक्त राष्ट्र ने इस दावे का खंडन किया है। इस बीच दुजारिक ने यह भी बताया कि महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने ईरान, यमन और सऊदी अरब के विदेश मंत्रियों और नेताओं से कर्मचारियों की हिरासत के संबंध में बात की थी। उन्होंने कहा कि चूँकि संयुक्त राष्ट्र हूतियों के साथ संवेदनशील वार्ता में लगा हुआ है, इसलिए यह ज़रूरी है कि क्षेत्र में प्रभाव रखने वाले सदस्य देश ईरान, यमन और सऊदी अरब अपने प्रभाव का इस्तेमाल करके अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय कर्मचारियों की रिहाई में मदद करें।

ब्रिटेन की संसद में चागोस द्वीप मॉरीशस को सौंपे जाने पर सवाल, चीन पर आरोप

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन ने हिन्द महासागर में मॉरीशस को सौंपे जाने वाले चागोस द्वीप समूह के 'पेरोस बानहोस' को चीन द्वारा खरीद कर दियागो गार्सिया के समीप 'सैन्य अड्डा' बनाये जाने की कोशिश की रिपोर्टों को निराधार एवं 'बकवास' करार दिया है। विदेश कार्यालय में राज्य मंत्री स्टीफन डौटी ने ब्रिटिश संसद के निचले सदन हाउस आफ कामन्स में इस आशय के प्रस्ताव पर सोमवार को हुई तीखी बहस में कहा कि यह कहना कि मॉरीशस चागोस द्वीप समूह को लेकर चीन के साथ गुप्त बातचीत कर रहा है, पूरी तरह बकवास है। डौटी ने संसद में बताया कि ब्रिटिश हिंद महासागर क्षेत्र (बीआईओटी) को सौंपने की संधि के तहत, विदेशी सेनाओं को इस द्वीपसमूह में अड्डे बनाने से प्रतिबंधित किया गया है। उन्होंने कहा कि मई में सरकार द्वारा हस्ताक्षरित चागोस द्वीप समूह को मॉरीशस को सौंपे जाने संबंधी इस समझौते के तहत, ब्रिटेन, डिएगो गार्सिया स्थित ब्रिटिश-अमेरिकी सैन्य अड्डे पर कम से कम 99 वर्षों तक नियंत्रण बनाए रखेगा, जिसकी औसत वार्षिक लागत 10.1 करोड़ पाउंड होगी। यह संधि बाहरी द्वीपों की सुरक्षा की रक्षा करती है और विदेशी सेनाओं को उन पर अड्डे बनाने से स्पष्ट रूप से रोकती है। डौटी ने कहा कि इस विधेयक में उक्त समझौते के कुछ हिस्सों को क़ानूनी रूप देने के लिये शामिल किया गया है, जिसमें ब्रिटिश हिंद महासागर क्षेत्र का विघटन भी शामिल है। इस बीच सांसदों द्वारा डिएगो गार्सिया सैन्य अड्डा और ब्रिटिश हिंद महासागर क्षेत्र विधेयक पर बहस के दौरान, विपक्ष की ओर से विदेश मामलों की प्रभारी सांसद वेंडी मॉर्टन ने अड्डे की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई सुश्री मॉर्टन ने कहा, मंत्रियों द्वारा आश्वासन दिया जा रहा है कि चागोस द्वीपसमूह में ऐसा कुछ भी नहीं हो सकता जिससे हमारे हितों को खतरा हो, जो पहले ही कमज़ोर किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि मॉरीशस पहले से ही भारत के साथ द्वीपसमूह की सुरक्षा में अपनी भूमिका के बारे में बातचीत कर रहा है और फिर भी ब्रिटेन इस चर्चा में शामिल ही नहीं है। उन्होंने कहा, ÷अगर ये बातचीत ब्रिटेन के बिना किसी मित्र देश के साथ हो रही है, तो कोई सोच ही सकता है कि चीन और रूस के साथ गुप्त रूप से क्या बातचीत हो रही है। ऐसी खबरें हैं कि चीन पेरोस बानहोस के लिए मॉरीशस के साथ पहले से ही बातचीत कर रहा है। सुश्री मॉर्टन ने कहा अगर कोई चर्चा हो रही है, तो यह मंत्रियों द्वारा इस सदन को दिए गए आश्वासनों को कमज़ोर करेगा और मॉरीशस की ओर से एक दुर्भावनापूर्ण कार्य होगा। उन्होंने कहा कि सरकार डिएगो गार्सिया और ब्रिटेन की सैन्य संपत्तियों के लिए चीन द्वारा उत्पन्न खतरों को गंभीरता से लेने में विफल हो रही है। हालांकि इस पर हस्तक्षेप करते हुए डौटी ने कहा, मैं इस बिंदु पर कहना चाहता हूँ कि यह बिल्कुल बकवास है और क्या वह इस बात का कोई सबूत देने को तैयार हैं कि ऐसा होने वाला है? यह संधि बाहरी द्वीपों की सुरक्षा की रक्षा करती है और विदेशी सेनाओं को उन पर अड्डे बनाने से स्पष्ट रूप से रोकती है। डौटी ने कहा कि कंज़र्वेटिव पार्टी के सांसदों ने चीन, रूस और ईरान का मुद्दा उठाया है,अगर उनके द्वारा सुझाई गई किसी भी काल्पनिक चीज़ के घटित होने की कोई संभावना थी तो उन्हें क्यों लगता है कि अमेरिका, हमारा सबसे करीबी सुरक्षा सहयोगी, इस समझौते का समर्थन करेगा? उन्होंने आश्वासन देते हुए कहा, ऐसा कदापि नहीं हो सकता। संधि उन्हें ऐसा करने से रोकती है। लगता है कि उन्होंने स्पष्ट रूप से इसे पढ़ा नहीं है। इसके बाद रक्षा और खुफिया समितियों के पूर्व अध्यक्ष सर जूलियन लुईस और ईस्ट विल्टशायर के रिफ़ॉर्म सांसद डैनी क्रूगर ने भी चागोस द्वीप समूह को मॉरीशस को सौंपे जाने के समझौते का विरोध करते हुए आरोप लगाया कि ब्रिटिश लेबर पार्टी की सरकार का चीन के साथ कोई गुप्त समझौता हो गया है। इस पर श्री डौटी ने फिर कहा कि उन्हें इस तर्क पर गंभीर आपत्ति है। यदि ऐसा होता तो फिर अमेरिका, हमारे फ़ाइव आईज़ साझीदार या अन्य प्रमुख सहयोगी इस समझौते का समर्थन क्यों करते हैं? यह कोई गुप्त समझौता नहीं है।

पशुपालन में ध्यान रखने योग्य बातें

पशुपालन का कार्य किसानों के द्वारा किया जाता है। पशुपालन क्या है, इस प्रश्न का उत्तर जानने का प्रयास इस आर्टिकल में है। पशुपालन में पालतू उपयोगी पशुओं को पाला जाता है। गाय, भैंस, बकरी, भेड़ इत्यादि पशुओं को किसान आजीविका के लिए पालते है। भारत के गांवों में पशुपालन आजीविका का एक महत्वपूर्ण जरिया है। तो आइए दोस्तों, पशुपालन के बारे में जानकारी लेते है।

प्राचीन काल से ही पूरे विश्व में पशुपालन चलता आ रहा है। पशुपालन के अंतर्गत पालतू पशुओं को दूध, घी, गोबर इत्यादि के लिए पालते है।

पशुपालन एक व्यवसाय है जिसे आप छोटा या बड़ा किसी भी तरह से कर सकते है। भारत के किसान या ग्रामीण लोग यह व्यवसाय करके महीनों के लाखों कमा रहे है। पशुपालन में घरेलू जानवर आते है जिनमें गाय, भैंस, बकरी इत्यादि आते है।

भारत का किसान वर्ग पशुपालन करता है। यह उसकी आमदनी का एक महत्वपूर्ण जरिया है। पशुपालन शब्द पशु और पालन से आया है जिसका अर्थ होता है पशुओं का पालन करना। पशुओं के चारे, पानी और भोजन का प्रबंध, पशुओं के लिए बाड़े का प्रबंध, उनके स्वास्थ्य और प्रजनन की देखभाल पशुपालन का हिस्सा है।

भारत की अर्थव्यवस्था कृषि पर आधारित है लेकिन पशुपालन भी एक अहम हिस्सा है। पशुओं से प्राप्त होने वाला दूध एक महत्वपूर्ण प्रदार्थ है। भारत देश में सबसे ज्यादा दुग्ध उत्पादन होता है।

भारत का उत्तरप्रदेश, बिहार राज्य सबसे अधिक दुग्ध उत्पादन करते है। विश्व की सबसे अधिक भैंसे भारत देश में पायी जाती है। कृषि के साथ पशुपालन करना बेहतर है क्योंकि इससे पशुओं के लिए चारे और भोजन का और कृषि के लिए खाद का प्रबंध हो जाता है।

एक गरीब ग्रामीण परिवार के लिए पशु किसी धन से कम नही है। पशुओं से उन्हें दूध और गोबर मिलता है जिसे बेचकर उन्हें अच्छी खासी आमदनी हो जाती है। गांवों में कई मजदूर और भूमिहीन ग्रामीणों होते है जिनके लिए पशुपालन एक वरदान है। पशुपालन में केवल गाय या भैंस ही नही, भेड़ और मुर्गी भी आती है। भेड़पालन से ऊन प्राप्त होती है जो भी आमदनी का महत्वपूर्ण जरिया है। मुर्गीपालन से अंडा और मांस मिलता है। सीमित या असीमित आय का एक बढ़िया जरिया पशुपालन है। राजस्थान में ऊंट को भी पाला जाता है।

ऊंटपालन का मकसद आवाजाही का साधन उपलब्ध करना है।

भैंस और गाय सर्वोधिक दूध देती है। बकरी से दूध बहुत कम प्राप्त होता है। अधिक दूध देने वाली गाय और भैंस की नस्ल का चुनाव जरूरी है। विदेशी नस्ल की गायें देसी से अधिक मात्रा में दूध देती है। जर्सी नस्ल की विदेशी गाय सर्वोधिक दूध देती है। साहीवाल, गिर, नागौरी, मालवी इत्यादि गाय की मुख्य नस्लें है। मुर्रा नस्ल की भैंस भी सर्वोधिक दूध उत्पादन करती है। इसके अलावा भदावरी, निलिरावी, नागपुरी इत्यादि अन्य भैंस की नस्लें है।

बकरी की मुख्य नस्लों में कश्मीरी, बारबरी, सुरती, मेहसाना, मारवारी इत्यादि आती है। बारबरी सबसे अधिक दूध देने वाली नस्ल है। पशुओं को दुधारू बनाये रखने के लिये उत्तम पशुपालन आवश्यक है। पशुओं से गोबर भी मिलता है जो खेती में खाद का काम करता है। गोबर से छाने भी बनते है जो ईंधन का काम करते है।

पशुपालन में ध्यान रखने योग्य बातें

एक आदर्श पशुपालन में मवेशियों की उचित देखभाल आवश्यक है।

1. पशुओं को हमेशा साफ सुथरे माहौल में रखना जरूरी है। अगर बाड़े का माहौल स्वच्छ नही है तो पशु बीमार हो सकते है। बीमार पशुओं को स्वस्थ पशुओं से अलग रखना चाहिए।

2. पशुओं के लिए चारे का उचित प्रबंध आवश्यक है। पशुओं का मुख्य भोजन ही चारा है, इसलिए चारा प्रबंध जरूरी है। हरा चारा पशुओं के लिए बेहतर है। गाय, भैंस, बकरी इत्यादि सभी पशु चारा खाते है। पशुओं के भोजन की भी देखरेख करे। पशु के लिए पीने के पानी का इंतजाम भी जरूरी है। साफ और स्वच्छ पानी पशु को पिलाना चाहिए।

3. मवेशियों के लिए बाड़े का प्रबंध होना चाहिए। बाड़े में ताजी हवा आने का रास्ता होना जरूरी है। बाड़े में छप्पर भी होना जरूरी है क्योंकि सर्दी और बारिश के दिनों में उन्हें सुरक्षा मिलती है।

4. बीमारियों और रोगों से दूर रखने के लिए पशुओं को नहलाना भी जरूरी है। पशुपालन में मवेशियों को नहलाना एक नित्य क्रिया है। चाहे तो उनके बाड़े में ही नहला सकते है या फिर तालाब ले जाकर नहलाया जा सकता है। इससे उनके शरीर से परजीवी निकल जाते है।

पशुपालन के बारे में जानकारी –

5. समय समय पर पशुओं को उचित टीका लगाना जरूरी है। पशुओं पर भी जीवाणुओं, वायरस इत्यादि का प्रभाव होता है, इसलिए कई प्रकार की बीमारियां घर कर जाती है। ऐसी बीमारियों से बचाव के लिए पशुओं का टीकाकरण जरूरी है। पशुओं में मुंहपका और खुरपका नामक रोग हो जाता है जिसके लिए भी टीका लगाया जाता है। पशुओं में बुखार भी होता है, इसलिए गलघोंटू नामक बुखार में टीका जरूर लगवाए।

6. पशुओं में गर्भाधान का विशेष ध्यान रखे। एक स्वस्थ गर्भाधान स्वस्थ बच्चे को जन्म देता है। पशुओं में दूध का उत्पादन बच्चे के जन्म के बाद ही होता है। कृत्रिम गर्भाधान भी आजकल बहुत किया जाता है। बच्चे के जन्म के तुरंत बाद बच्चे को तौलिये या सूती कपड़े से साफ करें।

बच्चे की नाक की सफाई भी

जरूरी है क्योंकि जन्म के समय बच्चे को सांस लेने में दिक्कत हो सकती है। इसलिए बच्चे को उल्टा लटकाना बेहतर है। गाय या भैंस के बछड़े को 2 से 3 घण्टे के अंदर मां का दूध अवश्य पिलाये।

नर पशुओं का उपयोग खेती में किया जाता है। जैसे कि बेल का उपयोग खेत जोतने में होता है। बैलगाड़ी में भी बेलों का इस्तेमाल किया जाता है। ऊंटगाड़ी या घोड़ागाड़ी में भी पशुओं का उपयोग है। पशुपालन के दौरान दूध निकालना भी आवश्यक होता है। गाय, भैंस या बकरी का दूध निकालने में समय अलग अलग लगता है।

गाय, भैंस का दूध निकालने ताकत और समझदारी आवश्यक है। बकरी का दूध निकालना इनकी तुलना में बहुत आसान है।

पशुपालन से ही डेयरी उद्योग का भविष्य है। डेयरी में दूध, पनीर, दही, घी इत्यादि पशुओं से ही मिलते है। वर्तमान में पशुपालन को कृषि विज्ञान के अंतर्गत छात्रों को पढ़ाया जाता है। भारत सरकार पशुपालन के लिए लोन भी देती है।

भारत के पास विविधतापूर्ण भौतिक और जलवायु दशाओं एवं वनस्पति के कारण समृद्ध प्राकृतिक संसाधन हैं। भारत का विश्व में भैसों की संख्या में प्रथम स्थान, गाय और बकरी के संदर्भ में द्वितीय स्थान और भेड़ों की संख्या के मामले में तीसरा स्थान है।

पशुपालन क्षेत्र दूध, अंडे, मांस इत्यादि के द्वारा न केवल जरूरी प्रोटीन एवं पोषक तत्व प्रदान करता है अपितु अखाद्य कृषि उप-उत्पादों की उपयोगिता में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। पशुपालन त्वचा, रक्त, अस्थि, वसा इत्यादि के रूप में भी कच्चा माल प्रदान करता है।

सत्रहवीं पशु जनगणना की रिपोर्ट के अनुसार, विश्व की कुल भैसों का 57 प्रतिशत और गाय-बैलों का लगभग 14 प्रतिशत भारत में है। पशुपालन भारतीय अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण क्षेत्र है। इसके अंतर्गत कृषि और मवेशी क्षेत्र में महत्वपूर्ण अवसर उपलब्ध होते हैं। पशुपालन से सूखे रोजगार प्राप्त होता है। राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में पशु इस प्रकार सहायक है।

1. गौ-पशु एवं भैसों द्वारा जुताई, यातायात और कुओं से पानी खींचने जैसी कृषि संबंधी गतिविधियों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका अदा की जाती है।

2. उनसे हमें दूध और दूध से बने उत्पाद प्राप्त होते हैं।

3. पशु कृषि खाद एवं ऊर्जा (गोबर के उपलों के रूप में) के अच्छे स्रोत हैं। इस रूप में ये पौधों से प्राप्त पोषक तत्वों के पुनर्चक्रण में सहायक होते हैं।

सुरक्षित अन्न भंडारण के लाभ

सुरक्षित अन्न भण्डारण, अन्न उत्पादन में भारत एक अग्रणी देश है। हरित क्रांति के पश्चात् आई उत्पादन वृद्धि की बाढ़ ने हमें न केवल अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करने में सक्षम बनाया अपितु निर्यात के क्षेत्र में भी हमें अद्वितीय पहचान दिलाई है । इतना प्रगतिशील होने के पश्चात् भी हमारे देश में अधिकांश अन्न का सुरक्षित भंडारण एक बहुत बड़ी चुनौती है। हालांकि अनाज का भंडारण, भारत का किसान, सदियों से करता चला आ रहा है।

किन्तु फिर भी लाखों टन अनाज हर वर्ष खराब हो जाता है। सुरक्षित अन्न भंडारण की प्रक्रिया कटाई के साथ ही शुरू हो जाती है। क्योंकि कटाई के लिए उपयोग में लाए गए यंत्र, वातावरण की परिस्थितियां (आर्द्रता और तापमान), प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से अन्न के सुरक्षित भंडारण में अहम् भूमिका निभाते हैं। भंडारण की सुरक्षा और गुणवत्ता को हानि पहुँचाने वाले कारकों में सबसे प्रमुख है, कीड़ों का प्रकोप ये कीड़े बीज एवं मिट्टी के अतिरिक्त, गहाई या ढलाई में प्रयुक्त यंत्रों द्वारा भी भंडारण तक पहुँच सकते हैं। इस लेख में सुरक्षित अन्न भंडारण हेतु ध्यान देने योग्य कुछ कदम है।

सुरक्षित अन्न भंडारण के लाभ

1. सुरक्षित अन्न भंडारण से किसान को पैदावार का पूरा लाभ मिलता है।
2. सुरक्षित अन्न भंडारण करने से परिवार के लिए स्वच्छ एवं गुणवत्तायुक्त अनाज उपलब्ध होता है, जो स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता है, कीड़ा लगा अनाज कई प्रकार की बीमारियाँ फैलाता है जैसे त्वचा से संबधित एलर्जी, अपच और अतिसार यानि स्वाद व स्वास्थ्य दोनो खराब।
3. सुरक्षित प्रकार से अन्न भंडारण करने पर किसान अपना बीज स्वयं तैयार कर सकता है, इस प्रकार उसे आर्थिक लाभ भी होगा।
4. यदि किसान अपने उत्पादन को मंडी में बेचना चाहता है, तो स्वस्थ फसल का भाव भी उसे अच्छा मिलता है।
5. अनाज में कीड़ों का प्रकोप हो जाने से किसानों का कार्य बहुत बढ़ जाता है, अन्न को साफ करने में कीड़ो से बचाने में किसानों को अन्य आवश्यक कार्यों को छोड़ कर इस कार्य में लगना पड़ता है एवं दुगुना श्रम करने को बाध्य होना पड़ता है।

इसलिए यह आवश्यक है, कि सुरक्षित अन्न भंडारण का तरीका अपनाया जाए। अनाज में संक्रमण व खराब होने के चार मुख्य कारण होते है, जैसे- नमी, कीट, चूहे तथा भंडारण के पात्र या बोरे।

नमी- अनाज के अन्दर की नमी तथा वातावरण की नमी दोनो की अधिकता अनाज को खराब कर सकती है। ज्यादा नमी होने से अनाज में कीड़ो का प्रकोप अधिक होता है, क्योंकि नमी में कीट और फफूंद की वृद्धि आसान होती है। नमी से अनाज गल या सड़ जाता हैं, या अंकुरित हो जाता है। नमी के कारण अनाज के दाने जुड़ भी सकते है, इन सब कारणों से अनाज की गुणवत्ता नष्ट हो जाती है तथा संक्रमित अनाज खाने योग्य नहीं रहता है।

कीट- अनाज पर पलने वाले कीट खेत में ही अनाज के दानों पर अंडे देना शुरू कर देते है। कुछ समय बाद इन अण्डों से लट या इल्ली निकलकर अनाज को खाने लगती है। कीड़े अनाज के भंडार में अनाज के साथ रहने लगते हैं एवं अनाज को धीरे-धीरे अन्दर बाहर से खाकर खोखला कर देते है। ऐसा अनाज बोने तथा खाने लायक नहीं रहता है। इसलिए अनाज की कटाई से पहले ही सावधानियाँ रखनी शुरू कर देनी चाहिये।

चूहे- चूहे मनुष्य के स्वास्थ्य एवं खाद्य सामग्री को काफी नुकसान पहुंचाते है। ये खड़ी फसल व भंडारित अनाज को जितना खाते है, उससे दस गुना बर्बाद करते है। चूहों के मल, मूत्र और बाल अनाज में मिल जाने से अनाज खराब हो जाता है। इसलिए चूहा नियंत्रण अन्न भंडारण का एक महत्वपूर्ण भाग हैं। भंडारण के पात्र व बोरे- यदि भंडारण में प्रयोग होने वाले पात्रों में दरारे हैं, तो उनमें कीड़े अन्डे दे देते है, जिससे नये कीड़ो का प्रकोप हो जाता है। यदि पुराने बोरों को प्रयोग किया जाता हैं, उसमें भी कीड़े या उनके अंडे हो सकते है। अनाज में लगने वाले प्रमुख कीट अनाज में लगने वाले चार मुख्य कीट है चावल का घुन, गेहूं का खपरा, दालों का भुंग, आटे की सुंडी इन कीटों से प्रभावित होने वाले अन्न इस प्रकार है, जैसे- चावल का घुन- चावल, गेहूं, मक्का, जौ, ज्वार आदि।

गेहूं का खपरा- गेहूं, चावल, ज्वार, बाजरा, मक्का आदि।

दालों का भृंग- अरहर, मूंग, उड़द, चना, मटर, मोठ, चंवला आदि।

लवणीयता, क्षारीयता एवं अम्लीयता की जांच: मिट्टी परीक्षण

बेहतर फसल उत्पादन एवं मृदा स्वास्थ्य हेतु संन्तुलित पौध पोषण परम आवश्यक होता है उचित पौध पोषण हेतु खेत की मिट्टी में उपलब्ध विभिन्न प्रमुख एवं गौण पोषक तत्वों की उपस्थित मात्रा की जानकारी मिट्टी परीक्षण द्वारा सुलभ होती है । प्राप्त मिट्टी परीक्षण परिणामो के आधार पर कृषक बन्धु उर्वरको का सन्तुलित मात्रा में उपयोग कर अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते है ।

खेत की मिट्टी में पौधो की समुचित वृध्दि एवं विकास हेतु आवश्यक पोषक तत्वों की उपलब्ध मात्राओं का रासायनिक परीक्षणों द्वारा आंकलन करना साथ ही विभिन्न मृदा विकास जैसे मृदा- लवणीयता, क्षारीयता एवं अम्लीयता की जांच करना मिट्टी परीक्षण कहलाता है ।

खेत की मिट्टी में पौधो की समुचित वृध्दि एवं विकास हेतु आवश्यक पोषक तत्वों की उपलब्ध मात्राओं का रासायनिक परीक्षणों द्वारा आंकलन करना साथ ही विभिन्न मृदा विकास जैसे मृदा- लवणीयता, क्षारीयता एवं अम्लीयता की जांच करना मिट्टी परीक्षण कहलाता है ।

पौधो की समुचित वृध्दि एवं विकास के लिये सर्वमान्य रूप से सोलह पोषक तत्व आवश्यक पाये गये है । यह अनिवार्य पोषक तत्व है। कार्बन, हाइड्रोजन, आक्सीजन, नत्रजन, फास्फोरस, पोटाश, कैल्शियम, मैग्निशियम एवं सल्फर (मुख्य या अधिक मात्रा मे लगने वाले आवश्यक पोषक तत्व) इन पोषक तत्वों मे से प्रथम तीन तत्वों को पौधे प्रायः वायु व पानी से प्राप्त करते है तथा शेष 13 पोषक तत्वों के लिये ये भूमि पर निर्भर होते है । सामान्यतः ये सभी पोषक तत्व भूमि में प्राकृतिक रूप से उपलब्ध रहते है । परन्तु खेत में लगातार फसल लेते रहने के कारण मिट्टी से इन सभी आवश्यक तत्वों का हास निरन्तर हो रहा है । असन्तुलित पौध पोषण की दशा में फसलो की वृध्दि समुचित नहीं हो पाती तथा पौधो के कमजोर होने एवं रोग व्याधि, कीट आदि से ग्रसित होने की सम्भावना अधिक रहती है । परिणामस्वरूप फसल उत्पादन कम होता है इसके अतिरिक्त उर्वरक भी काफी महंगे होते जा रहे है। अतः इन पोषक तत्वों को खेत में आवश्यकतानुरूप ही उपयोग करना जिससे खेती लाभदायक बन सकती है ।

खेतो में उर्वरक डालने की सही मात्रा की जानकारी मिट्टी परीक्षण द्वारा ही प्राप्त की जा सकती है । अतः मिट्टी परीक्षण उर्वरकों के सार्थक उपयोग एवं बेहतर फसल उत्पादन हेतु नितान्त आवश्यक है ।

मिट्टी परीक्षण के उद्देश्य-

मिट्टी परीक्षण सामान्यतया निम्न उद्देश्यो की पूर्ति के लिये किया जाता है –

1. मिट्टी में पोषक तत्वों के स्तर की जांच करके फसल एवं किस्म के अनुसार तत्वों की सन्तुलित मात्रा का निर्धारण कर खेत में खाद एवं उर्वरक मात्रा की सिफारिश हेतु ।

2. मृदा अम्लीयता, लवणीयता एवं क्षारीयता की पहचान एवं सुधार हेतु सुधारको की मात्रा व प्रकार की सिफारिश कर इन जमीनो को कृषि योग्य बनाने हेतु महत्वपूर्ण सलाह एवं सुझाव देना ।

3. फल के बाग लगाने के लिये भूमि की उपयुक्तता का पता लगाना ।

4. मृदा उर्वरता मानचित्र तैयार करने के लिये । यह मानचित्र विभिन्न फसल उत्पादन योजना निर्धारण के लिये महत्वपूर्ण होता है तथा क्षेत्र विशेष में उर्वरक उपयोग संबंधी जानकारी देता है ।

मिट्टी परीक्षण के लिये सबसे महत्वपूर्ण होता है कि मिट्टी का सही नमूना एकत्र करना । इसके लिये जरूरी होता है कि नमूना इस प्रकार लिया जाये कि वह जिस खेत या क्षेत्र से लिया गया हो उसका पूर्ण प्रतिनिधित्व करता हो । इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु मिट्टी के प्रतिनिधि नमूने एकत्र किये जाते है । प्रतिनिधि नमूना लेने के लिये ध्यान दे कि –

1- नमूना लेने से पूर्व खेत में ली गई फसल की बढवार एक ही रही हो ।

2- उसमें एक समान उर्वरक उपयोग किये गये हो ।

3- जमीन समतल व एक ही हो तो ऐसी स्थिति में पूरे खेत से एक ही संयुक्त या प्रतिनिधि नमूना ले सकते है ।

इसके विपरीत यदि खेत में अलग-अलग फसल ली गई हो । भिन्न-भिन्न भागो में अलग-अलग उर्वरक मात्रा डाली गई हो । फसल बडवार कही कम, कही ज्यादा रही हो । जमीन समतल न होकर ढालू हो तो इन परिस्थितियो में खेत के समान गुणो वाली सम्भव इकाईयो में बांटकर हर इकाई से अलग-अलग प्रतिनिधि नमूना लेना चाहिये । नमूना सामान्यतः फसल बोने के एक माह पहले लेकर परीक्षण हेतु भेजना चाहिये ताकि समय पर परिणाम प्राप्त हो जायें एवं सिफारिश के अनुसार खाद उर्वरको का उपयोग किया जा सके ।

नमूना एकत्रीकरण हेतु आवश्यक सामग्री

खुरपी, फावडा, बाल्टी या ट्रे, कपडे एवं प्लास्टिक की थैलियां , पेन, धागा, सूचना पत्रक , कार्ड आदि ।

प्रतिनिधि नमूना एकत्रीकरण विधि-

1- जिस खेत में नमूना लेना हो उसमें जिग-जैग प्रकार से घूमकर 10-15 स्थानो पर निशान बना ले जिससे खेत के सभी हिस्से उसमें शामिल हो सकें ।

2- चुने गये स्थानो पर उपरी सतह से घास-फूस, कूडा करकट आदि हटा दे।

3- इन सभी स्थानो पर 15 सें.मी. (6 - 9 इंच) गहरा वी आकार का गड्ढा खोदे । गड्डे को साफ कर खुरपी से एक तरफ उपर से नीचे तक 2 से.मी. मोटी मिट्टी की तह को निकाल ले तथा साफ बाल्टी या ट्रे में डाल ले ।

ब्रोकली की खेती

स्प्राउटिंग ब्रोकली (हरी गोभी) एक गोभी वर्गीय सब्जी है । ब्रोकली की खेती ठीक फूलगोभी के समान ही की जाती है। इसके बीज व पौधे देखने में लगभग फूलगोभी की तरह ही होते हैं। इसके पौधों में गोभी के समान फूल लगते हैं, इस फूल को हम सब्जी के रुप में इस्तेमाल करते हैं। ब्रोकली का खाने वाला भाग छोटी-छोटी बहुत सारी हरे फूल कलिकाओं का गुच्छा होता है। फूल गोभी में जहां एक पौधे से एक फूल मिलता है, वहीं ब्रोकली के पौधे से एक मुख्य गुच्छा काटने के बाद भी, पौधे से कुछ शाखाएं निकलती हैं और इन शाखाओं से बाद में ब्रोकली के छोटे फूल प्राप्त किए जाते है। ब्रोकली फूलगोभी की तरह ही होती है, लेकिन इसका रंग हरा होता है इसलिए इसे हरी गोभी कहा जाता है।

हमारे देश में ब्रोकली की खेती विगत कुछ वर्षों से ही शुरू की गई है। अभी इसकी खेती आमतौर पर महानगरों और पर्यटक स्थलों तक ही सीमित है। पांच सितारा होटलों तथा पर्यटक स्थलों पर इस सब्जी की मांग बहुत है और शहरों के समीप किसान इसकी खेती करके बहुत अधिक लाभ कमा रहे हैं। ब्रोकली का बाजार भाव 60 से 90 रुपये प्रति किलोग्राम तक मिल जाता है। ब्रोकली अन्य गोभी वर्ग की सब्जियों की अपेक्षा अधिक मात्रा में प्रोटीन, विटामिन्स व खनिज पदार्थ होते हैं। इसमें फूलगोभी से 130 गुणा और गांठगोभी से 22 गुणा विटामिन 'ए' होता है।

ब्रोकली में सल्फोराफेन नामक यौगिक बहुत अधिक मात्रा में पाया जाता है, जो कैंसर रोगियों के लिए लाभदायक होता है और स्वस्थ लोगों में कैंसर होने की संभावना कम करता है। ब्रोकली हृदय रोगियों के लिए भी फायदेमंद होती है। क्योंकि इसके खाने से रक्त में सीरम कालेस्ट्रोल का स्तर घट जाता है। ब्रोकली की पौष्टिकता को देखते हुए आम लोगों में इसकी मांग दिनों-दिन बढ़ती जा रही है तथा आने वाले समय में इसकी खेती महानगरों के समीप व पर्यटक स्थलों तक ही सीमित न रहकर पूरे देश में होने लगेगी एवं किसानों के लिए इसकी खेती बहुत लाभकारी सिद्ध होगी।

ब्रोकली के लिए ठन्डी जलवायु की आवश्यकता होती है। देश के अधिकतर भागों में इसकी खेती रबी मौसम में की जाती है, जबकि अधिक ऊंचाई वाले पहाड़ी क्षेत्रों में इसकी खेती गर्मी के मौसम में भी की जा सकती है। ब्रोकली की अच्छी वृद्धि के लिए 10 से 18 डिग्री सेन्टीग्रेड तापमान की आवश्यकता होती है।

ब्रोकली की सफल खेती के लिए अच्छी जल धारण क्षमता वाली और कार्बनिक पदार्थों से भरपूर दोमट व बलुई दोमट भूमि सर्वोत्तम मानी जाती है। भूमि का पी एच मान 6.0 से 6.8 के बीच होना चाहिए। भूमि में जल निकास की उचित व्यवस्था होनी चाहिए, क्योंकि खेत में पानी खड़ा रहने से पौधों की जड़ों को हानि पहुंच सकती है।

ब्रोकली की फसल के लिए खेत तैयार करने के लिए पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल या हैरो से करें, इसके बाद 2 से 3 जुताई देशी हल या कल्टी वेटर से करनी चाहिए। अन्तिम जुताई करने से पहले खेत में 10 से 15 टन प्रति हैक्टेयर की दर से गोबर की सड़ी-गली खाद डाल कर मिट्टी में अच्छी प्रकार मिला दें और पाटा लगाकर खेत को ढेले रहित व समतल बना लें।

ब्रोकली की अच्छी उपज लेने के लिए बुवाई का समय व उगाये जाने वाले क्षेत्र के अनुसार सही किस्मों का चुनाव अति आवश्यक है।

बीज हमेशा किसी विश्वसनीय संस्था जैसे- राष्ट्रीय बीज निगम, राज्य कृषि विभाग या कृषि विश्वविद्यालय आदि से ही खरीदें। इसकी किस्मे तीन प्रकार की श्वेत, हरी और बैंगनी होती है, इनमें से हरे रंग की गठे हुए शीर्ष वाली किस्में अधिक पसंद की जाती है। ब्रोकली की कुछ उन्नत किस्में इस प्रकार हैं, जैसे-

के टी एस- 1 (पूसा ब्रोकली)- इस किस्म का सिरा हल्के हरे रंग का, फल गुंथा हुआ तथा 250 से 400 ग्राम वजन का होता है। यह किस्म रोपाई के उपरान्त 80 से 90 दिन में तैयार हो जाती है और इसकी औसत पैदावार 120 से 140 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है।

के टी एस 59- इस किस्म का सिरा गुंथा हुआ, फल हरे रंग का होता है और इसकी औसत पैदावर 90 से 100 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है।

पालम समृद्धि- इस किस्म का सिरा हरा, गुंथा हुआ, पीले धब्बों और पत्तियों से युक्त होता है। फूल का वजन 300 से 400 ग्राम होता है। यह किस्म 85 से 95 दिन में तैयार हो जाती है और पैदावार 150 से 180 क्विंटल प्रति हैक्टेयर तक मिल जाती है।

ग्रीन स्प्राउटिंग ब्रोकली- इस किस्म का सिरा गहरे हरे रंग का गुंथा हुआ होता है। जिसका वजन 200 से 250 ग्राम होता है। इसके पौधे शाखायुक्त होते हैं, यह किस्म रोपाई के उपरान्त 90 से 100 दिन में तैयार हो जाती है और इसकी पैदावार 120 से 150 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है।

पंजाब ब्रोकली- इसके पौधे शाखायुक्त, चिकनी पत्तियां और अत्यधिक फुटाव वाले होते हैं। सिरा मध्यम आकार, हल्की गुथी हुई हरी कलियां युक्त और फल 150 से 200 ग्राम वजन के होते हैं। यह किस्म रोपाई के 60 से ı0 दिन उपरान्त तैयार हो जाती है और इसकी औसत पैदावार 60 से ı5 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है।

इन किस्मों के अतिरिक्त कुछ विदेशी कम्पनियां भारत में अब ब्रोकली की संकर किस्मों का बीज भी बेच रही हैं। जिनमें से कुछ संकर किस्में इस प्रकार हैं, जैसे- पैकमैन, कैप ओवन, बैकलस, ग्रीन लोफी, लैण्ड स्टार, ग्रीन मेल, ग्रीन डोम, शिगमरी आदि है।

ब्रोकली की एक हेक्टेयर की पौध तैयार करने के लिए लगभग 350 से 450 ग्राम बीज की आवश्यकता होती है। नर्सरी में बीज की बुवाई उत्तर भारत के मैदानी क्षेत्रों में सितम्बर से अक्टूबर में की जाती है। पहाड़ी क्षेत्रों में बुवाई जुलाई से अगस्त में जबकि अधिक ऊंचाई वाले पहाड़ी क्षेत्रों में बीज की बुवाई मार्च से अप्रैल में की जाती है।

ब्रोकली की सफल खेती के लिए स्वस्थ बीज और स्वस्थ निरोग नर्सरी का होना अत्यन्त आवश्यक है। नर्सरी तैयार करने के लिए स्थान का चुनाव करते समय कुछ विशेष बातों का ध्यान रखना चाहिए, जैसे- नर्सरी खेत के किनारे पर लगानी चाहिए जहां धूप लगती हो, पेड़ों की छाया न हो, सिंचाई की उचित व्यवस्था हो, मिट्टी में कंकड़-पत्थर न हों। नर्सरी ऊंचे स्थान पर हो जहां पर पानी का जमाव बिल्कुल न हो।